सेंसेक्स	80,157.88
निफ्टी	24,579.60
सोना	1,06,090
चांदी	1,26,100
डॉलर	88.05

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
बुधवार 03 सितम्बर 2025
भाद्रपद शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 340
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

वैष्णो देवी मंदिर 7 दिन से बंद

कटरा। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के कारण वैष्णो देवी यात्रा मंगलवार को लगातार सातवें दिन स्थगित रही। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने कहा कि उसने दोबारा यात्रा शुरू होने तक हेलिकॉप्टर और आवास सहित सभी बुकिंग रद्द कर दी हैं। लोगों को 100 प्रतिशत रिफंड दिया जाएगा। यात्रा मार्ग के संवेदनशील इलाकों में स्थित होटलों, दुकानों को तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया है। इसमें एशिया चौक, बलिनी पुल के बीच, दर्शनी ड्योढ़ी तक हैं। श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि इन संवेदनशील हिस्सों में 80 से ज्यादा दुकानें और छोटे होटल आते हैं। दरअसल, ये प्रतिष्ठान भूस्खलन प्रभावित इलाकों में है।

नेस्ले सीईओ की नौकरी गई

मुंबई। एफएमसीजी कंपनी नेस्ले ने अपने चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर लॉरेंट फ्रीक्स को नौकरी से निकाल दिया है। फ्रीक्स पर उनके ही एक साथी कर्मचारी के साथ अफेयर के चलते यह कार्रवाई की गई है। कंपनी ने एक नोटिफिकेशन में बताया कि फ्रीक्स ने इस रिश्ते की जानकारी भी कंपनी को नहीं दी। यह नियमों का उल्लंघन है। कंपनी ने अब उनकी जगह सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और नेस्ले के कॉफी स्ट्रैटजिक बिजनेस यूनिट के हेड फिलिप नवरातिल को नया सीईओ नियुक्त किया है। इससे पहले एस्ट्रोनॉमर एंडी बायरन अपनी एसआर हेड के साथ एक कॉन्सर्ट में देखे गए थे। इसके बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था।

एयर इंडिया विमान से फिर आया मेडे कॉल

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इंदौर के लिए उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एयर इंडिया के विमान में तकनीकी खामी आ गई। पायलट ने तुरंत मेडे कॉल देकर आपात स्थिति घोषित की, जिससे हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहत की बात यह रही कि विमान को सुरक्षित दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस उतार लिया गया। जानकारी के अनुसार, एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-2913 ने रविवार को दिल्ली से इंदौर के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान के थोड़ी देर बाद ही कॉकपिट को दाहिने इंजन (इंजन संख्या-2) में आग लगने का अलर्ट मिला। इसके बाद पायलट ने तुरंत एटीसी से संपर्क किया और मेडे कॉल भेजा। एटीसी ने फौरन फुल इमरजेंसी घोषित करते हुए दमकल और राहतकर्मियों को अलर्ट पर रखा। करीब आधे घंटे हवा में रहने के बाद विमान को सुरक्षित रूप से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतार लिया गया। सभी यात्रियों समेत क्रू मेंबर सुरक्षित रहे और इसी के साथ यात्रियों को इंदौर भेजने के लिए एयर इंडिया ने वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की।

विपक्ष पर बरसे पीएम बिहार में राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गाली

देश की मां-बहन-बेटी का अपमान

नई दिल्ली/पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने 105 करोड़ रुपए की राशि को जीविका निधि में ट्रांसफर किया।

कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, आज प्रधानमंत्री मोदी जीविका निधि का शुभारंभ कर रहे हैं। इस कार्य से स्वयं सहायता समूह की जीविका दीदीयों को ऋण राशि प्राप्त करने में सुविधा होगी। राज्य सरकार ने इस कार्य के लिए 1 हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

पूजा की परंपरा, मां के प्रति श्रद्धा बिहार की पहचान

कुछ दिनों बाद नवरात्र का पावन पर्व शुरू होने वाला है। पूरे देश में नवदुर्गा की पूजा होगी, यानी मां के नौ रूपों की पूजा होगी। लेकिन, बिहार और पुरबिया इलाके में नवदुर्गा के साथ सतबहिनी पूजा की परंपरा भी पीढ़ियों से है। मां के रूप में सात बहनों की पूजा की परंपरा, मां के प्रति श्रद्धा और विश्वास, ये बिहार की पहचान है।

सशक्त महिलाएं विकसित भारत का आधार

उन्होंने आगे कहा, विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार है, भारत की सशक्त महिलाएं। महिलाओं को सशक्त करने के लिए बहुत जरूरी है कि उनकी जिंदगी से हर प्रकार की मुश्किलें कम हों। इसलिए हम माताओं-बहनों-बेटियों की जिंदगी को आसान बनाने के लिए अनेक काम कर रहे हैं। हमने महिलाओं के लिए करोड़ों शौचालय बनवाए, ताकि उन्हें खुले में शौच की मजबूरी से मुक्ति मिले। हमने पीएम आवास योजना के अंतर्गत पक्के घर बनवाए और इसमें ये भी ध्यान रखा कि वो घर हो सके तो महिलाओं के नाम पर हो। महिला जब घर की मालकिन होती है, तो उसकी आवाज का भी वजन बढ़ जाता है।

बिहार की माताओं-बहनों की मिलेगी नई सुविधा

वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मंगलवार के दिन बहुत मंगल कार्य की शुरुआत हो रही है। बिहार की माताओं-बहनों को आज एक नई सुविधा मिलने जा रही है- जीविका निधि साख सरकारी संघ। इससे गांव-गांव में जीविका से जुड़ी बहनों को अब और आसानी से पैसा मिलेगा। उन्हें आर्थिक मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, मुझे ये देखकर खुशी हो रही है कि जीविका निधि की व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल है। मैं बिहार की माताओं-बहनों को बहुत बधाई देता हूं और इस अद्भुत पहल के लिए मैं नीतीश कुमार और बिहार की एनडीए सरकार का भी अभिनंदन करता हूं।

राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गई

उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार के लिए मां की गरिमा, उसका सम्मान, उसका स्वाभिमान बहुत बड़ी प्राथमिकता है। मां ही तो हमारा संसार होती है, मां ही हमारा स्वाभिमान होती है। उन्होंने कहा, बिहार में कुछ दिनों पहले जो हुआ, उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। बिहार में राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं। ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं है। ये देश की मां-बहन-बेटी का अपमान है। पीएम मोदी ने कहा, मुझे पता है कि आप सबको भी ये देखकर और सुनकर कितना बुरा लगा है। मैं जानता हूं कि इसकी जितनी पीड़ा मेरे दिल में है, उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों को भी है। इसलिए, आज जब इतनी बड़ी तादात में बिहार की लाखों माताओं-बहनों के दर्शन मैं कर रहा हूं, तो आज मेरा मन और मैं अपना दुख आपसे साझा कर रहा हूं। ताकि आप माताओं-बहनों के आशीर्वाद से मैं इसे झेल पाऊं।

मैंने हर देश के लिए पूरी मेहनत से किया काम

उन्होंने कहा, मैंने हर दिन, हर क्षण अपने देश के लिए पूरी मेहनत से काम किया है और इसमें मेरी मां की बहुत बड़ी भूमिका रही है। मुझे मां भारती की सेवा करनी थी... इसलिए मुझे जन्म देने वाली मेरी मां ने मुझे अपने दायित्वों से मुक्त कर दिया था। उस मां के ही आशीर्वाद से मैं चल पड़ा था। इसलिए, मुझे आज इस बात की पीड़ा है कि जिस मां ने मुझे देशसेवा का आशीर्वाद देकर भेजा, खुद से अलग करके मुझे जाने की इजाजत दी। मोदी ने कहा, आप सब जानते हैं कि अब मेरी मां का शरीर तो इस दुनिया में नहीं है। कुछ समय पहले 100 साल की उम्र पूरी करके, वो हम सबको छोडक़र चली गई। मेरी उस मां को जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, जिसका शरीर भी अब नहीं है। मेरी उस मां को राजद-कांग्रेस के मंच से भद्दी-भद्दी गालियां दी गई। ये बहुत ही दुख, कष्ट और पीड़ा देने वाला है। उस मां का क्या गुनाह है कि उसे भद्दी गालियां सुना दी गई।

मुफ्त राशन योजना चला रही सरकार

प्रधानमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार आज मुफ्त राशन की योजना भी चला रही है। इस योजना ने हर मां को, इस चिंता से मुक्ति दिलाई है कि आज घर में बच्चों का पेट कैसे भरेगा। महिलाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए हम उन्हें लखपति दीदी, ड्रोन दीदी और बैंक सखी भी बना रहे हैं। ये सारी योजनाएं माताओं-बहनों की सेवा का एक बहुत बड़ा महायज्ञ है। आज इस कार्यक्रम में मैं आपको ये भरोसा देता हूं कि आने वाले महीनों में बिहार की एनडीए सरकार इस अभियान को और तेज करने जा रही है।

मनोज जरांगे की बड़ी जीत, कुनबी प्रमाण पत्र के लिए बनेगी कमेटी

मराठा आरक्षण देने पर राजी हुई महाराष्ट्र सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शन करने आए लोगों और मनोज जरांगे की बड़ी जीत हुई है। सरकार ने हैदराबाद गजट को जारी कर दिया है। यानि कि मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का दर्ज प्राप्त होगा। कुनबी जाति को पहले ही प्रदेश में ओबीसी में शामिल हैं। सरकार के इस फैसले से मराठाओं को आरक्षण मिलने का रास्ता साफ हो गया है। सरकार की इस पहल से न केवल मराठा समाज के लिए कई अवसरों के रास्ते खोलेगी, बल्कि इस फैसले से सामाजिक न्याय की दिशा भी मजबूत होगी।

सरकार की ओर से गजट जारी करने के पहले मनोज जरांगे ने आमरण अनशन खत्म करने को लेकर कुछ शर्तें रखीं थीं। इसमें मराठा समाज को कुनबी जाति में शामिल करने की मांग सबसे प्रमुख था। अब सरकार की ओर से जीआर जारी हो गई है। ऐसे में संभावनाएं हैं कि रात नौ बजे वह मुंबई छोडक़र चले जाएं। क्योंकि हाईकोर्ट ने भी बुधवार सुबह तक आजाद मैदान खाली करने की सख्त चेतावनी दी है।

मनोज जरांगे का लंबा संघर्ष

मराठा आरक्षण को लेकर फडणवीस सरकार ने जो हामी भरी है, उसके लिए मनोज जरांगे ने महीनों आंदोलन किए हैं। आरक्षण का रास्ता इतना आसान भी नहीं था। मनोज जरांगे ने 2021 में मराठा आरक्षण को लेकर पिंपलगांव में 90 दिनों तक आंदोलन किया था। 2023 में अगस्त के महीने में जालना में जरांगे ने आरक्षण की मांग को लेकर बड़े स्तर का आंदोलन किया था। उन्होंने कई दिनों तक आमरण अनशन किया और पुलिस की कार्रवाई के बाद यह आंदोलन प्रदेश भर में सुर्खियों में चर्चा में आई थी। इसके अलावा, 2023 से लेकर 2025 के बीच जरांगे ने कई बार अलग-अलग क्षेत्रों में भूख हड़ताल की, जिसमें प्रमुख तौर पर मराठवाड़ा क्षेत्र और मुंबई में, सात बार आमरण अनशन किया।

कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव पर 102 करोड़ का जुर्माना

11 हजार पन्नों के दस्तावेज आरोपियों को थमाए गए

नई दिल्ली। सोना तस्करी के चर्चित मामले में कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री रान्या राव पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 102 करोड़ रुपये का भारी-भरकम जुर्माना लगाया है। यह मामला मार्च 2025 में सामने आया था जब रान्या को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14.8 किलो सोना लाते हुए पकड़ा गया था।

विगत 3 मार्च को रान्या राव दुबई से बेंगलुरु लौटी थीं। जांच के दौरान डीआरआई अधिकारियों को उनके पास से 14.8 किलो सोना बरामद किया। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। यह मामला इसलिए ज्यादा चर्चा में रहा क्योंकि रान्या राव डीजीपी रैंक के अधिकारी के. रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं।

इस तस्करी केस में सिर्फ रान्या ही नहीं, बल्कि होटल व्यवसायी और ज्वैलर्स भी शामिल पाए गए। होटल कारोबारी तरुण कोंडाराजू पर 63 करोड़, ज्वैलर्स साहिल सकरिया जैन और भरत कुमार जैन पर 56-56 करोड़ रुपये का दंड लगाया गया है। मंगलवार को डीआरआई अधिकारियों ने बेंगलुरु सेंट्रल जेल जाकर सभी आरोपियों को 250 पन्नों का नोटिस और 2500 पन्नों का अटैचमेंट सौंपा। कुल मिलाकर 11 हजार पन्नों के दस्तावेज इस मामले में आरोपियों को थमाए गए है।

इससे पहले, जुलाई 2025 में रान्या राव को विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी

गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम (कोफेपोसा एक्ट) के तहत एक साल की सजा सुनाई गई थी। वर्तमान में यह मामला हाईकोर्ट में है और अगली सुनवाई 11 सितंबर को होनी है। आरोपी रान्या राव फिल्म इंडस्ट्री का जाना-पहचाना नाम हैं। उनका परिवार प्रशासनिक सेवाओं से जुड़ा हुआ है, जिससे मामला और हाई-प्रोफाइल बन गया है। जब्ती की गई सोने की कीमत और लगाया गया जुर्माना कर्नाटक में अब तक के सबसे बड़े मामलों में से एक माना जा रहा है।

कुल मिलाकर, यह मामला न केवल तस्करी नेटवर्क की गंभीरता को उजागर करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कड़ी निगरानी के बावजूद तस्कर लगातार नए तरीके अपनाकर सोना देश में लाने की कोशिश कर रहे हैं।

आप विधायक हिरासत से फिल्मी स्टाइल में फरार

-थाने लाते वक्त फायरिंग की, पुलिसकर्मी को कुचला

पटियाला।पंजाब की सन्नौर विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा पुलिस हिरासत से फरार हो गए हैं। मंगलवार सुबह उन्हें हरियाणा के करनाल के डाबरी गांव से हिरासत में लिया था। पुलिस उन्हें पटियाला के रास्ते पंजाब के थाने ले जा रही थी, जहां रास्ते में पठानमाजरा और उनके साथियों ने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी और गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की, जिससे एक पुलिसकर्मी घायल हो गया।

पठानमाजरा और उनके साथी एक स्कॉर्पियो और एक फॉर्च्यूनर में फरार हो गए। इनमें से पुलिस ने फॉर्च्यूनर समेत एक युवक को पकड़ लिया है। फॉर्च्यूनर से 3 पिस्टल मिली हैं। पुलिस टीम स्कॉर्पियो में फरार विधायक का पीछा कर रही है। हिरासत में लेने से पहले पठानमाजरा ने एक वीडियो जारी कर कहा था कि पंजाब पुलिस ने मेरी पूर्व पत्नी से जुड़े एक पुराने मामले में आईपीसी की धारा 376 (रेप) के तहत केस दर्ज किया है। दिल्ली की आप टीम पंजाब पर हावी होने की कोशिश कर रही है और मेरी आवाज दबाई जा रही है। पठानमाजरा पर 2022 में उनकी दूसरी पत्नी ने पहली शादी छिपाने और मारपीट का आरोप लगाया था। इसके अलावा एक कथित अश्लील वीडियो के वायरल होने के बाद भी वे सुर्खियों में रहे थे।

हम यह आदेश नहीं देंगे कि आधार नागरिकता का अंतिम प्रमाण है

सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों की मांग को किया खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों उस मांग को खारिज कर दिया जिसमें चुनाव आयोग को आधार कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने का निर्देश देने की बात कही गई थी ताकि लोग एसआईआर के बाद तैयार बिहार मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकें। कोर्ट ने कहा कि आधार की स्थिति को कानून में तय सीमा से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की युगल पीठ ने पहले कहा था कि वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के लिए चुनाव आयोग द्वारा निर्दिष्ट अन्य दस्तावेजों के साथ आधार एक पहचान दस्तावेज हो सकता है।

वहीं, सोमवार को कोर्ट ने कहा कि आधार वेरिफिकेशन के लिए दस्तावेजों में से एक होगा। जब राजद के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि चुनाव आयोग कोर्ट के

आदेश के बावजूद मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख नामों के लिए आधार को पहचान के एकमात्र प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं कर रहा है, तो पीठ ने कहा कि हम आधार अधिनियम द्वारा तय सीमा से आगे आधार की स्थिति नहीं बढ़ा सकते हैं। हम पुट्टस्वामी फैसले में आधार को बरकरार रखते हुए पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा कही गई बातों से भी आगे नहीं जा सकते हैं।

आधार अधिनियम की धारा 9 कहती है कि आधार संख्या या उसका प्रमाणीकरण, अपने आप में किसी आधार संख्या धारक के संबंध में नागरिकता या निवास का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगा या उसका प्रमाण नहीं होगा। सितंबर 2018 के पुट्टस्वामी मामले के फैसले में सुप्रीम कोर्ट की पांच-जजों की बेंच ने कहा था कि आधार संख्या अपने आप में नागरिकता या निवास के अधिकार का प्रावधान नहीं करती है।

जब राजनीतिक दलों समेत अन्य याचिकाकर्ताओं के वकील आधार को पहचान के बायोमेट्रिक प्रमाण से बढ़ाकर मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए नागरिकता का प्रमाण बनाने की मांग में शामिल हुए, तो पीठ ने पूछा कि आधार पर इतना जोर क्यों दिया जा रहा है? हम यह आदेश नहीं देंगे कि आधार नागरिकता का अंतिम प्रमाण है।

चुनाव आयोग की ओर से सीनियर एडवोकेट ने कहा कि आधार के लिए बार-बार दलील इसलिए दी जा रही है क्योंकि बिहार में कुछ जिले ऐसे हैं जहां आधार सैचुरेशन 140 फीसदी है।

कुछ ना कहना

आयकर विभाग की तीन दर्जन ठिकानों पर छापे मारी

भोपाल, इंदौर, मुंबई समेत कई शहरों में हुई कार्रवाई, करोड़ों की टैक्स चोरी उजागर होने की संभावना

भोपाल। आयकर विभाग की टीम ने साइस हाउस ओर उसके सहयोगियों के भोपाल सहित इंदौर और मुंबई के करीब तीन दर्जन ठिकानों पर छापे की कार्रवाई को अंजाम दिया हैं। छापे के दौरान भारी मात्रा में टैक्स चोरी के दस्तावेज जब्त किए गए हैं जिनकी जांच की जा रही है। इसके अलावा कई जगहों पर लॉकर की जानकारी भी मिली है।

आयकर के छापे में इन ठिकानों से भारी मात्रा में नगदी और आभूषण मिलने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों की माने तो इस कारवाई में करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी सामने आना तय माना जा रहा है। करीब तीन दर्जन ठिकानों पर की जा रही इस कार्रवाई में साइंस हाउस ही प्रमुख केंद्र है जिसके ठिकाने भोपाल के एमपीनगर समेत अन्य स्थानों पर हैं। इसके साथ ही इंदौर में भी इसके सहयोगियों के यहां छापेमारी की गई है। इन स्थानों पर लॉकर मिलने की भी जानकरी सामने आ रही है।

मेडिकल इक्विपमेंट्स और अस्पताल सर्विस देता है साइंस हाउस

साइंस हाउस के संचालक जितेंद्र तिवारी हैं साइंस हाउस गौतम नगर में सी-25 में 1994 से संचालित है। इस कम्पनी द्वारा देश भर में मेडिकल इक्विपमेंट्स की सप्लाई की जाती है। साथ ही डायग्नोस्टिक सर्विस भी दी जाती है। यहां पैथालॉजी लैब और निजी अस्पताल की भी सेवा मिलती है। यह कम्पनी साइंस हाउस मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड (एसएचएमपीएल) के नाम पर संचालित है।

ये कम्पनियां हैं साइंस हाउस ग्रुप की सहयोगी

साइंस हाउस ग्रुप के संचालक जितेंद्र तिवारी ने कई अन्य नामों से भी कम्पनियां संचालित कर रखी हैं। इसमें साइंस हाउस मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड, पीओसीएल साइंस हाउस प्राइवेट लिमिटेड, रेडसेल टेक्नालॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, जीवाणुडे फाउंडेशन और बायो साइंस हेल्थ केयर शामिल हैं।

मेडिकल सर्जिकल आइटम कारोबारी राजेश गुप्ता के यहां भी कार्रवाई

आयकर विभाग की यह कार्रवाई मेडिकल सर्जिकल आइटम कारोबारी राजेश गुप्ता के यहां भी हो रही है। राजेश गुप्ता के घर के बाहर बडी तादाद में सुरक्षाबल तैनात किए गए है, जबकि जांच एजेंसी के अधिकारी भी राजेश गुप्ता के घर पर मौजूद हैं। यह छापेमारी लालघाटी में पंचवटी के 64 बी स्थित निवास पर हुई है।

राजेश गुप्ता के घर कैश गिनने पहुंचे बैंक अधिकारी

आयकर छापे की कार्यवाही के दौरान लालघाटी स्थित राजेश गुप्ता के निवास पर बड़ा कैश मिला है। हालांकि अभी यह साफ नहीं हुआ है कि नकद राशि कितनी है लेकिन आयकर अफसरों के निर्देश पर एसबीआई के अधिकारी यहां पहुंचे हैं। इसके साथ ही राजेश गुप्ता के विदेशों में भी ठिकाने होने की जानकारी मिली है।

आयकर विभाग की छापेमारी की जद में आए साइंस हाउस ग्रुप के संचालक जितेंद्र तिवारी को विगत वर्ष जून माह में ईओडब्ल्यू अरेस्ट कर चुकी है। तिवारी की यह गिरफ्तारी ईओडब्ल्यू की टीम ने दिल्ली में एस समय की थी जब वह दो माह तक चाइना में रुकने के बाद देश वापस लौटा था।

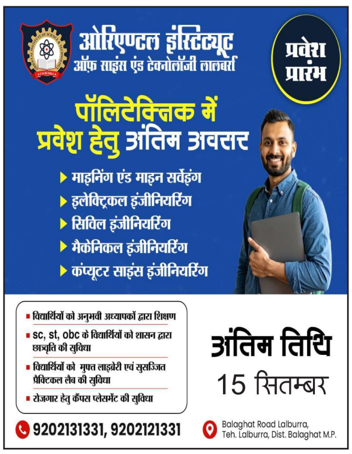

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या : 92 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 02 सितम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे एवं संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल नायक ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 92 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में किरनापुर तहसील के ग्राम डोंगरगांव का निवासी बुधराम गौतम बीमा राशि दिलाने की मांग लेकर आया था। बुधराम का कहना था कि उसका पुत्र वितेश गौतम विद्युत विभाग में आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में कार्य करता था। वितेश की मृत्यु 19 जून 2024 को ग्राम लिंगमारा में शासकीय कार्य के दौरान करंट लगने से हो गयी थी, जिसकी बीमा राशि का भुगतान अब तक नही किया गया है। इस प्रकरण में एसई एमपीईबी को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनपद पंचायत परसवाड़ा की ग्राम पंचायत गुदमा की सरपंच श्रीमती मालती वरकड़े ग्राम मे सचिव न होने की शिकायत लेकर आयी थी। उनका कहना था कि ग्राम पंचायत गुदमा में गत 03 वर्षों से सचिव की नियुक्ति नही की गई है। श्रीमती मालती ने बताया कि ग्राम में सचिव न होने के कारण पंचायत के कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। अत: शीघ्र ग्राम पंचायत गुदमा में सचिव नियुक्त किया जाए। सरपंच श्रीमती मालती का कहना था कि पंचायत उपचुनाव के बाद 22 जुलाई 2025 को वह सरपंच के पद पर निर्वाचित हुई है। लेकिन प्रभारी सचिव द्वारा अब तक उसे सरपंच का प्रभार नही दिया गया है। जिसके कारण पंचायत के कार्य प्रभावित हो रहे है। इस प्रकरण में जनपद पंचायत परसवाड़ा के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में जनपद पंचायत वारासिवनी की ग्राम पंचायत एकोड़ी के ग्रामीण ग्राम कोटवार को हटाए जाने की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना था कि ग्राम पंचायत एकोड़ी का कोटवार राहुल मेश्राम पद का दुरूपयोग करते हुए अवैध गतिविधियों में सम्मिलित होते है। उसके द्वारा 181 नम्बर पर झूठी शिकायत कर ग्रामीणो को परेशान किया जाता है और सरपंच सचिव पर दबाव बनाकर अवैध रूप से प्रस्ताव पारित करने का भी कार्य किया जाता है। अत: ग्राम एकोड़ी के कोटवार को शीघ्र हटाया जाए। इस प्रकरण में एसडीएम वारासिवनी को मामले की जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लांजी तहसील के अंतग्रत ग्राम पंचायत वारी के दिलीप जामरे वर्ष 2022 से स्वीकृत नलजल योजना का कार्य अब तक प्रारंभ न करने की शिकायत लेकर आए थे। दिलीप का कहना था कि जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम पंचायत वारी में वर्ष 2022 में नलजल निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई थी, किंतु आज दिनांक तक कार्य प्रारंभ नही किया गया है। अत: शीघ्र ग्राम पंचायत वारी में नलजल योजना के निर्माण कार्य प्रारंभ किये जाए। इस प्रकरण में पीएचई के ईई को प्रकरण की जांच कर शीघ्र कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है।

जनसुनवाई में लांजी के मानसिंह परीमल शिकायत लेकर आए थे कि रायसिंग एंड कम्पनी को सड़क निर्माण के लिए अनुमति दी गई थी। इस सड़क के निर्माण में 832 वृक्ष प्रभावित हो रहे थे। वन विभाग द्वारा इनमें से 300 पेड़ो की कटाई करायी गई है। उनके द्वारा सम्पूर्ण लकड़ियो के लट्ठे, बल्लियॉ एवं जलाऊ चट्ठे की थप्पी लगाकर निकासी का कार्य वन विभाग के अमले के मार्गदर्शन में किया गया है। लेकिन अब वन विभाग द्वारा इस कार्य का भुगतान नही किया जा रहा है और कहा जा रहा है कि ठेकेदार से राशि प्राप्त करें। ठेकेदार इस राशि को देने से मना कर रहा है। अत: उन्हें इस कार्य में लगी 04 लाख 20 हजार 634 रुपये की राशि का भुगतान वन विभाग से कराया जाए।

जिला पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट की पंवार मंगल भवन कटंगी मे आवश्यक बैठक हुई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 2 सितंबर 2025 को कटंगी मुख्यालय स्थित पंवार मंगल भवन में कटंगी क्षेत्र के पवार समाज की बैठक आयोजित की गई जिसमें पंवार क्षत्रिय संगठन अतरी – अगासी,परसवाड़ाघाट एवं पंवार समाज संगठन कटंगी के समस्त पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता कटंगी पवार समाज संगठन अध्यक्ष राधेश्याम देशमुख द्वारा की गई । बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पंवार समाज के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन उपस्थित रहे,साथ ही राष्ट्रीय पंवार महासभा के महिला अध्यक्ष श्रीमती केशर बिसेन, कोषाध्यक्ष दुलेंद्र ठाकरे बालाघाट पंवार समाज संगठन महासचिव डॉ राजेंद्र एल.कटरे, उपाध्यक्ष डॉ प्रतिभा बिसेन, श्रीमती गायत्री बिसेन,कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र राहंगडाले, गुनेंद्र पटले, चेतन पटले उपस्थित रहे। मंच संचालन अवलेश पारधी द्वारा किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला पंवार समाज संगठन का क्षेत्रीय समिति से एवं ग्रामीण समिति को जोड़ना है । कार्यक्रम की शुरुआत विधि विधान से आराध्य प्रभु श्री राम एवं सम्राट राजा भोज के पूजन अर्चन से हुई । बैठक में विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा हुई । जिसमे जिला कार्यकारिणी में क्षेत्रीय सामाजिक कार्यकर्ताओं का समावेश एवं उनकी सामाजिक कुशलता पर चर्चा की गई, समाज कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता पर चर्चा हुई, जिला मुख्यालय में समाज के छात्रावास की आवश्यकता पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया,समाज की ग्राम समितियों की स्थापना करने की आवश्यकता पर चर्चा हुई साथ ही अनेक सामाजिक सरोकार के कार्यों की बात कही गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने कहा

कि समाज की सेवा करना उनकी प्राथमिकता होगी, समाज कार्यों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना और जिला मुख्यालय में अध्यनरत छात्र एवं छात्राओं की समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा, उन्होंने बताया कि आगामी भविष्य में जिला मुख्यालय स्तर पर समाज के छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा साथ ही जिला अध्यक्ष ने जानकारी दी कि इस बार की जिला स्तरीय समिति में जिले के सभी ब्लॉकों के समाजकार्य में तत्परता से काम करने वालों को स्थान दिया जाएगा।कार्यक्रम में परसवाड़ाघाट समिति अध्यक्ष डॉ तरुण तूरकर ने संबोधन में कहा कि आज समाज के जिला अध्यक्ष हमारे बीच पहुचे हैं यह हमारे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है, उन्होंने बताया कि वर्षों पश्चात कोई जिलाध्यक्ष आज हमारे बीच पहुंचकर क्षेत्र की सामाजिक जानकारी एवं समस्याओं को लेकर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार जिला स्तरीय कार्यकारिणी में हमारे ब्लॉक से भी पदाधिकारी शामिल होंगे जो हमारे लिए गर्व और हर्ष की बात है। बैठक में मुख्य रूप से राधेश्याम देशमुख कटंगी समिति अध्यक्ष, राधेलाल राहंगडाले, अतरी समिति अध्यक्ष मेष देशमुख , कोषाध्यक्ष पुष्कराज चौधरी, श्रीमति केशर बिसेन, प्रगति बिसेन, आशा कटरे, धर्मकला देशमुख, कला चौधरी, ईना देशमुख, अर्चना देशमुख, डॉ माधुरी तूरकर , राजीव पतले, भोजराज देशमुख, गगन गौतम (ब्लॉक युवा अध्यक्ष)नाथूलाल सहारे, खोजन लाल ठाकुर, सुरेन्द्र राहंगडाले, देवेश पटले, रमेश देशमुख, श्याम बघेल, बस्तीराम हरिनखेड़े, नाथूलाल बोपचे,लकी बोपचे, राजकुमार पटले ,राजकुमार हरिनखेड़े, सुनील तूरकर, डॉ ताराचंद बिसेन, डॉ महेंद्र राहंगडाले, उत्तम हरिनखेड़े, उत्तम हरिनखेड़े, टिकेश्वर बिसेन, तामेश्वर हरिनखेड़े, भीकमचंद हरिनखेड़े, डॉ तरुण तूरकर, थानसींग पटले, बी, एच, हरिनखेड़े, कानूलाल बोपचे, डॉ यशवंत बिसेन, नेत्रदीप पटले, खुमेंद्र देशमुख, अशोक बिसेन, खेमराज बोपचे, हेमशिंग हरिनखेड़े, टेकचंद बिसेन, कामराज देशमुख, आर.पी. हनवत, कृष्णा राहंगडाले, तेजसिंह राहंगडाले, रेखचंद पटले एवं सैकड़ों की संख्या में स्वजातीय लोग उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रांत कार्यसमिति बैठक सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाकोशल प्रांत की 2 दिवसीय प्रांत कार्यसमिति बैठक का आयोजन किया गया।बैठक का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद जी व माता सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। बैठक में विभिन्न विषयों संगठनात्मक, कार्य विस्तार, शैक्षणिक, सामाजिक, पर्यावरणीय, सेवा ऐसे अनेक विषयों पर चर्चा कर आगामी योजनाएं बनाई गई।

बैठक में मुख्य रूप से मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री चेतसभाई सुखड़िया, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ.रघुराज किशोर तिवारी, प्रांत अध्यक्ष डॉ.सुनील पांडे, प्रांत मंत्री मखान शर्मा, प्रांत संगठन मंत्री मनोज यादव, प्रांत सह संगठन मंत्री आशीष शर्मा सहित प्रांत के 25जिलों के कार्यकर्ताओं ने बैठक में भाग लिया।।

जीरो प्लास्टिक थीम दिया गया सन्देश

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाकोशल प्रांत के प्रांत स्तरीय कार्यक्रम बालाघाट जिले में बहुत लंबे समय बाद कुछ बड़ा कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें सभी कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह रहा एवं कार्यक्रम में जीरो प्लास्टिक की थीम पर कार्य किया।सभागार के मंच का बैकड्रॉप काफी आकर्षक व चर्चा का विषय रहा क्योंकि यहां बैकड्रॉप बॉस की चटाई पर कार्यकर्ताओं के द्वारा पेटिंग करके बनाया गया था। बैठक के समापन दिवस के अवसर स्थाई (पूर्व) कार्यकर्ताओं को भी आमंत्रित किया गया कार्यकर्ताओं ने अपने विद्यार्थी परिषद के पुराने दिनों को याद किया।

आशा कार्यकर्ता सहायिका संगठन के चुनाव संपन्न

अनीता जमुनपाने पुन: बनाई गई जिला अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी का पुनर्गठन कर सौपी गई जिम्मेदारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आशा कार्यकर्ता और सहायिकाओं की विभिन्न समस्याओं ,उनके हक, व अधिकार के लिए लड़ने का काम करने वाले आशा कार्यकर्ता सहायिका संगठन के आंतरिक चुनाव संपन्न कराकर जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। जहां जिलाकार्यकारिणी के चुनाव संपन्न करने के बाद पदाधिकारियो को उनकी जिम्मेदारियो से अवगत कराते हुए ,आशा कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के हक अधिकार को लेकर लड़ने की बात कही गई। आयोजित जिला कार्यकारिणी चुनाव में, सर्व सहमति से अनीता जमुनपाने को एक बार फिर संगठन का जिला अध्यक्ष बनाया गया है। तो वहीं भानुमती पटले को जिला सचिव की कमान सौपी की गई है। इसी तरह शशि बनवले को जिला उपाध्यक्ष, तो वही अंजुम अली को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।वही श्यामलता सेलोकर को कार्यकारिणी मंत्री, भुमेंश्वरी डोमने को संगठन मंत्री, लेखा अंजलि ठाकरे को महामंत्री और अनुप मंडले को संयुक्त सचिव बनाया गया है। इसी तरह गीता लिल्हारे को उपाध्यक्ष, चित्ररेखा वासनिक को कोषाध्यक्ष, लक्ष्मी लिल्हारे को संयुक्त सचिव, सुनीता वानखेड़े को सह-सचिव, आशा अजीत और चंद्रकला पटले को उपाध्यक्ष, जसवंत बाई को उपसचिव, ललती उईके को सहायक सचिव, और दर्शन एडे को उपाध्यक्ष मनोनीत कर, आशा कार्यकर्ता सहायिका संगठन की नवीन जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है।

शराब पीने रुपए नहीं देने पर हुई मारपीट में तीन युवक घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले नगर के सुरभि नगर में शराब पीने रुपए नहीं देने के विवाद को लेकर हुई मारपीट में तीन लोग घायल हो गए। तीनों घायल योगराज लिल्हारे 30 वर्ष गायखुरी, समीर परते 20 वर्ष ग्राम करमसरा हाल सेन चौक बालाघाट और आशु खान उर्फ जावेद खान 21 वर्ष वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर निवासी है। योगराज लिल्हारे ने आशु खान उर्फ जावेद खान के विरुद्ध मारपीट करने का आरोप लगाया है। मारपीट में घायल तीनों युवकों का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार योगराज लिल्हारे पीडब्ल्यूडी कार्यालय में नौकरी है। 1 सितंबर की रात्रि 9:45 बजे योगराज लिल्हारे अपने साथी समीर परते के साथ स्कूटी में सुरभि नगर शराब भट्टी के सामने अपने दोस्त दशाराम से मिलने गए थे। इसी समय एक व्यक्ति आया और योगराज लिल्हारे से शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगा। योगराज लिल्हारे ने उसे शराब पीने रुपए नहीं दिए। तो यह व्यक्ति योगराज को मारपीट करने लगा बीच बचाव करने के लिए समीर परते आया तो इस व्यक्ति ने उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया और स्कूटी तोड़फोड़ कर दिया। इसी दौरान युवराज लिल्हारे और समीर परते द्वारा की गई मारपीट में यह व्यक्ति भी घायल हो गया। यह व्यक्ति आशु खान उर्फ जावेद खान वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर निवासी था ।बताया कि घटना के दौरान मोहल्ले वालों ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी थी। मारपीट में घायल योगराज लिल्हारे और समीर परते को कोतवाली पुलिस ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर लाये। वही मौके से जावेद खान चला गया था।। जो अपने घर पहुंचा ।जिसे मारपीट में चोंटे आई थी। परिवार वालों ने उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने योगराज लिल्हारे और जावेद खान के रिश्तेदार का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बालाघाट 481001
दुरभाष/फेक्स कमांक 07632-241318/247101 ईमेल cmobalaghat@mpurban.gov.in/cmo.bgt@gmail.com
क्रमांक/डे-एनयूएलएम/वूमन फार ट्री /2025/6901 बालाघाट, दिनांक : 2/09/2025

अभिरूचि के प्रदर्शन (Expration of Interest)

भारत सरकारए आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के पत्र क्र. F.NO.K-16011/1/2024 AMRUT(Part-23) दिनांक 23-07-2025 द्वारा अमृत 2.0 एवं संलाचनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र. भोपाल के पत्र क्रमांक/या.प्र./7/AMRUT Mitra/8850 भोपाल दिनांक 31.07.2025 डे-एनयूएलएम के संयुक्त तत्वाधान में अमृत हरित महाअभियान अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूह को अमृत मित्र के रूप में चयन कर "वूमन फार ट्री" अंतर्गत रोपित पौधों का संचालन एवं रखरखाव (O&M) कार्य कराये जाने हेतु विभिन्न गैर-तकनीकी कार्य कराये जाने के विस्तृत दिशा-निर्देश एवं SOP निर्गत किये हैं।

भारत सरकार द्वारा निर्गत दिशा-निर्देश के अनुक्रम में स्व-सहायता समूह की महिलाओं को "अमृत मित्र" के रूप में चयनित करने हेतु अमृत 2.0 एवं एनयूएलएम शाखा द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित "अभिरूचि का प्रदर्शन (Expration of Interest)" का प्रारूप निम्न अनुसार है-

आवेदनकर्ता के लिए जानकारी एवं मार्गदर्शन

आवेदनकर्ता को सलाह दी जाती है कि सम्पूर्ण EOI आवेदन पत्र सावधानीपूर्वक पढ़कर समझ लें। आवेदनकर्ता को अपने आवेदन प्रस्तावए निर्धारित प्रारूप में भरकर जमा करना अनिवार्य होगा।

कार्य का विवरण

अमृत 2.0 योजनांतर्गत प्रस्तावित रोपित पौधो का संचालन एवं संधारण का कार्य।

EOI आवेदन प्रक्रिया हेतु निर्धारित दिनांक निम्नानुसार है:-

स.क्र.	विवरण	प्रारंभ दिनांक एवं समय	अंतिम दिनांक एवं समय
1	EOI आवेदन हेतु विज्ञापन का प्रकाशन	03-09-25	12-09-25
2	EOI सूचना का निकाय पटल पर प्रकाशन	03-09-25	12-09-25
3	कार्यालय से EOI आवेदन प्राप्त करना	03-09-25	12-09-25
4	पूर्णतः भरा हुआ EOI आवेदन जमा करना	03-09-25	12-09-25
5	EOI आवेदन एवं दस्तावेजों का परीक्षण	13-09-25	16-09-25
6	पात्र आवेदकों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रण	16-09-25	16-09-25
7	चयनित आवेदकों की सूची प्रकाशित करना	17-09-25	17-09-25
8	चयनित आवेदकों को कार्यादेश जारी करना	प्रथक से जानकारी दी जावेगी	

नोट:-
1. आवेदनकर्ता समूह को अपने प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में ही जमा करने होंगे।
2. कोई भी प्रस्ताव अपूर्ण होने की स्थिति में निरस्त किया जावेगा।
3. निर्धारित दिनांक एवं समय के पश्चात प्राप्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जावेंगे।
4. आवेदनकर्ता समूह EOI आवेदन प्रक्रिया में लगने वाले सभी व्यय स्वयं वहन करेगी।
5. आवेदनकर्ता समूह योजना में आवेदन करने एवं विस्तृत दिशा निर्देश हेतु निकाय की डे एनयूएलएम शाखा में आकर संपर्क कर सकते है।
6. आवेदन प्रस्ताव निर्धारित दिनांक के समय तक कार्यालयीन समय में केवल ऑफलाईन माध्यम से ही स्वीकार किये जायेगे।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, बालाघाट
जिला-बालाघाट

मोक्षधाम जाने के लिए सभी, मोक्षधामो मार्गों का किया जाए पक्का निर्माण- महेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जनपद सदस्य एकता संघ जिला अध्यक्ष एवं भाजपा किसान मोर्चा जिला मंत्री महेश शरणागत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी बताया कि जिले के सभी मोक्षधाम जाने के लिए पक्की रोड़ों का निर्माण होना चाहिए। चाहे वो सिमेंटीकरण रोड़ हो या डामरीकरण वाली रोड़े बनना चाहिए, कहीं पर भी शव यात्रा में जाओ तो सभी जगह पर कच्ची रोड़ दिखाई देती है।जिससे वर्षा काल में शव यात्रा में जाने वालों को किचड़ से गुजरना पड़ता है,जिससे काफी समस्या का सामना करना पड़ता है, मेरे कार्य क्षेत्र क्रमांक 22 में चिचगांव, भमोड़ी, कान्हड़ गांव, पेन्डरई एवं कोहकाडीबर में भी शव यात्रा में मोक्षधाम जाते तक बारीश के सीजन में लोगों को किचड़ से गुजरना पड़ता है, जिससे काफी समस्याओ का सामना करना पड़ता है, इसलिए मध्यप्रदेश सरकार को पत्र लिखकर मांग कि गई है जहां जहां भी मोक्षधाम वाला मार्ग है। वहां वहा सभी जगह मोक्षधाम जाने के लिए पक्की सड़कों का निर्माण करवाया जाए।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
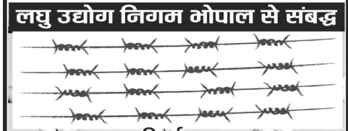
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

डीएफओ अधर गुप्ता पर फूटा आदिवासी समाज का गुस्सा

डीएफओ को निलंबित करने की मांग को लेकर निकाली रैली, लगाए मुर्दाबाद के नारे, मप्र आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले किया कलेक्ट्रेट का घेराव, बालाघाट बंद कर, उग्र आंदोलन की दी चेतावनी, लालबर्रा के सोनेवानी अभ्यारण केंद्र में मादा बाघ की मौत का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा के सोनेवानी अभ्यारण केंद्र में मादा बाघ की मौत का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है।जहां बाघ की मौत वाले मामले को 01 माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। वही इस घटना में छोटे कर्मचारियों को बाघ की मौत का जिम्मेदार मानकर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे रखा गया है।ऐसा आरोप लगाते हुए मंगलवार को आदिवासी समाज का गुस्सा फूट पड़ा।जिन्होंने बाघ की मौत का जिम्मेदार डीएफओ को बताते हुए डीएफओ अधर गुप्ता को तत्काल निलंबित किए जाने की मांग की है।जहा उन्होंने अपनी इस मांग को लेकर मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले नगर में एक रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर जमकर हंगामा मचाया है।जिसमें उन्होंने मामले में गिरफ्तार किए गए सभी 6 चौकीदार श्रमिकों को तत्काल रिहा करने, मामले में फरार चल रहे इनामी डिप्टी रेंजर और वनरक्षक को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही करने और सर्वप्रथम डीएफओ अधर गुप्ता को तत्काल निलंबित किए जाने की मांग की है।जहां उन्होंने अपने इस आंदोलन को सांकेतिक आंदोलन बताते हुए जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर आगामी समय में बालाघाट बंद कर उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

रैली निकालकर किया कलेक्ट्रेट का घेराव, की जमकर नारेबाजी

अपनी इस मांग को लेकर मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले आदिवासी समाज के लोगों द्वारा वारासिवनी रोड स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती भवन से नगर में एक रैली निकाली।इस रैली में शामिल सामाजिक बंधु, डीएफओ अधर गुप्ता को निलंबित किए जाने की मांग वाली तख्ती हाथों में लेकर प्रदर्शन करते हुए नजर आए, तो वही उन्होंने मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। जहां रैली के माध्यम से सीधे कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्ट्रेट का घेराव कर दिया और अपनी इन मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की।

20 दिन पूर्व किए आवेदन निवेदन का नही पड़ा असर तो किया कलेक्ट्रेट का घेराव

आपको बताए कि सोनेवानी अभ्यारण्य में बाघ की रहस्यमय मौत और उसके शव को बिना प्रोटोकॉल के जला दिए जाने के मामले में, 6 आदिवासी वन सुरक्षा श्रमिकों को गिरफ्तार किए जाने से जिले का आदिवासी समाज नाराज है। तकरीबन 20 दिन पहले आदिवासी विकास परिषद ने, प्रशासन को दिए गए ज्ञापन में इस मामले में डीएफओ के निलंबन और निर्दोष आदिवासियों को छोड़ने की मांग की थी। जिस पर कोई कदम नहीं उठाए जाने पर मंगलवार को जिले के आदिवासी समाज ने आक्रोश रैली निकालकर कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव किया। जिसमें डीएफओ के निलंबन और आदिवासी श्रमिको को छोड़ने की मांग की।

क्या है पूरा मामला

आपको बताए कि पिछले दिनों 27 जुलाई को लालबर्रा के सोनेवानी अभ्यारण्य केन्द्र कक्ष क्रमांक 443 में, पोटुटोला नहर के पास नाले में मरा बाघ दिखाई दिया था। जिस बाघ के शव को डिफ्टी रेंजर टीकाराम हनोते और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे के कहने पर सुरक्षा श्रमिक चौकीदारों ने 29 जुलाई को सुखी लकड़ी एकत्रित कर बाघ के शव को जलाकर नष्ट कर दिया था। यह मामला 2 अगस्त को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जहां सोशल मीडिया पर मामला वायरल होते ही आनन-फानन में वन अमले ने इसकी जांच शुरू की।जिसमें वनविभाग की टीम ने 8 आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओ में वन अपराध दर्ज किया और 6 आरोपियों सुरक्षा श्रमिक चौकीदार हरिलाल, शिवकुमार, शैलेष, अनुज, मानसिंह और देवसिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। जबकि इसी मामले में डिफ्टी रेंजर टीकाराम हनोते और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे को निलंबित कर दिया है।जिसके बाद से ही वो फरार है।जिनकी तलाश की जा रही है।

फरार इनामी डिप्टी रेंजर व वनपाल अब भी गिरफ्त से दूर

बताया गया कि इस मामले में अब तक 06 चौकीदार, श्रमिको को गिरफ्तार किया गया है तो वही घटना के बाद निलंबित होने पर फरार चल रहे डिप्टी रेंजर और वनरक्षक अब भी गिरफ्त से दूर है।इन फरार आरोपी वनकर्मियों पर 5-5 हजार रूपए का इनाम घोषित किया है। मामले की जांच कर रही एसटीएसएफ ने मामले में अब तक की गई जांच में कोई जानकारी मीडिया व सामाजिक बन्धुओ से साझा नही की है।जिसको लेकर भी समाज में आक्रोश है।उधर समाज संगठन ने वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को बाघ की मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए उन पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।वहीं उन्होंने इस मामले में पकड़े गए सभी सुरक्षाकर्मी, श्रमिकों को निर्दोष बताते हुए तत्काल उनकी रिहाई किए जाने की मांग की है।

बाघ की मौत के जिम्मेदार है अधिकारी

सोनेवानी अभ्यारण्य में बाघ की रहस्यमय मौत और शव को बिना प्रोटोकॉल के वन अधिकारियों के निर्देश पर 6 आदिवासी सुरक्षा श्रमिको के जला देने का मामला अब सामाजिक आंदोलन में बदल गया है।आदिवासी समाज का आरोप है कि, इसके पूर्व भी सुरक्षा श्रमिको के आदिवासी होने के कारण, परिक्षेत्र प्रभारी ने उन्हें जातिगत भेदभाव के तहत फंसाया है।जबकि इस मामले में भी श्रमिकों ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश का पालन किया था। यदि वह निर्देश का पालन नहीं करते तो उन्हें काम से बंद कर दिया जाता। जिससे, उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो जाता।जिसके कारण, उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश का पालन किया है।इसमे असली दोषी वरिष्ठ व उच्चाधिकारी है।जिनपर कार्यवाही कर निर्दोषों को रिहा करना चाहिए।

तो बालाघाट बंद कर किया जाएगा उग्र आंदोलन - दिनेश धुर्वे

मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने बताया कि बाघ की मौत वाले मामले में हमारे समाज के सुरक्षाकर्मियों, श्रमिकों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि उन्होंने अपने वरिष्ठ और उच्च अधिकारियों के निर्देशन का पालन किया है। उन्हें विभाग ने जिस तरह के आदेश किया उस आदेशों का उन्होंने पालन किया और विभाग ने उन्हें ही बाघ की मौत का जिम्मेदार बना दिया ।वहीं विभाग के वनरक्षक, डिप्टी रेंजर अब भी फरार है।जिन्हें पुलिस अब तक ढूंढ नहीं पाई है। यदि म्रत बाघ का पोस्टमार्टम हो जाता तो पता चल जाता की बाघ की मौत किस कारण से हुई है। हम चाहते हैं कि इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही की जाए। वही डीएफओ अधर गुप्ता को तत्काल निलंबित किया जाए क्योंकि बाघ की मौत का असली जिम्मेदार वही है।इसके पूर्व भी हमने इसी मांग को लेकर ज्ञापन सौपा था ।लेकिन मांग पूरी नहीं हुई इसलिए आज कलेक्ट्रेट का घेराव किया गया है। इसके बाद भी यदि हमारी मांग पूरी नहीं की जाती, तो जल्द ही बालाघाट बंद का आह्वान कर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

पैसे देकर सबका मुह बंद कर दिया है, इसलिए नही हो रही कार्यवाही- सैय्याम

आदिवासी विकास परिषद उपाध्यक्ष संदेश सैयाम ने बताया कि इस मामले में 6 आदिवासी श्रमिकों के साथ 2 वन कर्मचारियों पर भी मामला कायम किया गया है लेकिन एक महिने बाद भी उनका कोई सुराग नहीं है, यह कैसा शासन, प्रशासन है, कि उन्हें अब तक नहीं पकड़ा जा सका है या फिर डीएफओ अधर गुप्ता ने पैसे देकर सबका मुंह बंद कर दिया है, इसलिए सब खामोश है।अभी तो हमने सांकेतिक प्रदर्शन किया है।यदि इसके बाद भी मांग पूरी नहीं होती तो आने वाले समय में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

मकान दिए जाने की मांग को लेकर भरवेली की महिला ने सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत भरवेली की एक महिला ने जनसुनवाई में पहुंचकर अपने रहने के लिए मकान दिए जाने की मांग की है। महिला ने बताया कि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है और उनकी एक बेटी विकलांग है, उनके पास रहने के लिए मकान नहीं है ,वह चाहती है कि प्रशासन उनके रहने के साथ-साथ उन्हें ग्राम पंचायत में शासन से चलने वाली योजनाओं का लाभ दे, ताकि वह अपने परिवार का जीवन यापन कर सके। जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत भरवेली की वार्ड क्रमांक 20 निवासी चंपाबाई मानेश्वर ने बताया कि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है और उनके पास रहने के लिए मकान नहीं है, उनकी एक बेटी हैं जो बचपन से ही विकलांग है और इन दिनों वह ग्राम पंचायत के सभामंच में रहती है, किंतु उसे ग्राम पंचायत के सभा मंच से हटने को कहा जा रहा है, जबकि उनके पास रहने के लिए पक्का मकान नहीं है और काम के लिए भी रोजी-रोटी का संकट बना हुआ है, उन्होंने जिला मुख्यालय पहुंचकर 2 सितंबर को लगने वाली जनसुनवाई में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर को एक ज्ञापन दिया। जिसमें उन्होंने शासन से चल रही योजनाओं का लाभ दिए जाने की मांग रखी है । उन्होंने बताया कि उनकी बेटी विकलांग है । जिसका जीवन यापन करने में उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वह चाहती है कि उन्हें पक्का मकान बनाकर दिया जाए और पंचायत में आने वाली शासन की योजनाओं का उसे लाभ दिया जाए। इन्हीं मांगों को लेकर उन्होंने कलेक्टर को एक ज्ञापन दिया है ।

डॉ. सत्यम शर्मा को खण्ड चिकित्सा अधिकारी वारासिवनी का प्रभार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने सिविल अस्पताल वारासिवनी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. कमलेश झोड़े को खण्ड चिकित्सा अधिकारी वारासिवनी के प्रभार से मुक्त कर प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से डॉ. सत्यम शर्मा को आगामी आदेश तक खण्ड चिकित्सा अधिकारी वारासिवनी का सम्पूर्ण प्रशासकीय व वित्तीय प्रभार सौंपा है। यह आदेश तत्काल प्रभावी हो गया है।

जीतू पटवारी पर हमले का कांग्रेसियों ने जताया विरोध

पुलिस महानिदेशक के नाम एसपी कार्यालय में सौपा ज्ञापन, सुरक्षा दिए जाने की मांग, कहा- सरकार का हर मौके पर कर रहे विरोध, इसीलिए हो रहे प्राण घातक हमले

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विपक्षी नेता जीतू पटवारी पर पिछले दिनों हुए हमले के विरोध में कांग्रेसियों ने मंगलवार को एसपी कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।डीजीपी के नाम सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने जीतू पटवारी की सुरक्षा बढ़ाने, और उनपर प्राण घातक हमला करने वाले हमलावरों को तत्काल गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है।जहां कांग्रेसियो ने स्पष्ठ कर दिया की प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, हर मोर्चे पर सरकार को घेरने का काम कर रहे है।सरकार के विरोध के चलते ही, उनपर आए दिनों हमले हो रहे है।जिसपर अपना आक्रोश जताते हुए कांग्रेसियो ने उनकी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतेजाम किए जाने की मांग की है।आपको बताए कि कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर 31 अगस्त को रतलाम प्रवास के दौरान अज्ञात लोगों द्वारा हमला किया गया था।एसपी कार्यालय में सौपे गए ज्ञापन के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एंव बैहर विधायक संजय उइके, बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, परसवाड़ा विधायक मधुभगत सहित जिला कांग्रेस कमेटी के अन्य पदाधिकारी सदस्य व कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आरोपियों को प्राप्त है राजनीतिक संरक्षण, इसलिए बार बार हो रहे उनपर हमले

डीजीपी के नाम एसपी कार्यालय में सौपे गए इस ज्ञापन में कांग्रेसियो ने इस बात का उल्लेख किया कि 31 अगस्त को रतलाम प्रवास के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर अज्ञात लोगों द्वारा एकत्रित होकर हिंसक वातावरण निर्मित किया गया एवं उन पर जानलेवा हमला किया गया है।उनपर पूर्व में भी इस तरह के हमले हो चुके हैं परन्तु सरकार उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है।प्रदेश नशे का गढ़ बन चुका है नित नये नशे के उद्योगों की जानकारी प्राप्त हो रही है, वहां से करोड़ों रूपये की सामग्री प्राप्त हो रही है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री पटवारी निरंतर नशे के खिलाफ अभियान छेड़े हुए हैं। उनका प्रयास है कि प्रदेश नशे से मुक्त हो, प्रदेश उड़ता प्रदेश न बन सके इसके लिए वो निरंतर आंदोलनरत हैं। और इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता की इसी के चलते उन पर बार-बार हमले किए जा रहे हैं ताकि वह इस मुद्दे पर चुप हो जायें ।सरकार उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है।इसमें संदेह इसलिए भी पैदा होता है कि पकड़े जा रहे नशे के कारोबारियों के भाजपा नेताओं के साथ संबंधों का उनकी आरोपियों के साथ फोटो सोशल मीडिया पर निरंतर होता आ रहा है। इससे इन आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने से इंकार नहीं किया जा सकता और इसी के चलते आरोपियों के हौंसले इतने बुलंद हो रहे हैं कि वो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर हमला कराने का दुस्साहस कर पा रहे हैं। हमारा आग्रह है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश जारी करें साथ ही प्रदेश में फैलते नशे के कारोबार को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाए, साथ ही हमलावर आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर आरोपियों को कठोर से कठोर सजा दिलाई जाए।

पुलिस नहीं कर रही कार्यवाही, सरकार दे सुरक्षा- संजय उइके

जिला अध्यक्ष संजय उइके ने बताया कि मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के काफिले पर पिछले दिनों हमला किया गया है। लेकिन पुलिस द्वारा उस मामले में कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। जीतू पटवारी जिस तरह जनता की आवाज बनकर, सड़क पर उतरकर, सरकार को घेरने का काम कर रहे हैं। उससे घबराकर सत्ता के लोग, उन पर हमले करवा रहे हैं। कहीं ना कहीं यह सरकार का ही कारनामा है जो आए दिनों उनपर हमले हो रहे हैं। सरकार का दायित्व बनता है कि उनकी सुरक्षा की जाए ।उसी को लेकर आज ज्ञापन सौपा गया है।

पति की मृत्यु के बाद मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए शासकीय विभागों के चक्कर लगा रही पत्नी ,सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रामपायली क्षेत्र की एक महिला इन दिनों पति की मृत्यु के बाद मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए शासकीय विभागों के चक्कर लगा रही है। महिला ने बताया कि उनके पति की मृत्यु आज से डेढ़ महीने पहले हो चुकी है ,अब उन्हें पति के मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता है, किंतु संबंधित विभाग के द्वारा उन्हें मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए अलग-अलग विभागों में भेजा जा रहा है। जिससे वह बहुत अधिक परेशान है ,उन्होंने जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया है, जिसमें उन्होंने जल्द से जल्द पति के मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग की है । आपको बता दे कि पति को खोने का गम झेल रही रामपायली निवासी रंजन बनकर मृत्यु प्रमाण पत्र के लिये विभागों के चक्कर लगा रही हैं। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान दोपहर करीब 1.30 बजे रंजन बनकर ने अधिकारियों से गुहार लगाई कि उन्हें अपने स्वर्गवासी पति अशोक बनकर का मृत्यु प्रमाण पत्र दिलाया जाए। महिला ने बताया कि पति के निधन के बाद अब परिवार में वह अकेली रह गई हैं। ऐसे कठिन समय में जब उन्हें संवेदना और सहयोग मिलना चाहिए, तब उन्हें प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दरङ्कदर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। उनका कहना है कि अस्पताल प्रशासन उन्हें पंचायत भेज देता है और पंचायत अधिकारी यह कहकर टाल देते हैं कि यहां से मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बनेगा। इस चक्कर में वे पिछले कई दिनों से भटक रही हैं, लेकिन समाधान नहीं मिल रहा। जनसुनवाई में पीडिता ने भावुक होकर अधिकारियों से कहा कि पति की मौत के बाद जीवन पहले ही सूना हो गया है और अब प्रमाण पत्र न मिलने की समस्या ने परेशानियां और बढ़ा दी हैं।

पीएचई के कार्यपालन यंत्री ने पितकोना में नलजल योजना की पाईप लाइन का निरीक्षण किया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बीएल उइके ने 02 सितम्बर को बिरसा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पितकोना में नलजल योजना के लिए बिछाई जा रही पाईप लाईन का निरीक्षण किया और ठेकेदार के कर्मियों को गुणवत्ता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने दो टूक शब्दो में कहा कि भविष्य में कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आएगी तो संबंधित ठेकेदार के विरूद्ध थाने में एफआईआर दर्ज की जाएगी।

एक वृद्धा की कुएं में गिरने से मौत

बैहर थाने के ग्राम झुलुक की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम झुलुक में इसी ग्राम की एक वृद्धा उर्मिला पति लोक सिंह मरकाम 68 वर्ष की घर के पास स्थित कुएं से लाश बरामद की गई। जिसकी कुएं में गिरने से मौत होने की संभावना व्यक्ति जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उर्मिला मरकाम घर में रहती थी और खेत वाड़ी घूमते रहती थी। जिसके परिवार में पति के अलावा तीन बेटे और एक बेटी है। सभी की शादी हो चुकी है और सभी लोग संयुक्त परिवार में एक साथ ही रहते हैं। 1 सितंबर को 11:00 बजे उर्मिला मरकाम खेतवाड़ी घूमने के लिए निकली थी किंतु शाम को वह घर नहीं पहुंची। शाम 5:30 बजे करीब उर्मिला मरकाम का बेटा उज्जैन सिह मरकाम बोदा लेकर घर लौटा और खेतवाड़ी तरफ गया था ।जिसने कुए के अंदर अपनी मां उर्मिला मरकाम का शव देखा। जिसकी रिपोर्ट बैहर पुलिस थाना में की गई थी। 2 सितंबर को बैहर पुलिस थाने से प्रधान आरक्षक सुकमन नेताम आरक्षक राजेंद्र यादव ग्राम झुलुक पहुंचे और उर्मिला की लाश कुएं से बाहर निकलवाई ।शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात उर्मिला का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। संभावना व्यक्त की गई है कि उर्मिला ।मरकाम खेतवाड़ी घूमते अचानक कुएं में फिसल गई। जिससे उसकी कुएं में गिरने से मौत हो गई। बैहर पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

टेंगनीकला में गर्भवती महिला की मौत होने के मामले के बाद जागा स्वास्थ्य विभाग

ग्रामीण सहित नगर मुख्यालय में प्रैक्टिस कर रहे एवं बिना डिग्रीधारी चिकित्सकों की आयोजित हुई बैठक

बिना डिग्री एवं रजिस्ट्रेशन के उपचार करने वाले चिकित्सकों पर होगी कार्यवाही, बैठक में डिग्री, रजिस्ट्रेशन की जांच कर दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेंगनीकला में तथाकथित डॉक्टर की लापरवाही से डेढ़ . माह पूर्व 6 माह की गर्भवती महिला की मौत हो जाने का मामला गत दिवस सामने आया था। वहीं मृतिका महिला के परिजन तथाकथित डॉक्टर पर कार्यवाही करने एवं न्याय दिलवाने के लिए विगत कई दिनों से शासकीय कार्यालयों का चक्कर लगा रहे है लेकिन उन्हे न्याय नही मिल पा है। उक्त मामले को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया गया था कि स्वास्थ्य विभाग व पुलिस प्रशासन की उदासीनता के चलते तथाकथित डॉक्टर पर अब तक कोई कार्यवाही नही हो पाई है और न्याय पाने के लिए परिजन दर-दर भटक रहेहै। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया और जिस तथाकथित डॉक्टर के इंजेक्शन से गर्भवती महिला की मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। उस पर आवश्यक कार्यवाही कर उपचार करने पर प्रतिबंधित कर दिया गया है। साथ ही क्षेत्र में जो अन्य झोलाछाप डॉक्टर घुम-घुम कर बिना डिग्री एवं रजिस्ट्रेशन के इलाज कर रहे है उनके विरूध्द मुहिम चलाकर कार्यवाही करने की बात कही है। अब देखना है कि स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में जिस तरह से बिना डिग्री एवं रजिस्ट्रेशन के उपचार कर रहे प्रैक्टिस चिकित्सकों पर क्या कार्यवाही करती है।

अनुपस्थित प्रैक्टिस चिकित्सक एवं पैथोलॉजी संचालकों को नोटिस जारी

टेंगनीकला में तथाकथित डॉक्टर के उपचार से 6 माह की गर्भवती महिला की मौत हो जाने का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा मंगलवार को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सभाकक्ष में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रैक्टिस करने वाले चिकित्सकों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे, थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रैक्टिस कर रहे चिकित्सकों से उनकी डिग्री, रजिस्ट्रेशन सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई तो अधिकांश चिकित्सकों के पास डिग्री नही मिली। साथ ही जिनके पास डिग्री थी उनके पास इलाज के लिए जो आवश्यक रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता होती है उसका अभाव था। जिस पर बीएमओं डॉ. धुर्वे ने डिग्रीधारी चिकित्सक को जल्द रजिस्ट्रेशन करवाने के उपरांत सिर्फ प्राथमिक उपचार जैसे सर्दी, खासी बुखार का उपचार कर गोली दिये जाने कहा गया है एवं शून्य से 5 वर्ष के ब%चों व गर्भवती महिलाओं का उपचार न करने निर्देशित किया है। साथ ही शून्य से 5 वर्ष के ब%चों, गर्भवती महिला एवं प्राथमिक उपचार के अलावा अन्य उपचार करते पाये जाने पर वैधानिक कार्यवाही किये जाने की हिदायत दी है। इस तरह से अब नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बिना डिग्री के उपचार करने वाले प्रैक्टिस डॉक्टरों की खैर नही है क्योंकि इनकी थोड़ी सी गलती से लोगों की जान जा सकती है। साथ ही बैठक में नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में प्रैक्टिस करने वाले चिकित्सक एवं पैथोलॉजी का संचालन करने वाले चिकित्सक व संचालक बैठक में अनुपस्थित थे। उन्हे नोटिस जारी कर दो दिवस के अंदर उपचार एवं जांच करने की डिग्री, रजिस्ट्रेशन संबंधित समस्त दस्तावेज उपलब्ध करवाने कहा गया है। अगर वे समयावधि पर दस्तावेज उपलब्ध नही करते है तो उनके खिलाफ स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

प्रैक्टिसनरों के दस्तावेजों की जांच की गई है - डॉ. रितु

बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे ने बताया कि हमें जानकारी मिली रही थी कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिना चिकित्सा डिग्री एवं शासन के मापदण्ड को दरकिनार कर कुछ प्रैक्टिस चिकित्सक ग्रामीणजनों का उपचार कर रहे है। अस्पताल में मंगलवार को लालबर्रा क्षेत्र के प्रायवेट प्रैक्टिसनर चिकित्सक है जिनकी बैठक आयोजित की गई थी। आयोजित बैठक के माध्यम से उनके जो मेडिकल से संबंधित दस्तावेज है उसकी जांच की गई है।

जिससे यह पता चले कि यह किस डिग्री से लोगों का इलाज कर रहे है। जिसमें जाम के डॉ. नवनीत देशमुख का ओपीडी का रजिस्ट्रेशन पाया गया एवं अधिकांश चिकित्सकों के पास किस डिग्री के तहत उपचार कर रहे है उसका रजिस्ट्रेशन नही था, जिन्हे जल्द रजिस्ट्रेशन करवाने कहा गया है। साथ ही यह भी बताया कि अगर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में बिना डिग्री एवं रजिस्ट्रेशन के इलाज कर रहे है, यदि कोई भी दस्तावेज अनौपचारिक पाये जाते है तो उन पर कानूनी कार्यवाही की जायेगी एवं जो प्रैक्टिस चिकित्सक व पैथालॉजी के संचालक बैठक में उपस्थित नही हुए है, उन्हे नोटिस जारी कर दो दिवस के अंदर अस्पताल पहुंचकर डिग्री एवं रजिस्ट्रेशन की जांच करवाने निर्देशित किया गया है। डॉ. धुर्वे ने बताया कि टेंगनीकला में जिस गर्भवती महिला की मौत डॉ. अवधेश एड़े के द्वारा उपचार करने से होने की बात कही जा रही है, जिसकी जांच जिले से गठित स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा की जा रही है, । हमारे द्वारा उस चिकित्सक के फर्जी ओपीडी को सील कर उपचार पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि ग्रामीण व नगर मुख्यालय में जो प्रैक्टिस चिकित्सक का कार्य कर रहे है वे सिर्फ प्राथमिक उपचार में जैसे सदी, खासी, बुखार का उपचार कर गोली दे सकते है एवं शून्य से 5 वर्ष के ब'चों व गर्भवती महिला का उपचार नही कर सकते। अगर बिना डिग्री एवं रजिस्ट्रेशन के उपचार करते पाये जाते है तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी, जिसके जिम्मेदार वे स्वयं होगें।

बेहरई में भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा गणेशोत्सव, कवि सम्मेलन आज

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई में सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के तत्वाधान में गत दिवस प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। गणेशोत्सव पर्व के आठवें दिन 3 सितंबर को रात 8 बजे से हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। साथ ही सुबह-रात 8 बजे आरती की जाती है एवं रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। आगे बताया कि 3 सितंबर को रात 8 बजे से हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसमें हास्य कवि अंजू झकास, आचार्य सफर जौनपुरी, माधुरी किरण, एमके मजूमदार, साजिद खैरो, किशोर सागर, लक्ष्मीचंद ठाकरे अपने हास्य-व्यंगों की प्रस्तुती देगें। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील कार्यक्रम संयोजक संकेतसिंह चौधरी, पूर्व सरपंच दिलीप टेंभरे, समिति अध्यक्ष राजेन्द्र टेंभरे, उपाध्यक्ष रेवाराम शरणागत, कोषाध्यक्ष कुंजीलाल मेश्राम, सचिव चित्रसेन टेंभरे, सहसचिव महेन्द्र पटले, संरक्षक मूलचंद बघेले, जीवन मेश्राम, सुकचंद कोबड़े, गणपति पटले, राधेश्याम कोसरे, गोरेलाल ठाकरे, विनोद टेंभरे, देवीलाल बागड़े, शिराम काटेकर सहित अन्य सदस्यगण एवं ग्रामीणजनों ने की है।

मांझापुर में सुन्दरकांड एवं भजन कार्यक्रम आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मांझापुर में सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति देवी चौक के द्वारा गत दिवस भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया जायेगा। पर्व के आठवें दिन 3 सितंबर को शाम 5 बजे से हवन-पूजन, भंडारा एवं रात 8 बजे से लामता का सुन्दरकांड एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति देवी चौक मांझापुर के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष गणेशोत्सव पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। जिसमें गत दिवस प्रथम पू'य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर दिन-रात आराधना की जा रही है, साथ ही रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। आगे बताया कि 3 सितंबर को शाम 5 बजे से हवन-पूजन, भंडारा एवं रात 8 बजे से सुन्दरकांड व भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति देवी चौक मांझापुर के अध्यक्ष नमन बोपचे, उपाध्यक्ष निहाल कड़पेति, कोषाध्यक्ष नवीन बिसेन, सचिव संदीप वट्टी, सदस्य आकाश, तनिक, अभय, मयंक, विनाशक, वंश, अयाशं, क्रियांश, यमंक, कृतिक, छवि, आकाश, जियांश, ध्रुव, कृष्णा, शरद, भाविक, विराज, भव्य, डिलेश, यश, विहान सहित ग्रामीणजनों ने की है।

विघ्नहर्ता लंबोदर महाराज की आराधना जारी

नगर मुख्यालय सहित क्षेत्र में भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया जा रहा गणेशोत्सव पर्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में प्रथम पू'य विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी की आराधना का दस दिवसीय पर्व गणेशोत्सव भक्तिभाव एवं धूमधाम के साथ मनाया जा रहा। साथ ही गणेशोत्सव पर्व पर चहुंओर गणपति बप्पा मोरिया के जयकारों के गुंज सुनाई दे रही है। नगर मुख्यालय स्थित मंडी परिसर, अमोली स्थित देवी मंदिर, मॉ सतबहनी मंदिर चौक लालबर्रा, मजार लालबर्रा, पनबिहरी, मानपुर सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर समितियों के द्वारा पंडालों में विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर लंबोदर महाराज की आराधना की जा रही है। साथ ही रोजाना विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। इस 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व पर भगवान श्रीगणेश के दर्शन करने के लिए श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है और सार्वजनिक गणेशोत्सव समितियों में आगामी 5 सितंबर को हवन-पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके बाद आस्था और भक्तिभाव के साथ प्रतिमाओं को नदी, नहर व तालाबों में विसर्जित कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व का समापन किया जायेगा।

विधायक अनुभा मुंजारे ने बहियाटिकुर में ग्रामीणों की सुनी समस्या, किया निराकरण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत बहियाटिकुर सरपंच श्रीमती पुष्पा किशोर ठाकरे के निवास पर विधायक श्रीमती मुंजारे के द्वारा जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणजनों से मुलाकात कर उनकी समस्या जानी। साथ ही कुछ मामलों का त्वरित निराकरण किया गया। इस जनदर्शन कार्यक्रम के अवसर पर ग्रामीणजनों ने अपनी समस्या विधायक श्रीमती मुंजारे के समक्ष रखते हुए कहा कि सर्राटी जलाशय से निकली कैनालों एवं नहरों का निर्माण कार्य प्रगति पर है परंतु निर्माणाधीन कार्य कंपनी के ठेकेदार द्वारा गुणवत्तापूर्ण कार्य नही किया जा रहा है एवं भारी अनियमितता बरती जा रही है। जिस पर विधायक श्रीमती मुंजारे ने जल संसाधन विभाग (सर्राटी जलाशय) के उपयंत्री सुश्री रामबती मरकाम, अमीन महेंद्र बुराड़े को गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाये जाने निर्देशित किया है। साथ ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। वहीं ग्रामीणों ने विधायक श्रीमती मुंजारे को बताया कि नैतरा माइनिंग अंबामाई पहाड़ी से उतरने वाला पानी नाला के माध्यम से गांव के करीब तालाब में गिरता था। अब धीरे-धीरे पहाड़ का पानी का बढ़ता स्त्रोत के कारण नाला के दोनों ओर लगान की भूमि किसानों की है। उक्त भूमि पर नाला अपना कटवा करते हुए बड़ा रूप ले लिया है और अपनी दिशा मोड़कर किसान भाईयों के खेतों से बह रहा है। जिसमें अधिक पानी से बालू, रेत व अन्य पदार्थ खेती में जमा हो रहे हैं। जिसके कारण कृषि कार्य प्रभावित होने के साथ ही किसानों की फसल खराब हो रही है इसलिए पहाड़ी से नाला के माध्यम से खेतों में आ रहे पानी की रोकथाम करने की मांग की है। विधायक श्रीमती मुंजारे ने ग्रामीणजनों से कहा कि उक्त स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये जाने आश्वास्त किया है। साथ ही हल्का पटवारी मयंक कर्जावत को निर्देशित करते हुए बरसात खत्म होने के बाद उक्त भूमि का आरआई, पटवारी एवं तहसीलदार की मौजूदगी में सीमांकन किये जाने एवं पंचायत के द्वारा प्रस्ताव पारित कर नवीन नाला निर्माण कार्य की स्वीकृति मनरेगा योजना के अंतर्गत स्वीकृत करवाकर समाधान किये जाने की बात कही है। इस जनदर्शन कार्यक्रम में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के साथ ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, वरिष्ठ कांग्रेसी मनोहर अग्रवाल, बल्हारपुर सरपंच सेवन काटेकर, पवन ठाकरे, स्थाई पटेल ओमप्रकाश शर्मा, प्रशांत चंद्रवार, रविशंकर भगत, प्रेमलाल चौधरी, जयपाल सिरसाम, योगेंद्र राणा, संतोष पटले, धनेंद्र रंगारे, संदीप रंगारे, ईश्वरदयाल राहंगडाले, पुष्पा कमल ठाकरे, महेश चौके, महेश्वर पटले, सुरेंद्र ठाकरे सहित ग्रामीणजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

राजपत्रित आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. पंकज एवं सचिव बनी डॉ. दीपाली

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। म.प्र. राजपत्रित आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. शशांक झॉ के मार्गदर्शन में जिला बालाघाट की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। यह कार्यकारिणी प्रांतीय सचिव डॉ. धर्मेन्द्र मरावी एवं डॉ. राजा ठाकुर पर्यवेक्षक की उपस्थिति में किया गया है। जिसमें डॉ. पंकजकुमार मेश्राम को जिलाध्यक्ष एवं डॉ. दीपाली चौके को राजपत्रित आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ का जिला सचिव नियुक्त किया गया है। चर्चा में राजपत्रित आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष डॉ. पंकजकुमार मेश्राम ने बताया कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर आयुष चिकित्सकों के हितों में काम किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि नवीन कार्यकारिणी का गठन होने के बाद जिले के सभी नवीन चिकित्सकों ने संघ की सदस्यता ग्रहण की है एवं संपूर्ण कार्यकारिणी के गठन की जानकारी प्रांतीय अध्यक्ष महोदय को दी गई है। डॉ. मेश्राम ने बताया कि आगामी 14 सितंबर को आयोजित होने वाले प्रांतीय अधिवेशन में जिले के सभी आयुष चिकित्सा अधिकारियों से सक्रिय रूप से शामिल होने की अपील गई है ताकि संघ को और अधिक सशक्त बना सके। इस अवसर पर राजपत्रित आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ के पदाधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

राजस्व विभाग ने दलबल के साथ हटाया अतिक्रमण

मामला वारा रेलवे ओवर ब्रिज किनारे निवासरत लोगों का

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद अंतर्गत ग्राम वारा रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे रेलवे ओवर ब्रिज स्थल पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही राजस्व विभाग के द्वारा की गई। इस कार्यवाही में राजस्व विभाग,पुलिस विभाग और निर्माण एजेंसी मौके पर दलबल के साथ उपस्थित हुए। जहां पर लोगों के द्वारा सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण एवं पूर्व में हुए अधिग्रहण को जेसीबी की मदद से तोड़ने का कार्य किया गया। यह कार्यवाही नगर के वार्ड नंबर ४ शिव मंदिर के सामने वाली लाइन का अतिक्रमण हटाया गया। वहीं अधिग्रहण में छूटने वाले व्यक्तियों के नाम जोड़ने की भी बात कही गई। मौके पर बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

यह हैं मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी नगर के वार्ड नंबर ४ और ग्राम पंचायत वारा के मध्य स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे और ब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। जहां ब्रिज के दोनों तरफ सड़क निर्माण किया जाना है,जिसमें एक तरफ सड़क निर्माण हो चुकी है दूसरे तरफ सड़क निर्माण होना बाकी है। परंतु मौके पर कुछ लोगों के द्वारा अतिक्रमण कर मकान की दीवार खड़ी कर ली गई है या टीन सेट लगाकर अतिक्रमण किया गया है। वहीं कुछ लोगों के द्वारा अपनी भूमि पर मकान निर्माण किया गया है। ऐसे में ओवर ब्रिज के किनारे ६ मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण होना है जिसमें कई लोगों के अतिक्रमण सामने आ रहे हैं। तो वहीं कुछ लोगों के मकान बने हुए हैं जिसको लेकर पूर्व में ही भूमि मालिक को से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण करवा ली गई थी। तो वहीं अतिक्रमणकर्ताओं को नोटिस भी दे दिए गए थे। किंतु उनके द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया था जिस कारण से निर्माण कार्य रुका हुआ था। ऐसे में एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के निर्देश पर तहसीलदार नायब तहसीलदार ,राजस्व बिजली विभाग,पुलिस विभाग के दलबल के साथ मंगलवार को मौके पर पहुंचे। जहां निर्माण एजेंसी की जेसीबी इंजीनियर और कर्मचारी मौजूद रहे। मौके पर अतिक्रमणकर्ताओं को उनका अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देशित किया गया। जहां स्वत लोगों के द्वारा अपने टीन शेड खोलने का कार्य किया गया तो वही पक्के निर्माण को जेसीबी के माध्यम से तोड़ने का कार्य किया गया। वहीं दो परिवार भूमि अधिग्रहण से छूट गए थे तो उनका नाम जोड़ने की कार्यवाही राजस्व विभाग के द्वारा मौके से ही प्रारंभ कर दी गई। इस दौरान पक्के अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से निर्धारित भाग को तोड़ा गया। इस दौरान मौके पर तहसीलदार, नायाब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक ,पटवारी ,वारासिवनी ,रामपायली ,खैरलांजी पुलिस बल एवं राजस्व विभाग, विद्युत विभाग और निर्माण कंपनी के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण चल रहा है अतिक्रमण एवं अधिग्रहण है उसे खाली करवाया गया है-तीरथप्रसाद अक्षरिया

नायाब तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरिया ने बताया कि रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण चल रहा है। यहां पर जो अतिक्रमण एवं अधिग्रहण है उसे खाली करवाया जा रहा है। पहले हमारे द्वारा नोटिस जारी कर दिए गए हैं कल भी आकर जानकारियां इन्हें दी गई थी। यहां पर १७ अधिग्रहण है और बाकी अतिक्रमण है इस प्रकार ४७ अतिक्रमण खाली करवाना है। जो छूट गए थे उन्हें भी अधिग्रहण में जोड़ा गया है, जैसे दो व्यक्ति अभी सामने आए हैं। ६ मीटर यहां की रोड़ बनी है उस हिसाब से खाली करवाया जा रहा है। जो भी कार्यवाही थी वह सब हो गई है अब यहां से हटा रहे हैं।

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्याख्यान माला संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कुल में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा नशा मुक्त भारत जन जाग्रति अभियान के अंतर्गत व्याख्यान माला और नाटिका का भी मंचन किया गया। प्रजापिता ब्रम्हकमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से जयश्री दीदी के द्वारा सर्वप्रथम माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर व्याख्यान माला का शुभारंभ किया गया। व्याख्यान माला में जयश्री दीदी एवं सर्वशी दीदी के द्वारा अपने व्याख्यान में छात्र छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं सहित कर्मचारियों को नशा से दूर रहने की प्रेरणा दी गई । स्कूल संचालक एवं प्राचार्य निरंजन बिसेन ने कहा कि नशीले प्रदार्थों से होने वाली बिमारियों की जानकारी देते हुये नशा से मुक्त रहने के लिये प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त नशा मुक्ति पर एक नाटिका का भी मंचन किया गया। जिसमें भाग लेने वाले कलाकारों में शिव ठाकरे, आकाश कसार, कुमारी श्रुती बांगरे, कुमारी निशु बांगरे, कुमारी शिया ओगारे, कुमारी सलोनी भोयर एवं कुमारी रक्षा नेवारे सम्मिलित रही। इसके अतिरिक्त नशा मुक्ति की शपथ भी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवको एवं सेविकाओं ,सदस्यों एवं स्कूल परिवार के सदस्यों के द्वारा ली गई। व्याख्यान माला का संचालन राकेश कुमार मिश्राए कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना एवं अंकित प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के द्वारा किया गया।

राजू नगपुरे ने जनसुनवाई में सौंपा ज्ञापन

धर्म बदलने का दबाव बना रहे व्यक्तियों पर कार्यवाही करने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बिटोड़ी निवासी राजू नगपुरे के द्वारा २ सितंबर को जनसुनवाई बालाघाट में आवेदन देकर धर्म बदलने का दबाव बना रहे व्यक्तियों पर कार्यवाही करने की मांग की गई है। ज्ञापन में आवेदक राजु नगपुरे ने बताया की मेरी उम्र ४५ हैं मैं ग्राम बिटोड़ी थाना रामपायली का निवासी हुँ। मेरी कुछ दिनों से तबियत खराब थी जिसमें बुखार आ रहा था जो लगतार आता खुलता जा रहा था। ऐसे में बीते १५ दिनों से लक्ष्मीप्रसाद पिता काशीराम नगपुरे, पृथ्वीराज पिता गजलाल नगपुरे, ओमकार पिता रतिराम नगपुरे ,दिलीप उपवंशी सभी निवासी बिटोड़ी के द्वारा मुझे जुमदेव परमात्मा एक में आने के लिए प्रताड़ित कर रहे है। वह कहते हैं तुम बीमार हो जाओंगे और मारपीट करने की धमकी देते है। मैं बहुत परेशान हूं इसकी शिकायत मेरे द्वारा जनसुनवाई और थाना प्रभारी रामपायली को की गयी हैं। मैं अपने देव को कैसे विसर्जन कर सकता हूं जो यह लोग कहते हैं। मेरी मांग हैं की इस संबंध में लक्ष्मीप्रसाद नगपुरे,पृथ्वीराज नगपुरे, ओमकार नगपुरे ,दिलीप उपवंशी पर उचित कानुनी कार्यवाही कर मुझे न्याय प्रदान करें ।

छात्र छात्राओं ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन आंदोलन की दी चेतावनी

महाविद्यालय में व्याप्त गंभीर शैक्षणिक व बुनियादी समस्याओं का निराकरण करने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी के छात्र छात्राओं के द्वारा खैरलांजी तहसीलदार को ज्ञापन सौंप कर महाविद्यालय खैरलांजी की गंभीर शैक्षणिक व बुनियादी समस्याओं के तत्काल समाधान करने मांग की गई। ज्ञापन में बताया कि वीरांगना रानी अवन्तिबाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी के महाविद्यालय में अनेक गंभीर समस्याएँ लंबे समय से बनी हुई हैं। इन समस्याओं से विद्यार्थियों की पढ़ाई और बुनियादी सुविधाएँ बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। प्रमुख समस्याएँ यह हैं की कक्षाएँ नियमित रूप से समय पर नहीं लगतीं हैं, वनस्पति शास्त्र बॉटनी की कक्षा पिछले एक वर्ष से पूरी तरह बंद है और इस सत्र में भी कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। भौतिक शास्त्र फि जिक्स विषय के लिए लगातार तीन वर्षों से शिक्षक अनुपलब्ध हैं ,अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। महाविद्यालय में जूलॉजी बॉटनी फिजिक्स की प्रयोगशाला कक्षाएँ अब तक प्रारंभ नहीं हुई हैं और किसी भी प्रकार की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई जिससे छात्र व्यावहारिक शिक्षा से वंचित हैं। खेल अधिकारी की नियुक्ति हुए डेढ़ माह से अधिक हो चुका है। लेकिन अब तक ना तो खेल मैदान में कोई गतिविधि हुई और ना ही छात्रों को अभ्यास हेतु किसी वैकल्पिक स्थान की व्यवस्था की गई। आज भी पीने की पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है, गर्ल्स टॉयलेट साफ सफाई के अभाव में उपयोग योग्य नहीं हैं, कैंपस में मच्छर मक्खियों की समस्या बढ़ती जा रही है जिससे छात्रों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। सेनेटरी वेन्डिंग मशीन बंद है जिससे छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बीए बीएससी के छात्र छात्राओं की सत्र २०२४-२५ की स्कॉलरशिप नहीं मिली है। इन समस्याओं की ओर अब तक गंभीरता से ध्यान ना दिए जाने से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। यदि शीघ्र ठोस कदम उठाकर उचित समाधान एवं वैकल्पिक व्यवस्थाएँ नहीं की जातीं तो छात्र.छात्राएँ विवश होकर १५ सितंबर को उग्र आन्दोलन करेंगे। हमारी मांग है कि उपरोक्त समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाए जिससे हमारी शिक्षा एवं आवश्यक सुविधाएँ प्रभावित ना हो।

शिक्षकों के अभाव में महाविद्यालय में कभी नही लगती नियमित कक्षाएं-सलोनी नगपुरे

छात्र सलोनी नगपुरे ने बताया कि महाविद्यालय में अनेकों समस्या है हर तरफ समस्या देखने को मिल रही है। हम विद्यार्थी है नियमित महाविद्यालय आते हैं पर कभी नियमित हमारी कक्षाएं नहीं लगती है। पानी की सबसे बड़ी समस्या है पीने को पर्याप्त पानी नहीं मिलता है तो वहीं सार्वजनिक प्रसाधन में गंदगी बनी रहती है। स्कॉलरशिप हमें नहीं मिल पाई है जबकि हम गरीब छात्र छात्रायें ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं। यहां पर मशीन बंद है खेल अधिकारी की नियुक्ति होने के बाद कोई गतिविधि सामने समझ नहीं आ रही है। क्षेत्र में दो विधायक है पर आज तक कोई महाविद्यालय नहीं आया और ना ही हमारी समस्याओं से अवगत होकर उसे दूर करने का प्रयास नहीं किया गया है।

समस्याओं का निराकरण नही हुआ तो खैरलांजी में चक्काजाम करेंगे,जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी- प्रियंका पारधी

छात्रा प्रियंका पारधी ने बताया कि मैं बीएससी फाइनल ईयर की छात्रा हूं मानेगांव से रोज आती हूं। हमारी कक्षा नियमित नहीं लगती है बॉटनी के शिक्षक नहीं है १ वर्ष में आज तक कक्षा नहीं लगी है इस विषय में हमें काफी समस्या हो रही है कोई जानकारी ही नहीं है। बॉटनी केमिस्ट्री फिजिक्स इन कक्षाओं की प्रयोगशाला ही नहीं है,हमारा फाइनल ईयर होते आ गया परंतु आज तक एक भी प्रेक्टिकल नहीं हुआ बिना प्रैक्टिकल के हम पास हो रहे हैं। प्राचार्य को कहा तो हो जाएगा कहते हैं तहसीलदार को कहा तो हो जाएगा कहते हैं पर कब होगा। कोई नहीं बता रहा निर्धारित समस्या के लिए निर्धारित समय कोई नहीं दे रहा की कब तक व्यवस्था बनेगी। खेल मैदान में पत्थर हैं सफाई नहीं हुई है विद्यार्थी दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं । हमारी मांगों का जल्द निराकरण नहीं होता है और इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो खैरलांजी में चक्काजाम करेंगे जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

करीब दर्जन भर परिवार और कई किसान हो रहे परेशान

ग्रामीणों ने चंदा एकत्रित कर श्रमदान से की सड़क की मरम्मत

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले के जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायत जाम से शासन के अंत्योदय के दावों की पोल खोलने वाली तस्वीरें सामने आई है. दरअसल, ग्राम पंचायत जाम के वार्ड क्रमांक 06 के एक गली की बदहाल सड़क करीब दर्जन भर परिवार और कई किसानों ने लिए अभिशाप बन चुकी है है. आलम कुछ ऐसा है कि सड़क की बदहाली से बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी होती है, शाम के वक्त चिकित्सक गली में मरीजों को देखने के लिए नहीं आते. यहां तक की मेहमानों ने भी अपने रिश्तेदारों के घर आना-जाना बंद कर दिया है. प्रभावित परिवारों ने एक नहीं बल्कि कई बार पंचायत के जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के अधिकारियों से सड़क के निर्माण या फिर मरम्मत की मांग की लेकिन आज तक मरम्मत नहीं हो पाई. पंचायत के मुताबिक सड़क नक्शे में दर्ज नहीं है जबकि इस सड़क को लेकर लंबे समय से विवाद चला रहा है. तहसील से लेकर एसडीएम और फिर कलेक्टर कार्यालय तक शिकायत पहुंची जांच में पाया गया कि जो व्यक्ति सड़क से ग्रामीणों को आवागमन करने से रोक रहा है उसके द्वारा भी कब्जा किया गया है। गत दिवस पीड़ित परिवारों ने चंदा एकत्रित कर मलबा खरीदा और श्रमदान कर सड़क की मरम्मत करनी शुरू कर दी. पीड़ित परिवारों ने बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति के द्वारा सड़क निर्माण कार्य में बाधा पहुंचाई जाती है और आने-जाने वाले लोगों से गाली-गलौज की जाती है. जिसकी शिकायत प्रशासनिक अधिकारियों से की गई लेकिन राजनीतिक पकड़ होने के कारण उसके खिलाफ आज तक कोई वैद्यानिक कार्रवाई नहीं हो पाई. बता दें सड़क की हालत खराब होने के कारण ग्रामीण नहर के रास्ते आवागमन करते है. जहां हादसे होने का खतरा बना रहता है. ग्रामीणों ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का ध्यानाकर्षण कराते हुए तत्काल सड़क की ओर ध्यान देते हुए समस्या का स्थाई समाधान करने की मांग की है. गौरतलब हो कि जिस भूमि को लेकर यह विवाद है उसे गांव के ही किसी व्यक्ति ने स्कूल के लिए दान की थी और इसी के बगल की भूमि को ग्रामीणों को निस्तारी के लिए छोड़ दिया गया था. जहां सड़क का निर्माण नहीं हो रहा है।

03 से 05 सितम्बर की अवधि में भारी वर्षा की संभावना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली के क्षेत्रिय कार्यालय भोपाल से प्राप्त 05 दिवसीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में दिनांक 03 से 05 सितम्बर की अवधि में भारी वर्षा होने की संभावना बतायी गई है। इसके साथ ही 06 से 09 सितम्बर की अवधि में हल्की वर्षा के साथ बिजली गिरने, आसमान में मध्यम बादल, आंधी, तूफान की भी संभावना रहेगी। अधिकतम तापमान 29.4 से 31.1 डिग्री सेल्शियस तथा न्यूनतम तापमान 23 से 23.3 डिग्री सेल्शियस तथा सुबह हवा में 93-96 प्रतिशत तथा दोपहर में 87-91 प्रतिशत नमी रहने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा कि गति लगभग 01 से 04 किलोमीटर प्रति घंटे दक्षिण पश्चिम से उत्तर पश्चिम दिशा में रहने की संभावना है।

ईएमटी और पायलेट ने दिखाई इंसानियत

एक साथ दो इंवेंट पर किया काम, घायल महिला को पहुंचाया अस्पताल

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। संजीवनी 108 के ईएमटी डॉ गौरीशंकर पटले और पायलट प्रवीण कावरे ने एक बार फिर इंसानियत का परिचय देते हुए एक ही समय में दो इंवेंट पर एक साथ काम किया है. जिससे ना सिर्फ प्रसुति महिला को समय पर उपचार मिला बल्कि एक सड़क हादसे में गंभीर रुप से घायल महिला को समय पर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया. यह पूरी घटना सोमवार की दोपहर 02 बजे के आस-पास का है. तिरोड़ी अस्पताल की संजीवनी 108 को खैरलांजी तहसील के ग्राम लीलामा का इंवेट यानी प्रसव पीड़ा का केस लेने के लिए जाना था. संजीवनी 108 वाहन जब लीलामा के लिए रवाना हुई तो खुर्सीपार के पास खेत से घर की तरफ लौट रही महिला रंजीता पति चितरंजन सुलकिया गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली. महिला को वेद डायरे नाम के बाइक चालक ने टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था. ऐसे में संजीवनी 108 के कर्मचारियों ने बिना किसी प्रक्रिया के मानवता का परिचय देते हुए सीधे घायल महिला को स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी में उपचार के लिए भर्ती करवाया और महिला को भर्ती कराने के बाद सीधे लीलामा के लिए रवाना हो गए. संजीवनी 108 के कर्मचारियों की तत्परता से आज एक ही समय पर दो लोगों को मदद पहुंचाई गई।

पंजाब में बाढ़ आखिर क्यों-क्या प्रकृति रुष्ट है?

पंजाब में बाढ़ को केवल प्राकृतिक आपदा कहना सही नहीं होगा। नदियों का स्वरूप, असामान्य बारिश और जलवायु परिवर्तन तो कारण हैं ही, लेकिन असली दोषी अनियोजित निर्माण, अवैध खनन, ड्रेनेज की उपेक्षा और धान-प्रधान कृषि पद्धति भी है। प्रकृति चेतावनी देती है, रुष्ट नहीं होती। यदि हम नदियों को उनका मार्ग दें, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करें और फसल विविधिकरण अपनाएँ, तो बाढ़ की मार को कम किया जा सकता है। पंजाब को चाहिए कि वह पर्यावरण के साथ संतुलन बनाकर विकास की नई राह तय करे। पंजाब, जिसे देश की अन्नदाता भूमि कहा जाता है, आज बाढ़ की विभीषिका से बार-बार जूझ रहा है। खेत जलमग्न हो जाते हैं, गाँव डूब जाते हैं, सड़कें और मकान ढह जाते हैं। हर बार यह सवाल उठता है कि आखिर पंजाब में बाढ़ क्यों आती है? क्या यह केवल प्रकृति की रुष्टता है या फिर इसके पीछे कहीं न कहीं हमारी अपनी भूलें भी जिम्मेदार हैं? सच यह है कि प्रकृति कभी किसी से नाराज़ नहीं होती, वह केवल अपने नियमों और संतुलन के आधार पर काम करती है। जब हम इंसान उसकी मर्यादाओं को लांघते हैं, तो परिणाम हमें बाढ़, सूखा, प्रदूषण और आपदा के रूप में भुगतने पड़ते हैं। पंजाब की धरती पाँच नदियों की भूमि कहलाती है। सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम ने इस राज्य की पहचान बनाई। इनमें से अधिकांश नदियाँ हिमालय से निकलती हैं और मानसून के मौसम में बर्फ़ पिघलने व वर्षा के कारण जलस्तर अचानक बढ़ा देती हैं। नदियों की धाराएँ तेज़ होती हैं और जब वे मैदानों में प्रवेश करती हैं तो पानी फैलकर बाढ़ का रूप ले लेता है। भाखड़ा, पोंग और रणजीत सागर जैसे बड़े बांध भले ही बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई के लिए बने हों, लेकिन जब इनसे अचानक पानी छोड़ा जाता है तो आसपास के इलाके जलमग्न हो जाते हैं। यह प्राकृतिक कारणों के साथ-साथ प्रबंधन की कमी को भी उजागर करता है। पिछले कुछ वर्षों में मानसून का पैटर्न काफी बदल गया है। पहले जहाँ बरसात धीरे-धीरे और लंबे समय तक होती थी, अब अचानक भारी वर्षा कम समय में हो जाती है। इससे नदियों और नालों में पानी का दबाव तेजी से बढ़ता है और फ्लैश फ्लड जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। जलवायु वैज्ञानिक मानते हैं कि ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना और ग्लोबल वार्मिंग इसका बड़ा कारण है। इससे हिमालयी ग्लेशियर तेज़ी से पिघल रहे हैं। परिणामस्वरूप गर्मियों और बरसात के मौसम में नदियों का जलस्तर अनियंत्रित ढंग से बढ़ जाता है। प्राकृतिक बाढ़ को विनाशकारी बनाने में सबसे बड़ी भूमिका इंसानी हस्तक्षेप की है। नदियों के किनारों और तलहटी में अंधाधुंध निर्माण कार्य हुए। गाँव और शहर नालों व पुरानी जलधाराओं पर बस गए। रेत और बजरी का अत्यधिक खनन नदियों की गहराई और धार बदल देता है। जब पानी का मार्ग रुकता है तो वह आसपास की बस्तियों में घुस आता है। पंजाब में ड्रेन और नहरों का जाल तो है लेकिन अधिकांश जगह इनकी सफाई व मरम्मत समय पर नहीं होती। नतीजतन बारिश का पानी निकलने की जगह वापस गाँव-शहरों में भर जाता है। इसके साथ ही धान जैसी फसलों ने भूजल का अत्यधिक दोहन किया। मिट्टी की जलधारण क्षमता कम हुई और प्राकृतिक जलसंचयन तंत्र टूट गया। पंजाब हरित क्रांति का केंद्र रहा। यहाँ गेहूँ और चावल की खेती ने देश को अन्न सुरक्षा दी, लेकिन इसके दुष्परिणाम भी सामने आए। धान की फसल पानी की अत्यधिक मांग करती है। हर साल लाखों ट्यूबवेल से भूजल निकाला गया। इससे भूमिगत जलस्त्रोत तेजी से सूख गए। जब ऊपर से भारी बारिश या बाढ़ आई तो जमीन उसे सोख नहीं पाई और जलभराव की समस्या बढ़ गई। वनों की कटाई और हरित क्षेत्र के सिकुड़ने से भी प्राकृतिक संतुलन बिगड़ा। नदियों के किनारे पेड़ों की जड़ें पानी को रोकती और मिट्टी को बांधती थीं, लेकिन अब कटान तेज़ हो गया है।

चीन-भारत के मिठासभरे संबंधों से नयी विश्व संरचना संभव

शंघाई को ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रविवार को हुई द्विपक्षीय बातचीत पर अगर दुनिया भर की नजरें टिकी थीं तो यह उद्देश्यपूर्ण एवं वजहपूर्ण थी, क्योंकि बदलती दुनिया में हाथी और ड्रैगन का साथ-साथ चलना जरूरी हो गया है। दोनों शीर्ष नेताओं की सौहार्दपूर्ण बातचीत ने न केवल दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ते सामंजस्य की प्रक्रिया को मजबूती दी है बल्कि कई तरह की अनिश्चितताओं के बीच विश्व अर्थ-व्यवस्था के लिए भी नई संभावनाएं पैदा की हैं, चीन में दिखे दोनों देशों के मिठासभरे संबंध अनेक नई आशाओं एवं उम्मीदों को नया आकाश देने वाले बनते हुए प्रतीत हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों में लंबे समय बाद सकारात्मकता की नई हवा बहती दिखाई दे रही है। एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात ने संकेत दिया है कि दोनों देश पुराने मतभेदों और अविश्वास को पीछे छोड़कर साझेदारी की नई इबारत लिखना चाहते हैं। यह मुलाकात केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं थी, बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में सहयोग और संवाद की अपरिहार्यता को स्वीकार करने का प्रयास थी।

भारत-चीन दोनों ही विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और विशाल जनसंख्या वाले देश हैं। ऐसे में यदि दोनों साथ आते हैं तो न केवल आपसी विकास संभव है, बल्कि वैश्विक संतुलन और शांति की दिशा में भी बड़ा योगदान होगा। हालांकि सीमाई विवाद और विश्वास की कमी जैसे मुद्दे अब भी बने हुए हैं, परंतु यदि इन्हें परे रखकर साझा आर्थिक, सामरिक और सांस्कृतिक सहयोग को प्राथमिकता दी जाए तो यह संबंध नई ऊँचाइयों को छू सकते हैं। भारत और चीन के बीच यह संवाद केवल दो देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबदबे के बीच एशियाई शक्ति संतुलन को नई दिशा दे सकता है। यदि दोनों राष्ट्र व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाकर आपसी हितों पर ध्यान केंद्रित करें तो न केवल तनाव कम होंगे, बल्कि विश्व राजनीति में एशिया की भूमिका भी मजबूत होगी। निश्चित ही लंबे समय से चली आ रही आपसी अविश्वास की दीवारों और तनाव की बर्फ को पिघलाने का प्रयास हुआ है।

सबसे पहले, इन वार्ताओं ने यह संकेत दिया है कि भारत और चीन अब केवल मतभेदों में उलझे रहने के बजाय साझेदारी की संभावनाओं पर ध्यान दे रहे हैं। व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग की दिशा में नए आयाम खुल सकते हैं। चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और यदि यह संबंध संतुलन और पारस्परिक विश्वास पर आधारित हो जाए, तो दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को अपार गति मिल सकती है। इस मुलाकात ने अमेरिका की दादागिरी पर भी चोट की है। डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक आर्थिक नीतियां और संरक्षणवादी रुख एशिया के उभरते राष्ट्रों को नई गठबंधन राजनीति की ओर धकेल रहा है। भारत-चीन के बीच बढ़ती समझदारी और रूस की भूमिका के साथ एक त्रिकोणीय शक्ति का उभार संभव है, जो पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देगा। यह न केवल शक्ति-संतुलन की नई धुरी बनेगा, बल्कि विश्व शांति और सौहार्द की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। पाकिस्तान पर भी इसका असर दिखना स्वाभाविक है। भारत-चीन की नजदीकी पाकिस्तान के लिए असुविधा का कारण बनेगी, क्योंकि उसकी विदेश नीति लंबे समय से चीन पर आश्रित रही है।

भारत-चीन संबंधों का यह नया अध्याय यदि संतुलित, यथार्थवादी और सावधानीपूर्वक आगे बढ़ाया जाए तो एशिया ही नहीं, पूरे विश्व की राजनीति में एक स्थिरता और संतुलन स्थापित हो सकता है। यह विश्व को बहुध्रुवीय बनाने की दिशा में ठोस कदम होगा। लेकिन, इन सकारात्मक संकेतों के बावजूद भारत को सावधानी बरतनी होगी। इतिहास गवाह है कि चीन के साथ हर मित्रवत वार्ता के पीछे उसका रणनीतिक हित गहराई से काम करता है। डोकलाम, गलवान और सीमाई विवाद आज भी अधर में हैं। चीन की आर्थिक नीतियों और विस्तारवादी प्रवृत्ति को अनदेखा करना भारत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसलिए यह साझेदारी अवसर तो है, लेकिन चुनौती भी। भारत को यह ध्यान रखना होगा कि व्यापारिक रिश्तों और राजनीतिक साझेदारी में आत्मनिर्भरता और सुरक्षा सर्वोपरि रहे। भारत को हर स्थिति में अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और रणनीतिक हितों के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहिए। भले ही शंघाई सहयोग संगठन में आतंकवाद से लड़ना भी शामिल हो, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि चीन ने इस मुद्दे पर किस तरह भारतीय हितों के खिलाफ काम किया है। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर के समय चीन की भूमिका को ओझल नहीं किया जा सकता। बावजूद इसके चीन भारत की निकटता वक्त की जरूरत है।

2020 में हुई गलवान घाटी की झड़प के बाद यह प्रधानमंत्री मोदी का पहला चीन दौरा है। जाहिर है, दोनों देशों के रिश्तों के मद्देनजर यह सवाल महत्वपूर्ण था कि इस बैठक में दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बनी सहमति कितनी दूर तक जाती है। लेकिन इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ घोषणाओं से जो असामान्य हालात पैदा हुए हैं, उसने दोनों नेताओं की बातचीत की अहमियत को और बढ़ा दिया। अमेरिका एवं चीन, अमेरिका एवं भारत के नये बने तनावपूर्ण माहौल में हुई मोदी और शी की इस बातचीत ने कई स्तरों पर पॉजिटिव संकेत दिए हैं। खासकर प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना अर्थपूर्ण है कि भारत और चीन दोनों ही देश सामरिक स्वायत्तता रखते हैं और इनके आपसी रिश्तों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। ध्यान रहे, ट्रंप ने भारत पर जो 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, उसके लिए एक तीसरे देश रूस के साथ भारत के रिश्तों को ही आधार बनाया गया है। इस बयान के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने यह परोक्ष संकेत दिया है कि सामरिक स्वायत्तता का सम्मान करते हुए ही द्विपक्षीय रिश्ते फल-फूल सकते हैं। इस तरह प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात न केवल द्विपक्षीय रिश्तों को पुनर्परिभाषित करती है, बल्कि वैश्विक राजनीति पर भी गहरा असर डाल रही है। इस वार्ता को महज दो पड़ोसी देशों का संवाद मानना भूल होगी; यह इक्कीसवीं सदी के बदलते शक्ति समीकरणों का प्रतीक है, यह एक नये शक्ति का अभ्युदय दुनिया में संतुलन एवं शांति का सशक्त माध्यम बनेगा। भारत, चीन और रूस के बीच बढ़ती नजदीकी वैश्विक शक्ति-संतुलन के नए युग की आहट देती है। यदि यह त्रिकोणीय शक्ति प्रभावी रूप से उभरती है, तो न केवल एशिया की आर्थिकी और सुरक्षा संरचना को मजबूती मिलेगी, बल्कि विश्व में बहुध्रुवीयता की वास्तविक नींव भी रखी जाएगी। ऊर्जा, रक्षा, तकनीक और व्यापार जैसे क्षेत्रों में तीनों देशों का सहयोग पश्चिमी देशों की एकाधिकारवादी प्रवृत्ति को चुनौती देगा। खासकर रूस की सामरिक मजबूती, चीन की आर्थिक शक्ति और भारत का जनतांत्रिक एवं नैतिक प्रभाव मिलकर ऐसी नई धुरी रच सकते हैं, जो केवल शक्ति का संतुलन ही नहीं बल्कि शांति और सह-अस्तित्व की भी नई परिभाषा प्रस्तुत करेगी।

दूसरी ओर, यह उभरता हुआ शक्ति-संतुलन अमेरिका की दादागिरी के लिए एक सीधी चुनौती है। डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति संरक्षणवाद, दबाव और व्यापार युद्ध की रणनीति पर टिकी रही है, जिसने न केवल चीन बल्कि भारत जैसे देशों को भी सतर्क किया है। यदि भारत-चीन-रूस का यह समीकरण मजबूत होता है, तो ट्रंप की एकतरफा नीतियां प्रभावहीन हो जाएंगी और वैश्विक राजनीति में अमेरिका का वर्चस्व सीमित हो जाएगा। इस नये शक्ति-संतुलन से छोटे और विकासशील देशों को भी राहत मिलेगी, क्योंकि उन्हें अब केवल एक ध्रुवीय दबाव का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह स्थिति विश्व में लोकतांत्रिक संतुलन और समानता की भावना को प्रोत्साहित करेगी।यह शुभ संकेत है कि अब हाथी और ड्रैगन के साथ आने की संभावना रेखांकित की जाने लगी है। लेकिन उसके लिए अभी दोनों देशों को लंबी दूरी तय करनी होगी, बहुत सारे मतभेद और विवाद दूर करने होंगे। इसका अंदाजा दोनों पक्षों को है। तभी बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि मतभेद झगड़े में तब्दील नहीं होने चाहिए।

-ललित गर्ग

प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल ख़जाना है, जितना लुटाओगे उतना बढ़ता चला जाएगा

कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है।बस! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है,क्योंकि मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि, प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा! खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्ट्रीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ ही भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षों से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है।जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वी रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी ख़राब हालात जो आश्चर्य वाली बात है।

साथियों बात अगर हम मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुत- प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता-असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है।प्रसन्नता मानवों में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक भावना है। इसके होने के विभिन्न कारण हो सकते हैं- अपनी इच्छाओं की पूर्ति से संतुष्ट होना। अपने दिन-रात के जीवन की गतिविधियों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल पाना। किसी अचानक लाभ से लाभांवित होना। किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होना।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता के लक्ष्यों की प्राप्ति की करें तो, प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है। यदि वह असफल भी हो जाता है तो निराश होने और अपनी विफलता के लिए दूसरों को दोष देने की अपेक्षा अपनी चूक के लिए आत्मनिरीक्षण करना ही उचित समझता है।ज्ञानीजन और अनुभवी बताते हैं कि प्रसन्नता जैसे दैवीय-वरदान से कुतर्की और षड्यंत्रकारी लोग सदैव वंचित रह जाते हैं। प्रसन्न व्यक्ति स्वयं को प्रसन्न रखकर दूसरों को भी प्रसन्न रखने की अद्भुत सामर्थ्य रखता है। प्रसन्नता को प्रभु-प्रदत्त संपदा समझने वाले व्यक्ति ही सदैव सुखी रहते हुए यशस्वी, मनस्वी, महान और पराक्रमी बनकर समाज और राष्ट्र के लिए आदर्श स्थापित करने में सक्षम हो सकते हैं। प्रसन्नता ही सुखी जीवन का मूल मंत्र है। प्रसन्नता हमारा अनमोल खजाना है। प्रसन्नता को ज़रूर लुटाइए फि़र देखिए, उसका खजाना बढ़ता चला जाएगा ।भलाई करना कर्त्तव्य नहीं, आनन्द है । क्योंकि वह प्रसन्नता को पोषित करता है । सबको प्रसन्न करने की शक्ति सब मंस नहीं होती । प्रसन्नता आत्मा को शक्ति प्रदान करती है । प्रसन्नतापूर्वक उठाया गया बोझ हल्का महसूस होता है। प्रसन्नता शब्द का प्रयोग मानसिक या भावनात्मक अवस्थाओं के संदर्भ में किया जाता है, जिसमें संतोष से लेकर तीव्र आनंद तक की सकारात्मक या सुखद भावनाएं शामिल हैं। इसका उपयोग जीवन संतुष्टि, व्यक्तिपरक कल्याण, यूडिमोनिया, उत्कर्ष और कल्याण के संदर्भ में भी किया जाता है इसलिए हर व्यक्ति ने इस गुण को अपने में समाहित कर जीवन को सफल बनाने के मंत्र को अपनाना चाहिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मन की प्रसन्नता हमारा अनमोल खजाना है जितना लूटाएंगे उतना बढ़ता चला जाएगा। मन की प्रसन्नता अनेक मानसिक शारीरिक रोग दूर करने में सक्षम है इसलिए ही खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता भरी आंखों की चमक मनीषियों की दुर्लभ पूंजी है।

-एडवोकेट किशन भावनानी

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

भारतीय सभ्यता में अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबी से पहले परीक्षा होती है। समुद्र मंथन, जहां मथने की प्रकिया से अमृत निकला था, इसी तरह हमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991 के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ। और आज, भारत को एक मृत अर्थव्यवस्था कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच - तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है। जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है- सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है। भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमश: अमेरिका और चीन से भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है — सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे। विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह मृत अर्थव्यवस्था की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है। उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जल और प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा, क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि हम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं। भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रही है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक है और इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है। भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारा लक्ष्य 2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो) क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) पारदर्शी व प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है। हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं, बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गई है और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज़्यादा संपीडित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुल हुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेज़ुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया। यह जी7/ईयू मूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैं और भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान (शिपिंग) एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं। हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है। कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक लौंड्रोमैट बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं। निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं। मुनाफे लेने का इसमें का कोई सवाल ही नहीं है। यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत ने यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक कीमतों में उछाल आने पर अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए निर्णायक रूप से कदम उठाए। तेल से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर तक के नुकसान को सहन किया। सरकार ने केन्द्रीय और राज्य के करों में कटौती की और निर्यात से जुड़े नियमों ने यह अनिवार्य किया कि विदेशों में पेट्रोल और डीजल बेचने वाले रिफाइनर को घरेलू बाजार में कम से कम 50 प्रतिशत पेट्रोल और 30 प्रतिशत डीजल बेचना होगा। इन उपायों ने, काफी राजकोषीय लागत पर, यह सुनिश्चित किया कि एक भी खुदरा दुकान खाली न रहे और परिणामस्वरूप भारतीय घरों के लिए कीमतें स्थिर रहीं। बड़ा सच यह है कि वैश्विक तेल का लगभग 10 प्रातशत आपूर्ति करने वाले दुनिया के इस दूसरे सबसे बड़े उत्पादक का कोई विकल्प ही नहीं है। जो लोग उंगली उठा रहे हैं, वे इस तथ्य की अनदेखी करते हैं। वसुधैव कुटुम्बकम के अपने सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप भारत द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने से 200 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के विनाशकारी झटके को रोका गया। यह वही मेड इन इंडिया है जो विश्व दृष्टिकोण के लिए भारत में आकार ले रही नई औद्योगिक क्रांति को आकार देता है। इस औद्योगिक क्रांति में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और विशेष रसायन शामिल हैं - जो उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों (पीएलआई) और पीएम गतिशक्ति लॉजिस्टिक्स के सहारे संचालित हैं। सेमीकंडक्टर के उत्पादन में तेजी अब एक नए स्तर पर पहुंच रही है - जो नीतिगत गंभीरता और क्रियान्वयन का प्रमाण है। मंत्रिमंडल ने हाल ही में भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चार अतिरिक्त सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है और प्रधानमंत्री का जापान में एक सेमीकंडक्टर उत्पादन केन्द्र का हालिया दौरा और जापान की निवेश संबंधी नवीनीकृत प्रतिबद्धताएं एक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं से संबंधित एक साझा रोडमैप को रेखांकित करती हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था इन लाभों को कई गुना बढ़ा देती है। भारत वास्तविक समय में भुगतान के मामले में दुनिया भर में अग्रणी है। यूपीआई की सर्वव्यापकता छोटे व्यवसायों की उत्पादकता बढ़ाती है और हमारा स्टार्टअप इकोसिस्टम नवाचार को सेवाओं एवं समाधानों के निर्यात में बदल रहा है। जब डिजिटल तेजी वास्तविक बुनियादी ढांचे के साथ मिलती है, तो प्रभाव बढ़ता है और परिणाम स्वरूप कम टकराव, सुव्यवस्थित और निवेश एवं उपभोग का एक बेहतर चक्र सुनिश्चित होता है। आगे का रास्ता आशाजनक है। स्वतंत्र अनुमानों (ईवाई) के अनुसार, 2038 तक भारत पीपीपी के आधार पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद 34 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होगा। यह प्रगति सतत सुधारों, मानव पूंजी और प्रत्येक उद्यम व परिवार के लिए प्रचुर, स्वच्छ एवं विश्वसनीय ऊर्जा पर निर्भर है। एक महान सभ्यता की परीक्षा उसके कठिन क्षणों में होती है। अतीत में जब भी भारत की क्षमता पर संदेह किया गया, इस देश ने हरित क्रांतियों, आईटी क्रांतियों और शिक्षा व उद्यम के जरिए लाखों लोगों के गौरवपूर्ण उत्थान के साथ उसका जवाब दिया। आज का समय भी इससे कुछ अलग नहीं है। हम अपने दृष्टिकोण पर टिके रहेंगे, अपने सुधारों को निरंतर जारी रखेंगे और अपने विकास को तीव्र, लोकतांत्रिक एवं समावेशी बनाए रखेंगे ताकि लाभ सबसे वंचित लोगों तक पहुंच सके। आलोचकों के लिए, हमारी उपलब्धियां ही हमारा जवाब होंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, विकसित भारत महज एक आकांक्षा ही नहीं, बल्कि उपलब्धि का एक सार है।

-हरदीप एस. पुरी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली के अभाव में अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। मसूर में तेजी रही। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में कामकाज सामान्य रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली के अभाव में बाजार 75-100 रू. प्रति क्विंटल घटाकर बोला गया। वहीं मसूर में पूछपरख से भावों में सुधार रहा। मसूर में बाजार 50-75 रू. प्रति क्विटल की तेजी आयी। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में टिकाव बना रहा। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य रहा। शक्कर में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4230-4265, खोपरा गोला 325-385, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-770, गरबल 711-715, मटरदाना 830-835, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3700, (160) 4000-4100, (200) 4500-4700, (250) 4800-4900

तेल- सींगदाना 1330-1350, मुम्बई 1365, राजकोट तेलिया 2130, सोया साल्वेंट 1155-1160, सोया रिफाइंड 1220-1225, कपास्या 1245, धूलिया 1250, कड़ी 1255,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1320, मुम्बई पाम 1265, मुम्बई सोया 1260,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4550, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6025, एवरेज 5800-5900, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रर्श?यिन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6100-6125, मूंग देशी 7600-7700, पाला 7700-7800, चमकी 7800-7900, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने भुज में 25 मेगावाट सौर परियोजना शुरू की

नई दिल्ली। एनटीपीसी लिमिटेड की सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के भुज में 25 मेगावाट की नई सौर ऊर्जा परियोजना शुरू करने की घोषणा की है। यह परियोजना अयाना रिन्यूएबल पावर फोर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित 150 मेगावाट की बड़ी सौर परियोजना का हिस्सा है। अयाना रिन्यूएबल पावर प्राइवेट लिमिटेड की यह परियोजना ओएनजीसी एनटीपीसी ग्रीन प्राइवेट के साथ एक संयुक्त उद्यम (जॉइंट वेंचर) के तहत चल रही है। इस नई परियोजना का कमर्शियल ऑपरेशन 3 सितंबर, 2025 से शुरू हो गया है। इस पहल के बाद एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता अब 83,366 मेगावाट हो गई है। वहीं एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की कुल कमर्शियल क्षमता 7,272.575 मेगावाट तक पहुंच गई है, जो पहले 7,247.575 मेगावाट थी। यह वृद्धि देश में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एनटीपीसी की भूमिका को और मजबूत करती है। एनटीपीसीने इस जानकारी को सेबी के लिस्टिंग ऑब्लिगेशंस एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स, 2015 के तहत रेगुलेशन 30 के अनुसार सार्वजनिक किया है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए किसी निवेश संबंधी मामले में अच्छा रहने वाला है। आप कामों को लेकर उतावलापन ना दिखाएं। जीवनसाथी के साथ आप रोमांटिक समय व्यतीत करेंगे। बिजनेस कर रहे लोग अपनी कमाई के बढ़ने पर पूरा ध्यान देंगे। आप अपने कामों में उत्साह से जुड़ेंगे, जिससे आपके काम आसानी से पूरे होंगे, लेकिन आपकी सेहत आपको समस्या दे सकती है। आप किसी से यदि धन उधार लेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलने के लिए रहेगा। आपकी पद-प्रतिष्ठा बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं<ह्श्ठ्ठद्र> रहेगा। आपके परिवार में किसी सदस्य के विवाह में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आप अपने किसी काम को लेकर यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी।

मिथुन- आज आप अपने कामों में सुधार लाने की पूरे कोशिश करेंगे। आपको अपने जीवनशैली को बेहतर करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे और परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। यदि किसी सदस्य के विवाह में कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपको अपने पिताजी की बातों पर पूरा ध्यान देना होगा। आप अपने किसी सहयोगी से काम को लेकर कोई बातचीत कर सकते हैं। आपके दिए गए सुझावों से आपके बॉस काफी खुश होंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। यदि आप किसी काम को लेकर कोई लोन अप्लाई कर रहे थे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा। किसी सरकारी काम के पूरा होने में कोई समस्या खड़ी हो सकती है। आप अपने किसी दोस्त की मदद के लिए भी कुछ रूपयों का इंतजाम कर सकते हैं। आपका कोई पुराना लेन देन आपके लिए समस्या बन सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए बढिय़ा रहने वाला है। आपको बिजनेस में अच्छा लाभ मिलने से खुशी होगी। शेयर बाजार से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने सहयोगी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है। आध्यात्म के कार्यों के प्रति आपके काफी रुचि रहेगी। आपको पार्टनरशिप में कोई काम करना बेहतर रहेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। नौकरीपेशा लोग अपने काम के प्रति काफी समर्पित रहेंगे, जिससे उनके बॉस भी काफी खुश रहेंगे। विद्यार्थियों का पठन-पाठन में खूब मन लगेगा। आपको अपनी जरूरत के खर्चों को भी नियंत्रण में करना होगा। वैवाहिक जीवन में सामंजस्यता बनी रहेगी। आप अपनी वाणी और व्यवहार पर थोड़ा संयम रखें। आपको किसी की कहासुनी बातों पर भरोसा करने से बचना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए खर्चों को लेकर योजना बनाकर चलने के लिए रहेगा। आप अपने व्यवसाय की योजनाओं में अच्छा लाभ उठाएं। आप जीवनसाथी को कहीं घूमाने लेकर जा सकते हैं। आप अपने कामों को कल पर टालने से बचें। आपको अपने पारिवारिक रिश्तों में थोड़ा संयम बनाए रखना होगा। आप बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें और अपने खर्चों को लेकर आपको योजना बनाकर चलना होगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए आर्थिक मामलों में थोड़ा संयम से चलने के लिए रहेगा। आपके आप पड़ोस में यदि कोई वाद-विवाद की स्थिति चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपको अपने खानपान पर पूरा ध्यान देना होगा। पारिवारिक जीवन में चल रही समस्याओं से आपको काफी हद तक छुटकारा मिलेगा। आपको अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चलना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए सुख-समृद्धि बढ़ाने वाला है। आपकी खुशियों को चार चांद लगेंगे और आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपको कोई पुरस्कार आदि भी मिल सकता है। आप अपने व्यवसाय में योजनाओं को लेकर यदि परेशान थे, तो वह भी दूर होगी। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपके मन में किसी काम को लेकर संशय हो, तो उसे काम में आप बिल्कुल आगे ना बढ़ें। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है। आप किसी नए काम को करने की भी योजना बनाएंगे। आपको किसी वाद-विवाद की स्थिति से दूर रहना होगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपका कोई सहयोगी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकता है। आपके खर्च भी अधिक रहेंगे, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती हैं। आपका किसी पुरानी गलती से पर्दा उठने से आपका मन पसन्न रहेगा। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आप अच्छे कामों को करने के लिए तत्पर रहेंगे और आप अच्छी सोच से आगे बढ़ेंगे। सामाजिक कामों में आप आगे बढ़ेंगे। व्यवसाय में दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। आपका धन यदि रुका हुआ था, तो वह भी आपको मिलेगा। आपको कोई सरकारी टेंडर मिल सकता है, जिससे आपको खुशी होगी।

शब्दजाल - 8009

शब्द जाल में दिलीप कुमार की 10 फिल्मों नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं।

मिलन, नया दौर, जोगन, शहीद, देवदास, मधुमति, दिल दिया दर्द लिया, राम और श्याम, बैराग, क्रांति

दि	क	प्र	ग	बै	शी	ल	ब	ना	क	म
ती	ल	ती	ति	रा	क	क्रां	ति	ग	कृ	धु
क्षा	ज	दि	त	ग	ल	प्र	छ	ति	आ	म
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति
प	जो	क	का	द	ग	म	अ	प्र	तू	ग
झ	क	ग	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ण
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्या	लो
श	प	श	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता
प	प्र	द	क	प्र	प्र	है	या	रा	बा	प्र

शब्दजाल - 8008 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

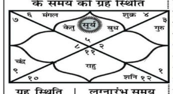

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	धनु में
मंगल	कन्या में
बुध	सिंह में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	06.45 बजे से
तुला	08.56 बजे से
वृश्चिक	11.11 ब.से
धनु	13.27 बजे से
मकर	15.32 बजे से
कुंभ	17.18 बजे से
मीन	18.51 बजे से
मेष	20.21 बजे से
वृष	22.02 बजे से
मिथुन	00.00 बजे से
कर्क	02.13 बजे से
सिंह	04.29 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 246 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** एकादशी 04.22 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 23.09 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 16.17 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 16.13 बजे तदनन्तर विष्टि 04.22 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 10.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 07° 32' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872456 **जूलियन दिन** 2460921.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 10 **विशेष** पार्श्व एकादशी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक	
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक	
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक	
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक	
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक	
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक	
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6953

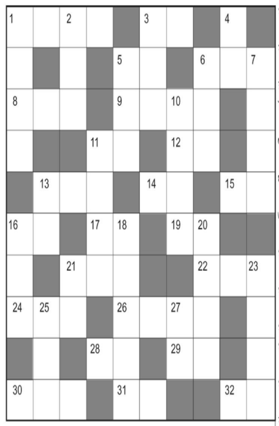

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6952

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मन की साधना

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया, 'प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें।' यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है। लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए। पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, 'जाओ और आगे बढ़कर आना।' सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था। इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता ने सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उसमें थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। इससे दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

सूडोकु नवताल- 7262

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7261 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 8477

बाएँ से दाएँ

1. परिचय, जानना-2,4
5. वायु रोग-2
7. उत्साह, जिज्ञासा
9. कांटा, शूल
10. पिता, साधू-2
11. योद्धा जाति, राजपूत-3
14. थकान-4
16. मिसाल के तौर पर-4
20. ध्वजा, पताका-3
22. सीमा, बार्डर-2
23. बुरी आदत-2
24. समस्या, मुद्दा-3
27. जोर, दम, ताकत-2
28. दिखावटीपन, आडंबर, -3,3

ऊपर से नीचे

1. सीतापति, रामचंद्र-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. धोखेबाज, दगाबाज-4
4. नलका, टौंटी-2
6. पुत्र, लड़का-3
8. कमरा, रूम-2
12. तीनों काल-3
13. पार्थिव शरीर, लाश-2
15. कजरा, अंजन-3
17. सच्चाई, सच-2
18. सेंधमार-5
19. पुचकारना, हाथ फेरना-4
20. धोखा, दगा-3
21. जरा, थोड़ा-2
25. सभी, संपूर्ण-2
26. राजेश खन्ना व मुमताज की बेहतरीन फिल्म-2

शब्द पहेली -8476 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने से बाजार में ये गिरावट आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 206.61 अंक करीब 0.26 फीसदी टूटकर 80,157.88 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 45.45 अंक नीचे आकर 24,579.60 पर रहा। आज लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 151.90 अंक बढ़कर 56,977.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 93.20 अंक नीचे आकर 17,591.30 पर था। वहीं सेक्टोरल आधार पर देखें तो ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा और प्राइवेट बैंक इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए जबकि एफएमसीजी, पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, मीडिया , एनर्जी और इन्फ्रा इंडेक्स के शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स पैक में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील, एचयूएल, बीईएल, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, इटरनल और आईटीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में थे। एमएंडएम, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक टॉप के शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इथेनॉल मानदंडों में मिली राहत के कारण चीनी शेयरों में तेजी आई, जबकि अमेरिका की नरम रुख वाली टिप्पणियों के बाद निर्यात केंद्रीत कंपनियों के शेयरों में तेजी आई हालांकि, निवेशकों अपनी ओर से सतर्कता बरत रहे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजारों की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स 150 अंकों की बढ़त के साथ 80,520.09 पर खुला, जबकि निफ्टी50 ने 24,653 के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। सुबह सेंसेक्स 231.59 अंक चढ़कर 80,596.08 पर और निफ्टी 76.75 अंक बढ़कर 24,701 पर कारोबार करता देखा गया। एशियाई बाजारों में आज सकारात्मक माहौल देखा गया। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.31 फीसदी, कोरिया का कोस्पी 0.45 फीसदी और टॉपिक्स इंडेक्स 0.28 फीसदी बढ़ा।

जीएसटी काउंसिल में बदलाव के संकेत- 4 से घटाकर 2 स्लैब पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। जीएसटी काउंसिल की फिटमेंट कमेटी होने वाली बैठक में मौजूदा चार टैक्स स्लैब को घटाकर दो स्लैब करने पर विचार किया जाएगा। केंद्र सरकार की योजना के मुताबिक, 12 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स स्लैब को समाप्त कर दिया जाएगा। 12 फीसदी स्लैब के ज्यादातर उत्पादों को 5 फीसदी और कुछ को 18 फीसदी स्लैब में शामिल किया जाएगा। वहीं 28 फीसदी स्लैब के सामान को 18 फीसदी में लाया जाएगा, जबकि लग्जरी और 'सिन गुड्स' पर टैक्स बढ़ाकर 40 फीसदी किया जाएगा। अब तक 1,000 रुपये तक के कपड़े और जूते पर 5 फीसदी और अधिक कीमत वाले पर 12 फीसदी जीएसटी लगता था। प्रस्तावित बदलाव के बाद, 2,500 रुपये तक के कपड़े और फुटवियर पर 5 फीसदी और इससे ऊपर कीमत वाले पर 18 फीसदी टैक्स लगेगा। इससे उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के लिए नए नियम लागू होंगे। आईसीएआई के एक पूर्व अ?धिकारी ने इस प्रस्ताव पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि एक ही उत्पाद पर अलग-अलग कीमतों के आधार पर जीएसटी दर लगाना पारदर्शिता और सरलता के विपरीत होगा। इससे टैक्स चोरी और विवाद बढ़ सकते हैं। 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी 2.0 को दिवाली से पहले लागू करने की घोषणा की थी। मंत्रियों के समूह ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब जीएसटी काउंसिल की 3-4 सितंबर की बैठक में अंतिम फैसला होगा। सरकार सितंबर के अंत तक नया जीएसटी ढांचा लागू करने की योजना बना रही है।

सोने-चांदी के दाम ने रचा इतिहास, कीमत 1 लाख रुपए के पार

नई दिल्ली। घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों धातुओं के वायदा भाव ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। चांदी ने जहां 1,25,249 रुपए प्रति किलो का नया रिकॉर्ड बनाया, वहीं सोना भी 1,05,937 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर को छू चुका है।

मंगलवार को सोने के अक्टूबर वायदा की शुरुआत 1,04,850 रुपए पर हुई, जो पिछले बंद भाव 1,04,785 से 75 रुपये अधिक थी। इस समय यह 1,05,260 रुपए पर कारोबार कर रहा था। दिन में यह 1,05,300 रुपए का उच्च और 1,04,850 रुपए का न्यूनतम स्तर छू चुका है। चांदी के दिसंबर वायदा ने 588 रुपए की तेजी के साथ 1,25,249 रुपए पर शुरुआत की, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। इस समय यह 1,24,800 पर कारोबार कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी का रुख बरकरार है। कॉमेक्स पर सोना 3,517.90 डॉलर प्रति औंस पर खुला और 3,560.60 पर कारोबार कर रहा है। इसने साल का उच्चतम स्तर 3,578.40 भी छू लिया है। चांदी की कीमतें भी 41.17 प्रति औंस तक पहुंच गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक अनिश्चितता, डॉलर में कमजोरी और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें इस तेजी के मुख्य कारण हैं। निवेशकों के बीच सोने-चांदी को सुरक्षित निवेश के रूप में अपनाने की प्रवृत्ति फिर से बढ़ गई है।

लांजी में फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाने गिरोह सक्रिय

एसडीएम लांजी की सतर्कता व सूझबूझ से मामला हुआ उजागर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी अनुविभागीय कार्यालय राजस्व में एक बडा फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाने का मामला सामने आया है जहां अधिकारियों की सूझबूझ के चलते यह पुरा मामला पर्दाफाश हो गया तथा जाति प्रमााण पत्र बनाये जाने पर रोक लगाते हुये एसडीएम लांजी ने इसकी जांच शुरू कर दी तथा जल्द ही इस मामले में अपराध दर्ज हो सकता है। बतादे कि जब अनुविभागीय कार्यालय लांजी में ग्राम पंचायत भानेगांव से 4 आवेदन क्रमशः मनीष कुमार पिता बच्चू सिंह गोंड जाति के लिये आवेदन, राहुल सिंह पिता नरोत्तम सिंह चमार जाति के लिये, योगेश पाल पिता प्रमोद पाल बैगा जाति के लिये अभिषेक पिता विक्रम चम्हार जाति के लिये ये सभी भानेगांव से तथा एक आवेदन ग्राम पंचाचत घोटी नंदोरा से आवेदक मोनू सिंह पिता विरेन्द्र सिंह बैगा जाति के लिये आवेदन प्राप्त हुआ। इन सभी के द्वारा जाति प्रमाण के लिये जो आवेदन एवं दस्तावेज दिये गये वे सभी फर्जी थे। जिसमें आधार कार्ड, शाला शैक्षणिक प्रमाण पत्र, माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल की अंकसूची, मुल निवासी प्रमाण पत्र, समग्र आईडी पोर्टल, पटवारी का पंचनामा, अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र सरपंच के द्वारा जारी, भूमि खसरा तथा पटवारी की सील साईन एवं सरपंच की यह सभी फर्जी दस्तावेज आवेदक कर्ता के द्वारा लगाये है जो की जांच में सभी फर्जी पाये गये है।

भानेगांव एवं घोटी में बैगा जनजाति के लोग नही होने से उत्पन्न हुआ संदेह

अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में आवेदन कर्ताओ के द्वारा वकील के माध्यम से जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु आवेदन लगभग 15 से 23 अगस्त के मध्य किया गया था। आवेदन कर्ताओ के द्वारा संपूर्ण दस्तावेज के साथ वकील के माध्यम से आवेदन कर जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु कार्यवाही के लिये अनुविभागीय कार्यालय लांजी राजस्व को दिया गया लेकिन कार्यालय के कर्मचारी एवं स्वयं एसडीएम श्री कमलचंद सिंह सार को ज्ञात हुआ कि जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने के लिये जो कि आवेदन प्राप्त हुये है उनमे बैगा जन जाति प्रमाण पत्र के लिये आवेदन आया है और वह भी ग्राम भानेगांव एवं घोटी से जहां एक भी बैगा जनजाति समुदाय या परिवार नही है इसी संदेह के आधार पर जब दस्तावेजों की बारिकी से जांच की गई तो ज्ञात हुआ कि आवेदन कर्ताओं ने सभी दस्तावेज फर्जी बनाये गये है यहां तक की पटवारी, आरआई, सरपंच की भी नकली सील साईन रबर स्टैम्प बनाकर स्वयं ही हस्ताक्षर किये गये है जब इन ग्रामों के सरपंच एवं सचिव से जानकारी ली गई तो सरपंच राम ठाकरें एवं घोटी सरपंच श्रीचंद कामड़े ने साफ मना किया कि उक्त नाम के कोई परिवार ग्राम में नही रहते और हमारे द्वारा यह सील साईन हस्ताक्षर भी नही किये गये है। एसडीएम लांजी की सतर्कता एवं सूझबूझ के चलते यह पुरे प्रकरण का खुलाया हुआ और ज्ञात हुआ कि यह संपूर्ण प्रकरण फर्जी है आवेदन कर्ता के द्वारा नकली दस्तावेज प्रस्तुत कर आवेदन किया गया है जिसकी जाचं कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के द्वारा करवाई जा रही है।

इस संबध में एसडीएम कमलचंद सिंहसार ने कहा कि ग्राम पंचायत भानेगांव पंचायत से एवं ग्राम पंचायत घोटी से जाति प्रमाण पत्र के लिये आवेदन किया गया है। मनीष कुमार पिता बच्चू सिंह गोंड जाति के लिये आवेदन, राहुल सिंह पिता नरोत्तम सिंह चमार जाति के लिये, योगेश पाल पिता प्रमोद पाल बैगा जाति के लिये अभिषेक पिता विक्रम चम्हार जाति के लिये ये सभी भानेगांव से तथा एक आवेदन ग्राम पंचाचत घोटी नंदोरा से आवेदक मोनू सिंह पिता विरेन्द्र सिंह बैगा जाति के लिये लोक सेवा केन्द्र से प्रस्तुत हुआ था। तथा लोकसेवा केन्द्र से निराकरण के लिये मेरे कार्यालय में प्राप्त हुआ है। जिनके दस्तावेज प्रथम दृष्टया संदेहास्पद होने पर ग्राम पंचायत से जानकारी ली गई तो पता लगा की यह लोग यहा निवास नही करते है उक्त आधार पर इन प्रमाण पत्रो की जांच की जा रही है। हमारे कार्यालय के कर्मचारी जो कि जाति प्रमाण पत्र के दस्तावेजो की जांच करते है नाजमी जी चुकी वे घोटी के पदस्थ शिक्षक है काफी पुराने उनकी जानकारी में आया कि घोटी मे कोई बैगा जनजात के समुदाय या परिवार या व्यक्ति निवास नही करते और ना ही भानेगांव मे कोई बैगा जाति के लोग है। इस बात कि पुष्टि उक्त ग्रामो के सरपंच के द्वारा भी गई। इस मामले मे लोक सेवा केन्द्र भी संदेह के घेरे है क्योंकि उन्हे भी पुरे दस्तावेजो की जांच करनी होती है समग्र की जांच करनी चाहिये था कि क्या यह समग्र सही है और भानेगांव घोटी क्षेत्र का है। वही आपने बताया कि इनके द्वारा जो आवेदन आया है किसी वकील के माध्यम से आवेदन पस्तुत किया गया है इन लोगो के द्वारा उस वकील का कहना है मैने केवल आवेदन पत्र बनाया था बाकि जानकारी नही है मुझे। वहीं इन लोगो का कोई संपर्क नही मिल रहा है समग्र आईडी मे जो नाम आये है जिसकी जांच शुरू है उस आधार पर यह लोग गवालियर, भिंड क्षेत्र के होने जानकारी मिली है जांच उपरांत इस पुरे मामले में पुलिस को अपराधिक प्रकरण दर्ज करने के आदेश जारी किये जा सकते है।

हो सकता है और भी जिलो एवं तहसील क्षेत्रो मे इन गिरोह ने किये हो आवेदन

फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाये जाने का मामला बहुत ही संगीन है ऐसा यदि कोई गिरोह कार्य कर रहा है तो उन पर कार्यवाही होना अतिआवश्यक है। क्योंकि यह लोग फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाकर कोई भी लाभ ले सकते है। शासन की किसी भी योजना, शासकीय नौकर क्योंकि बैगा जनजाति के लिये भी विशेष अनुदान है शासन की ओर से हो सकता है इस गिरोह का यही मकसद हो या और भी कारण हो सकते है बहरहाल एसडीएम लांजी कमलचंद सिंहसार एवं कार्यालयनीय कर्मचारी की सूझबूझ से इस पुरे प्रकरण का पर्दाफाश हो पाया है साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस तरह के मामले और कही तो नही है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदिवासी किसानों को मिला बड़ा तोहफाः 90 प्रतिशत अनुदान पर उन्नत पावर स्प्रेयर वितरित

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत कृषि विभाग ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। लांजी

विकासखंड की देवरबेली ग्राम पंचायत में वन पट्टा धारक आदिवासी और बैगा किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर उन्नत कृषि यंत्र प्रदान किया गया। आदिवासी समुदायों को कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सशक्त बनाना है। इस अवसर पर वन पट्टा धारक 11 किसानों को 4 स्ट्रोक इंजन पावर स्प्रेयर (कैपेसिटी 25 लीटर) का वितरण किया गया। लाभार्थियों में श्रीमती मोहनबती मरावी, सुरपत सिंह मरावी, हमेल सिंह मरावी, साम‍लाल मरावी, जयसिंह परते, हिरदे सिंह परते, मन्नू सिंह धुर्वे, सुखदेव मरावी, संपत कुशरे, ताराचंद परते और रामलाल मरावी (बैगा) शामिल हैं। ये किसान देवरबेली ग्राम पंचायत के दूरस्थ और नक्सल प्रभावित इलाके में रहते हैं, जहां पारंपरिक खेती में आधुनिक यंत्रों की कमी के कारण उत्पादकता प्रभावित रहती है। पावर स्प्रेयर जैसे उन्नत यंत्र से फसल संरक्षण में कीटनाशकों और उर्वरकों का समान वितरण आसान होगा, जिससे फसल की उपज में वृद्धि होने की उम्मीद है। कृषि विभाग के उपसंचालक फूलसिंह मालवीय ने बताया कि यह वितरण धरती आबा अभियान के तहत किया गया है, जो जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित है। अभियान के उद्देश्य में आदिवासी बहुल गांवों में 25 प्रकार की सेवाएं प्रदान करना शामिल है, जिसमें कृषि यंत्रीकरण प्रमुख है। मालवीय ने कहा, वन पट्टा धारक किसानों को वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत जमीन का पट्टा मिला है, लेकिन आधुनिक कृषि उपकरणों की कमी से उनकी आय सीमित रहती है। इस योजना से उन्हें न्यूनतम कीमत पर यंत्र मिलने से कृषि कार्य आसान होगा और आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मध्य प्रदेश कृषि विभाग की डीबीटी पोर्टल के माध्यम से ऐसे अनुदान पारदर्शी तरीके से वितरित किए जा रहे हैं, जहां लॉटरी सिस्टम से चयन होता है। वितरण कार्यक्रम जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल, कृषि सभापति टुमनलाल घोरमारे, क्षेत्रीय जनपद सदस्य महेश चौधरी, जनपद सदस्य महेंद्र पटेल और देवरबेली सरपंच सुरेंद्रसिंह मरावी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री एकता पंद्रे ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान कृषि विस्तार अधिकारी अमित नारनौरे और गगनदीप उइके भी मौजूद रहे। सरपंच सुरेंद्रसिंह मरावी ने कहा, ‘नक्सल प्रभावित क्षेत्र में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन धरती आबा अभियान से ग्रामीणों में उत्साह है। यह यंत्र किसानों की मेहनत को दोगुना फल देंगे। लाभार्थी किसान खुशी से चहक उठे। श्रीमती मोहनबती मरावी ने कहा, पहले स्प्रेयर मैन्युअल से करना पड़ता था, जो थकाऊ था। अब यह यंत्र मिलने से समय और श्रम की बचत होगी। सरकार का धन्यवाद! इसी तरह, रामलाल मरावी (बैगा) ने बैगा समुदाय की परंपरागत खेती में इस यंत्र के महत्व पर जोर दिया। बैगा किसान, जो विशेष पिछड़ी जनजाति के अंतर्गत आते हैं, को प्राथमिकता दी गई है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे डीबीटी पोर्टल पर पंजीकरण कराकर अन्य योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का लाभ लें। यह घटना आदिवासी किसानों के सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, जो ग्रामीण भारत को मजबूत बनाने की दिशा में योगदान देगी।

बिसोनी में चोरों ने 6 सूने मकान के ताले तोड़कर की लाखों की चोरी

चोर 2 मोटर सायकल भी ले गये साथ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना मुख्यालय से महज 2 किमी कि दुरी पर स्थित ग्राम बिसोनी में 1 एवं 2 सितंबर की मध्य रात्रि में चोरों ने 6 सूने मकान के ताले तोड़कर सोने चांदी के जेवरात समेत 2 मोटर सायकल चोरी कर ले गये साथ ही चोरी की इसी वारदात में एक बुजूर्ग दंपत्ति को पत्थर से मारकर घायल कर दिया। जिसकी शिकायत पुलिस थाना लांजी में की गई है।

इन घरो के टूटे ताले

ग्राम बिसोनी में चोरी की वारदात सामने आई है जहां चोरो के द्वारा पुरी रंगदारी के साथ चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। बतादे कि ग्राम बिसोनी निवासी संतोष पिता सुरत बरगैया के सूने मकान का ताला तोड़कर एक होण्डा शाईन मोटर सायकल के अलावा घर में रखे सोनेचांदी के जेवरात चोरी किये जानें संभावना है। इसी क्रम में गोरेलाल पिता दशेलाल बडघैया, मानिक लाल बंबुरे, पवन पिता बुधराम कुचलाहे, जीवन पिता बुधराम कुचलाहे, चंदनलाल बिलघैया इन सभी घरो के सूने मकान में चोरों ने धावा बोला तथा संभवतः सोने चांदी के जेवरात, अन्य कीमती सामग्री चोरी किये जाने की संभावना है क्योंकि समाचार लिखे जाने तक उक्त सभी घर के मालिक हैदराबाद नागपूर जाना बताया गया है। इनके आने के पश्चात ही ज्ञात हो पायेगा कि घर से क्या क्या सामग्री और कौनसी सामग्री चोरी गई है। लेकिन आस पडोस के लोगो ने बताया कि 1 एवं 2 सितंबर की मध्य रात्रि करीब 3 बजे 5 से 6 चोरो ने इस घटना को अंजाम दिया है और दो घरो से मोटर सायकल भी चोरी कर ले जाया गया है जिसकी जानकारी लांजी पुलिस को दी गई है। चोरी की घटना को अंजाम देने वाले चोरो के हौसले इतने बुलंद है कि ऐसा लगता है उन्हे पुलिस को कोई खौफ नही है। क्योंकि चोरो के द्वारा इस वारदात में एक बुजूर्ग दंपत्ति के घर में घुसकर उन्हे पत्थर के मार घायल कर फरार हुये लेकिन चोरी की घटना को अंजाम नही दे पाये। प्रार्थी मयाराम पिता जगदू कुचलाहे एवं पत्नि सुशीला बाई मायराम कुचलाहे ने बताया कि रात्रि करीब 3 बजे 5 से 6 चोर आये जो कि दरवाजा खोलने बोले धमकी देते हुये दरवाजा खुलाया हमारे द्वारा चिल्लाया गया तो चोरो के द्वारा बडे बड़े पत्थर से मुझ पर वार किया गया तथा मेरी पत्नि बचाने आई तो उस पर भी वार किया लेकिन चोरी करने में कामयाब नही हो पाये और फरार हो गये। जिसकी शिकायत बुजूर्ग दंपत्ति ने पुलिस थाना लांजी में की है पुलिस के द्वारा घायल बुजूर्ग दंपत्ति का मुलाहिजा भी करवाया गया है।

6 मकानों मे चोरी पुलिस के लिये बनी चुनौती

लांजी थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बिसोनी जो कि मुख्यालय से महज 2 किमी की दुरी पर स्थित है यहां 6 मकानों मे एक साथ चोरी होना तथा चोरो के हौसले इतने बुलंद है कि वे जिस घर में चोरी के लिये घुस रहे है वहां लोगो को घायल भी कर रहे मानो यह चोरी नही डकैती हो गई है। क्योंकि 5 से 6 लोग पुरी रंगदारी के साथ घर में चोरी की वारदात को अंजाम देते है बुजूर्ग द्रंपत्ति को घायल भी करते है। ऐसे में यह चोरी की वारदात लांजी पुलिस के लिये किसी बड़ी चुनौती से कम नही है क्योंकि मुख्यालय के पास इस तरह एक ही रात में 6 से 7 घरों के ताले टूटना बडी वारदात है।

चोरो की तलाश में जुटी लांजी पुलिस

चोरी की घटना कि शिकायत के बाद से ही लांजी पुलिस चोरो की तलाश में जुटी है मार्गो के सभी सीसी टीव्ही फुटेज पुलिस खंगाल रही है। इसके अलावा घर मालिको के आने बाद लांजी पुलिस यह भी जानेगी की क्या क्या सामग्री चोरी हुई है। वहीं दो मोटर सायकल चोरी हुई है जिसकी भी तलाश लांजी पुलिस के द्वारा लगातार की जा रही है। सभी तथ्यो को सामने रख पुलिस इस संपूर्ण वारदात की जांच में जुटी है।

मध्य प्रदेश राजपत्रित आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ, जिला बालाघाट की नई कार्यकारिणी का गठन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश राजपत्रित आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. शशांक झा के कुशल मार्गदर्शन में जिला बालाघाट में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रांतीय सचिव डॉ. धर्मेंद्र मरावी और डॉ. राजा ठाकुर पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने गठन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गठन प्रक्रिया के दौरान सर्वसम्मति से डॉ. पंकज कुमार मेश्राम को जिला अध्यक्ष और डॉ. दीपाली चौके को जिला सचिव के रूप में मनोनीत किया गया। दोनों पदाधिकारियों का चयन उनकी नेतृत्व क्षमता, समर्पण और आयुष चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान को ध्यान में रखकर किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी नियुक्तियाँ की गईं, जिससे जिला स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस अवसर पर जिले के सभी नवीन आयुष चिकित्सा अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक संघ की सदस्यता ग्रहण की, जिससे संगठन की एकता और सक्रियता में वृद्धि हुई। गठन

प्रक्रिया के उपरांत, नवगठित कार्यकारिणी की पूरी जानकारी प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. शशांक झा को औपचारिक रूप से प्रेषित की गई। बैठक के दौरान आगामी 14 सितंबर, 2025 को आयोजित होने वाले प्रांतीय अधिवेशन पर भी चर्चा हुई। सभी आयुष चिकित्सा अधिकारियों से इस अधिवेशन में सक्रिय रूप से भाग लेने और संगठन के उद्देश्यों को मजबूती प्रदान करने का आग्रह किया गया। इस अधिवेशन में आयुष चिकित्सा के क्षेत्र में चुनौतियों, अवसरों और भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। इस अवसर पर उपस्थित सभी चिकित्सकों ने नवगठित कार्यकारिणी को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. पंकज कुमार मेश्राम ने अपने संबोधन में कहा कि वे जिला कार्यकारिणी के माध्यम से आयुष चिकित्सा अधिकारियों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। वहीं, डॉ. दीपाली चौके ने संगठन की गतिविधियों को गति देने और सभी सदस्यों के बीच समन्वय स्थापित करने का संकल्प व्यक्त किया। यह गठन न केवल जिला बालाघाट में आयुष चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक नई शुरुआत है, बल्कि मध्य प्रदेश राजपत्रित आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। उपस्थित सभी सदस्यों ने एकजुटता और उत्साह के साथ संगठन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संयुक्त प्रयासों का संकल्प लिया।

हाऊबाग के महाराजा श्री गणेश उत्सव समिति ने किया भण्डारे का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। हाऊबाग के महाराजा श्री गणेश उत्सव समिति बालाघाट रोड़ लांजी में आकर्षक रूप से पंडाल सजाकर भगवान गणेश की स्थापना की गई है। यहां प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 2 सितंबर को शाम में आरती उपरांत अश्विनी कश्यप की ओर से भण्डारे का आयोजन किया गया। साथ ही जय दुर्गा भजन मंडली पालडोंगरी द्वारा देर रात्रि तक भजनों की प्रस्तुति दी गई। इससे पूर्व 31 अगस्त रविवार को संध्या आरती पश्चात राजू मस्करे की ओर से पुलावा प्रसादी का वितरण किया गया एवं रात्रि बजे से मां तुलजा भवानी देवी जागरण बालाघाट ग्रूप के कलाकारों द्वारा भगवान के भजनों की प्रस्तुति दी। आगे कार्यक्रमों के तहत 5 सितंबर दिन शुक्रवार को शाम 4 बजे से हवन पूजन एवं संध्या आरती पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा तथा 6 सितंबर दिन शनिवार को संध्या में प्रतिमा का नगर भ्रमण कर विसर्जन किया जाएगा। हाऊबाग के महाराजा श्री गणेश उत्सव समिति के सदस्य कौशिक सातपुते, वैभव सोलंकी, सुरेन्द्र बड़घैया, दिनेश रामटेककर, आलोक चौरसिया, राजू मस्करे, सुमित गोयल, रविन्द्र धारणे, डॉ संजय मस्करे, डॉ विरेन्द्र कुचलाहे, अश्विनी कश्यप, दुर्गेश ब्रम्हपुरे, नवीन बिसेन, राहुल बिसेन, विकास तिड़के, वैभव ठाकरे, रोहित विश्वकर्मा, लवकुश कलपुरे, पुनित खानोरकर, महेंद्र बड़घैया, दीनदयाल तिड़के, नरेन्द्र बड़घैया, भुनेश कश्यप, प्यारेलाल नगपुरे, हरीश चौधरी, महेंद्र नंदनवार, नरेन्द्र सातपुते, संतोष नंदनवार, चित्रकांत कटरे, जे डी धारणे, विजय मोहारे, रूपचंद तिड़के, कृष्णा शेण्डे, रूमेन्द्र बोपचे आदि ने सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होने की अपील की है।

पटवारी मधुसूदन वैरागी निलंबित, शासकीय कार्य में लापरवाही का आरोप

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) लांजी ने पटवारी मधुसूदन वैरागी, हल्का नंबर 52-अमेड़ा (ब), तहसील लांजी को शासकीय कार्य में उदासीनता और लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 और मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत की गई है। आवेदक हरिश बोपचे, निवासी ग्राम अमेड़ा (ब), तहसील लांजी द्वारा प्रस्तुत त्रुटि सुधार के प्रकरण की जांच के लिए श्री वैरागी को 07 जनवरी 2025 को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। हालांकि, छह माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद न तो जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया और न ही प्रकरण वापस किया गया। कार्यालय लिपिक द्वारा बार-बार मांग के बावजूद, श्री वैरागी ने 02 सितंबर 2025 को बिना किसी जांच या प्रतिवेदन के प्रकरण वापस कर दिया। इसे शासकीय कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही माना गया। निलंबन आदेश के तहत, श्री वैरागी का मुख्यालय तहसीलदार कार्यालय, लांजी नियत किया गया है और निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा। इसके साथ ही, हल्का नंबर 52-अमेड़ा (ब) का प्रभार तत्काल प्रभाव से श्री रूपेन्द्र कुथे, पटवारी, हल्का नंबर 51-बहेला, तहसील लांजी को सौंपा गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। अनुविभागीय अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासकीय कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला उपार्जन समिति का हुआ गठन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा के उपार्जन के लिए किसान पंजीयन एवं उपार्जन के सम्पूर्ण कार्य पर्यवेक्षण, उपार्जन की समस्त प्रक्रिया, स्कंध की गुणवत्ता, निरीक्षण तथा पंजीयन व उपार्जन में आने वाली कठिनाइयों का निराकरण करने के लिए कलेक्टर मृणाल मीना ने जिला उपार्जन समिति का गठन किया है। जिला उपार्जन समिति के अध्यक्ष कलेक्टर होंगे तथा इस समिति में उपायुक्त सहकारिता, उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विभाग, जिला अग्रणी बैंक अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (एनआईसी), जिला सहकारी केंद्रीय बैंक सीईओ, जिला विपणन अधिकारी, जिला प्रबंधक मप्र स्टेट वेयर हाउसिंग एन्ड लॉजिस्टिक्स कार्पो., जिला प्रबंधक मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पो., अधीक्षक भू-अभिलेख, सचिव कृषि उपज मंडी बालाघाट एवं जिला आपूर्ति अधिकारी सदस्य बनाए गए है। यह समिति शासन द्वारा जारी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की पंजीयन, उपार्जन नीति में सौपे गए दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करेगी।

मप्र में यूरिया के लिए हाहाकार...

पूरी रात भूखे-प्यासे लाइन में खड़े हो रहे किसान

भोपाल। मप्र में खाद की किल्लत खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। आलम यह है की खरीफ सीजन में पहले किसान डीएपी के लिए परेशान होते रहे, अब यूरिया के लिए मारामारी हो रही है। सरकार का दावा है कि प्रदेश में खाद का पर्याप्त भंडारण है। जबकि हकीकत में किसान परेशान हैं। यूरिया के लिए किसान रात तीन बजे से कतार में लग रहे और टोकन के बाद भी खाद नहीं मिल रही है। इससे परेशान किसान धरना, प्रदर्शन और चक्काजाम करने को मजबूर हो रहे हैं। प्रदेश में खरीफ 2025 के लिए 36 लाख मीट्रिक टन से अधिक खाद वितरण का लक्ष्य रखा गया है, इसमें यूरिया की खपत 17.40 लाख मीट्रिक टन बताई जा रही है, एसएसपी के लिए 6.50 लाख मीट्रिक टन, डीएपी के लिए 7.50 लाख मीट्रिक टन, एमओपी के लिए 5 हजार मीट्रिक टन और एनपी के के लिए 86 हजार मीट्रिक टन की डिमांड है। इतना बड़ा अंतर होने के कारण किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है।

मप्र में खाद की भारी किल्लत हो रही है, रबी सीजन हो या खरीफ सीजन हर बार, हर साल किसान खाद के लिए मारामारी करता है, लंबी लाइन लगाता है, डंडे खाता है, कई दिन इंतजार करता है और नतीजा ये रहता है कि किसान को यदि खाद मिल भी जाती है तो उसे जितनी चाहिए उतनी नहीं, मजबूरन किसान दोगुने दामों में बाजार से खाद खरीदता है, इधर खाद व्यापारी भी कालाबाजारी करने से नहीं चूकते। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि देश के लिए अन्न उगाने वाले अन्नदाता को समय पर पर्याप्त खाद नहीं मिल पाती।

पुलिस की मौजुदगी में खाद का वितरण

रीवा जिले का अन्नदाता इन दिनों यूरिया खाद त्रासदी का शिकार है। एक बोरी यूरिया के लिए किसान खाद गोदाम में भूखे प्यासे रात दिन डटे हैं। खाद की रैक आने की खबर सुनते ही किसान महिलाएं और बच्चे लाइन लगाकर खड़े हो गए। प्रशासन को पुलिस फोर्स और कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगानी पड़ी। तब जाकर स्थिति नियंत्रित हुई। बावजूद इसके कई किसान बिना खाद के लौटने को मजबूर हो गए। दरअसल, शहर के करहिया मंडी में खाद की रैक आने की खबर जैसे हो किसानों को मिली खाद गोदाम में लंबी कतार लग गई। दूर-दूर से आए किसानों ने रात में ही मंडी में डेरा जमा लिया। लेकिन न तो मंडी में खाना पानी की व्यवस्था थी और न ही अन्य सुविधाएं। खाद की किल्लत झेल रहे किसानों में शासन प्रशासन की अव्यवस्था पर खासा रोष देखने की मिला। किसानों का आरोप है कि समितियों के साथ ही निजी दुकानदारों को भी खाद वितरित की गई है। यहां तीन गुना महंगे दाम पर बेचा जा रहा है।

धरना, प्रदर्शन, आंदोलन के बाद भी खाद नहीं

मप्र में यूरिया की जबर्दस्त कमी है। इसके लिए प्रदेशभर के किसान परेशान हो रहे हैं। शिवपुरी, दमोह, मंडला, छिंदवाड़ा, रीवा, भिंड, खंडवा जैसे जिलों में खाद के लिए किसान रात 3 बजे से लाइन में लग रहे हैं तब भी मायूस होकर लौट रहे हैं। पिछले करीब एक महीने से यूरिया के लिए मारामारी मच रही है। किसानों ने इसके लिए धरना, प्रदर्शन, आंदोलन सब कुछ किया है पर यूरिया की जगह उन्हें सिर्फ आश्वासन और पुलिस की लाठियां मिल रहीं हैं। इससे प्रदेश के किसानों में खासी नाराजगी है। दरअसल, मप्र में खरीफ फसलों की बोवनी हो चुकी है। अब किसानों को सर्वाधिक जरूरत यूरिया की है, लेकिन इसकी कमी बरकरार है। जगह-जगह खाद लेने के लिए लाइनें लग रही हैं, लेकिन सरकार का दावा है कि यूरिया पर्याप्त है। अभी तक लगभग 13.87 लाख टन यूरिया का वितरण हो चुका है। देखा जाए तो यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दो हजार टन कम है। वहीं, खाद की कमी को लेकर कांग्रेस धरना-प्रदर्शन कर रही है।

सतना के कांग्रेस कार्यकर्ता पीसीसी के बाहर धरने पर बैठे, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष बोले

जिनके पूर्वज बिहार के हैं, उसे सतना का शहर अध्यक्ष बनाया

भोपाल। 16 अगस्त को कांग्रेस के सभी 71 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों की घोषणा हुई। जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा के बाद से ही अलग-अलग जिलों से विरोध के मामले सामने आ रहे हैं। सतना शहर अध्यक्ष बनाए गए आरिफ इकबाल सिद्दीकी के खिलाफ युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मकसूद अहमद शेरू भोपाल पहुंचे और प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर टेंट लगाकर धरने पर बैठ गए।

शेरू ने बताया कि जिस दिन से संगठन सृजन अभियान की सूची जारी हुई है। मैं उस दिन से शहर जिला अध्यक्ष को खोज रहा हूं कि इसका मालिक कौन है और ये कहां से आए हैं? बहुत जानकारी जुटाने के बाद पता चला कि इनके पूर्वज बिहार के रहने वाले हैं। सतना में इन्होंने न ही कभी कोई कार्यक्रम किया न कभी धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि पार्टी में और भी संघर्षशील कार्यकर्ता थे, उनमें से किसी को बना देते। आपने ऐसे पुतले को दे दिया, जिसे कोई जानता पहचानता नहीं हैं। कहीं न कहीं इसमें कुछ तो गड़बड़ी हुई है।

कुछ तो खेल हुआ है

उन्होंने कहा कि मैं किसी के ऊपर कोई सवाल नहीं उठा रहा हूं। राहुल जी, जीतू पटवारी, उमंग सिंघार, दिग्विजय सिंह, अजय सिंह हमारे नेता हैं। हम सिर्फ यह पूछना चाहते हैं, राहुल गांधी ने जो कहा था कि जिलाध्यक्ष की सहमति से टिकट वितरण होगा। निश्चित ही इसमें कुछ तो खेल हुआ है। अनिल चौधरी को राहुल गांधी जी ने ऑब्जर्वर बनाकर भेजा था। उनकी लिस्ट पर हमें पूरा भरोसा है। वह लिस्ट दिखा दी जाए मैं संतुष्ट हो जाउंगा। उन्होंने कहा कि मैं अनिश्चित काल के लिए बैठा हूं। मैंने सतना में भी उन्हें ढूंढने का प्रयास किया। मैं भोपाल आया, शीर्ष नेतृत्व से मिला और जब संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो मैंने कहा कि उन्हें बदलकर किसी को भी बना दीजिए।

इंदौर में नहीं होगी विधायक निर्मला सप्रे केस की सुनवाई

भोपाल। बीना विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल के मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका को इंदौर हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। सप्रे की सदस्यता रद्द किए जाने को लेकर हाईकोर्ट में दायर याचिका पर जस्टिस प्रणय वर्मा की बेंच ने अंतिम आदेश पारित किया।

उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने अपने क्षेत्राधिकार में विचारणीय न होने के आधार पर यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि वे मुख्य पीठ के समक्ष दोबारा याचिका पेश करने के लिए स्वतंत्र हैं। आदेश सोमवार को जारी किया गया।

याचिका में सप्रे की सदस्यता रद्द करने की मांग

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने रिट पिटीशन दायर की थी। इसमें कहा गया था कि कांग्रेस से निर्वाचित विधायक निर्मला सप्रे बीजेपी में शामिल हो गई हैं, लेकिन उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया। याचिका में मांग की गई थी कि सप्रे ने पार्टी बदली है तो उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द की जानी चाहिए। इसके लिए पहले विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के समक्ष पत्र भेजा था लेकिन उस पर 90 दिन की तय अवधि में कोई कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। याचिका में कहा था कि संविधान की अनुसूची 10 के अनुसार कोई विधायक दल बदलता है, उसकी विस से सदस्यता निरस्त कर दी जाती है।

हाईकोर्ट में हुई बहस के दौरान सिंगार की ओर से एडवोकेट विभोर खंडेलवाल ने तर्क में कहा कि या तो कोर्ट इस पर निर्णय दे या विधानसभा अध्यक्ष को निर्देशित करे। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने तर्क रखे। विधायक निर्मला सप्रे की ओर से अधिवक्ता मनीष नायर द्वारा तर्क रखे गए थे। निर्मला सप्रे 2023 के विधानसभा चुनाव में सागर जिले से चुनाव जीत कर विधायक बनी थी। इसके बाद सप्रे ने कांग्रेस की सदस्यता त्याग कर भाजपा का दामन थाम लिया।

जल जीवन मिशन के अधूरे प्रोजेक्ट्स स्वयं के बजट से पूरे करेगी प्रदेश सरकार

भोपाल । मप्र में मोहन कैबिनेट की बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर मुहर लगी है। पीएम मित्र पार्क धार का रोड शो तीन सिंतबर को होगा, जिसमें केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह शामिल होंगे। पीएम मोदी का सपना है कि हर घर साफ जल पहुंचे। यही कारण है कि नल जल योजना के जरिये लोगों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जा रहा है, समूह नल जल योजना का कैबिनेट बैठक में अनुमोदन किया गया। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अधूरे कामों के लिए केंद्र सरकार ने फंड देने से मना कर दिया है। अब राज्य सरकार खुद खर्च उठाएगी। कैबिनेट ने फैसला लिया कि 8358 अधूरी नल-जल योजनाओं को पूरा करने के लिए 9026.97 करोड़ रुपए

खर्च किए जाएंगे।

इंदौर से उज्जैन तक नया ग्रीनफील्ड फोरलेन रोड बनाया जाएगा। पहले यह सडक् लोक निर्माण विभाग बनाने वाला था, अब इसकी लागत बढक्र 2935.15 करोड़ हो गई है। इसलिए इसे हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल से बनाया जाएगा। फोरलेन में 48 किमी लंबी सडक्, पेवर्ड शोल्डर, सर्विस रोड, अंडरपास, फ्लाईओवर और जंक्शन बनाए जाएंगे। काम 17 महीने में पूरा होगा। इसी तरह उज्जैन में हरि फाटक पर ब्रिज बनेगा, सिंहस्थ को लेकर ब्रिज टू लेन का है, इसे फोर लेन ब्रिज बनेगा। फाइनेंस की भी मंजूरी हो गयी। 371 करोड़ की फोरलेन ब्रिज को मंजूरी मिली है।

नर्मदापुरम टिमरनी रोड एनयूटी मॉडल पर

इंदौर उज्जैन ग्रीन फील्ड रोड पर सर्विस लेन भी बनाने की मांग है, इसलिये 48 किमी तक एनयूटी मॉडल पर यह बनेगा। इस नई सडक में अंडर पास, फ्लाई ओवर, जन्क्शन सब है। 17 महीने में काम पूरा करने का लक्ष्य है। यह एक अतिरिक्त रोड होगा। दो हजार करोड़ से ज्यादा का इसमें खर्चा आएगा। नर्मदापुरम टिमरनी रोड 72 किमी भी एनयूटी माडल पर बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह करेंगे रोड शो

धार जिले में पीएम मित्रा पार्क है। 3 सितंबर बुधवार को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह यहां रोड शो करेंगे। टेक्सटाइल उद्योग और देश के बाहर के लोग भी आएंगे। सिर्फ एक रुपए वर्ग मीटर प्रीमियम और 120 रुपए प्रतिवर्ग फीट विकास शुल्क लेकर पहले आओ पहले पाओ में भूमि आवंटन करेंगे। 11 सितंबर तक फॉर्म भरे जा सकेंगे। दो हजार करोड़ से अधिक की लागत लगेगी और तीन लाख प्रत्यक्ष और एक लाख अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन होगा।

देश में लाएंगे वैदिक घड़ी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैदिक घड़ी का लोकार्पण किया है। उन्होंने कहा कि उज्जैन काल गणना का केंद्र है। इसमें एक सेकेंड का भी परिवर्तन नहीं आता है। सूर्य और नवग्रह के संचालन के हिसाब से काल गणना होती है। पहले देश में लाएंगे। इसका मोबाइल एप भी बना है। वर्तमान और वैदिक समय में अंतर भी पता लग सकेगा।

ग्वालियर पर्यटन में 3200 करोड़ का निवेश

ग्वालियर पर्यटन कॉन्क्लेव में 3200 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। पर्यटन के क्षेत्र में बड़े काम करने वाले कंपनी इसमें शामिल हुई है। एक हजार करोड़ का निवेश प्रस्ताव सचिन गुप्ता ने दिया है। 20 से अधिक निवेशकों ने निवेश प्रस्ताव दिए हैं।

त्योहार अग्रिम की राशि बढ़ाए सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश में त्योहार अग्रिम की राशि को बढ़ाने की मांग की गई है। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने इसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन को पत्र भी लिखा हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ का हवाला देते हुए राशि में बढ़ोतरी करने की मांग की है।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने जानकारी में बताया कि मध्य प्रदेश शासन में कार्यरत तृतीय-चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को बीते 16 साल से 4000 रुपये त्योहार अग्रिम दिया जा रहा है, जिसकी वसूली 10 किस्तों में 6.50 प्रतिशत ब्याज के साथ की जाती है। अब लगातार त्योहार आ रहे हैं, आने वाले फेस्टिवलों में हर परिवार में खर्चा बढ़ जाता है।

तीन कलेक्टर समेत कई अधिकारियों का सरकारी बंगलों पर कब्जा

भोपाल। मप्र सरकार ने राजधानी भोपाल में लंबे समय से बंगलों पर कब्जा जमाए बैठे तीन कलेक्टरों समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों पर सख्ती दिखाते हुए उनके सरकारी मकान खाली कराने के निर्देश दिए हैं। गृह विभाग ने एस्टेट विभाग को आदेश दिया है कि जिन अधिकारियों का तबादला महीनों पहले हो चुका है और उन्हें संबंधित जिलों में आवास आवंटित भी कर दिए गए हैं, वे तुरंत बंगले खाली करें।

जानकारी के अनुसार, दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर, उमरिया कलेक्टर धरेंद्र कुमार जैन और मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग राजधानी भोपाल में सरकारी मकान अब तक खाली नहीं किया है। यही नहीं, उज्जैन के अपर आयुक्त रत्नाकर झा, रायसेन की अपर कलेक्टर श्वेता पवार, राजगढ़ के सीईओ महीप तेजस्वी, ग्वालियर के डीआईजी अमित सांघी, ग्वालियर की अपर आयुक्त निधि सिंह, इंदौर के डीएसपी उमाकांत चौधरी और रीवा के सीईओ मेहताब सिंह गुर्जर भी महीनों से स्थानांतरण के बाद भोपाल के सरकारी मकानों में जमे हुए हैं। गृह विभाग ने साफ कर दिया है कि अब किसी को भी मोहलत नहीं मिलेगी। जिन अधिकारियों ने समय रहते बंगले खाली नहीं किए, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निशा बांगरे को भी मिला था नोटिस

बता दें 2023 विधानसभा चुनाव के पहले डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे को भी सरकारी मकान खाली नहीं करने पर नोटिस भेजा गया था। बांगरे के चुनाव लडने् की अटकलों के चलते यह मामला बहुत गरमाया था। उस समय नोटिस में उनके भोपाल से ट्रांसफर होने के बाद भी सरकारी आवास पर अवैध कब्जे के लिए कार्रवाई किए जाने की बात कही थी। हालांकि बांगरे ने निजी कारण से बंगला खाली नहीं कर पाने का कारण बताया था और नोटिस मिलने के कुछ दिन बाद बंगला खाली कर दिया था।

वित्त विभाग ने जारी किया बजट चर्चा का शेड्यूल

जीरो बेस्ड बजटिंग के साथ बनेगा रोलिंग बजट

भोपाल । मप्र सरकार पहली बार तीन साल का रोलिंग बजट तैयार करेगी। प्रदेश की दीर्घकालिक विकास रणनीति- विकसित मध्य प्रदेश 2047 पर केंद्रित वर्ष 2026-27, वर्ष 2027-28 एवं वर्ष 2028-29 के लिए त्रिवर्षीय रोलिंग बजट तैयार किया जाएगा। बजट पर चर्चा के लिए वित्त विभाग ने शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके लिए 15 सितंबर से 30 सितंबर तक विभागवार बैठकें होंगी। 31 अक्टूबर को नई योजनाओं के प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे और एक अक्टूबर से 15 नवंबर तक द्वितीय चरण की चर्चा की जाएगी। बता दें कि इससे पहले बजट निर्माण में 28 से 31 जुलाई तक विभागीय प्रशिक्षण और प्रारंभिक चर्चा की जा चुकी है। इसके अलावा इस बार भी राज्य सरकार द्वारा शून्य आधार बजटिंग की प्रक्रिया को जारी रखते हुए वित्तीय अनुशासन और परिणाम आधारित बजट निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। शून्य आधार बजटिंग प्रणाली से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि हर योजना के पीछे ठोस उद्देश्य हो, उसका समाज पर प्रभाव दिखे और प्रत्येक व्यय राज्य की विकास प्राथमिकताओं से मेल खाता हो।

रोलिंग बजट एक ऐसी वित्तीय योजना है, जिसमें आगामी 3 साल के लिए बजट बनाया जाता है, लेकिन यह हर साल अपडेट होता है। यानी पहले वर्ष की समाप्ति के साथ अगले वर्ष के लिए नया अनुमान जोड़ दिया जाता है, जिससे योजना हमेशा फॉरवर्ड-लुकिंग बनी रहती है। उदाहरण के तौर पर अगर 2026-27, 2027-28 और 2028-29 के लिए रोलिंग बजट तैयार किया गया है, तो 2026-27 के खत्म होते ही 2028-29 का अनुमान जोड़ दिया जाएगा और योजना फिर अगले तीन साल के लिए अपडेट हो जाएगी। वहीं जीरो बेस्ड बजटिंग में बजट अनुमान शून्य से शुरू किए जाते हैं। शून्य आधारित बजट में गत वर्षों के व्यय संबंधी आंकड़ों को कोई महत्व नहीं दिया जाता है। इस प्रणाली में कार्य इस आधार पर शुरू किया जाता है कि अगली अवधि के लिए बजट शून्य है। शून्य आधार बजटिंग प्रक्रिया के अंतर्गत विभाग द्वारा ऐसी योजनाओं को चिन्हांकित किया जा सकेगा, जो वर्तमान में अपनी उपयोगिता खो चुकी है और जिन्हें समाप्त किया जा सकता है। मप्र सरकार ने पहली बार 2025-26 का बजट जीरो बेस्ड बजटिंग प्रक्रिया से तैयार किया था।

इस बार बजट की तैयारियां पहले ही शुरू

वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट निर्माण की तैयारियां शुरू कर दी हैं। चूंकि इस बार जीरो बेस्ड बजटिंग प्रक्रिया से बजट तैयार करने के साथ ही रोलिंग बजट भी बनाया जाएगा, इसलिए विभाग पिछले वर्षों की तुलना में इस साल बजट की तैयारियां जल्दी शुरू कर रहा है। पहली बजट चर्चा 15 सितंबर से शुरू होगी। वित्त विभाग ने पहली बजट चर्चा का शेड्यूल जारी कर दिया है। बजट चर्चा 15 सितंबर से शुरू होकर 29 सितंबर तक चलेगी। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार वित्त विभाग के अपर सचिव व उप सचिव अन्य विभागों के अपर सचिव, उप सचिव रैंक के अधिकारियों और विभागाध्यक्षों के साथ विभागावार बजट की तैयारियों पर चर्चा करेंगे। इस संबंध में सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश भी जारी किए गए हैं। प्रथम बजट चर्चा के बाद 31 अक्टूबर तक विभागों को नई योजनाओं के प्रस्ताव भेजना होंगे। एक अक्टूबर से 15 नवंबर तक द्वितीय चरण की चर्चा होगी। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार पहले दिन 15 सितंबर को योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, आनंद, प्रवासी भारतीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा और ऊर्जा विभाग के अधिकारी बजट पर चर्चा करेंगे। ऐसे ही अंतिम दिन 29 सितंबर को नगरीय विकास एवं आवास, कुटीर एवं ग्रामोद्योग व जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी बजट पर चर्चा करेंगे।

इस तरह तैयार होगा बजट

वित्त विभाग ने आगामी बजट की तैयारियों को लेकर सोमवार को मंत्रालय में बैठक आयोजित की। बैठक में वित्त विभाग के अपर सचिव, उप सचिव और वित्त अधिकारी शामिल हुए। सचिव वित्त लोकेश जाटव ने उन्हें बताया कि बजट तैयार करते समय उन्हें किन बातों का ध्यान रखना है, ताकि बजट अनुमान में कोई गड़बड़ी न हो। उन्होंने जीरो बेस्ड बजटिंग प्रक्रिया एवं रोलिंग बजट के बारे में भी अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी। बैठक में आयुक्त कोष एवं लेखा भास्कर लाक्षाकार और संचालक बजट राजीव रंजन मीना ने वित्त अधिकारियों के साथ बजट तैयार करते समय बरती जाने वाली सावधानियों को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रथम बजट चर्चा के दौरान सभी विभागों के अपर सचिव, उप सचिव और और विभागाध्यक्षों को बजट के संबंध में सभी चीजें स्पष्ट कर दें, ताकि उन्हें कोई असमंजस न रहे।

बजट स्वीकृति के पहले हर योजना का होगा मूल्यांकन

प्रत्येक योजना के लिए यह स्पष्ट करना आवश्यक होगा कि उस पर खर्च क्यों किया जा रहा है, उसका लाभ किसे होगा और उसका सामाजिक व आर्थिक असर क्या होगा। इस प्रक्रिया में गैर-प्रभावी योजनाओं को समाप्त करने और समान प्रकृति की योजनाओं को एकीकृत करने पर भी विचार किया जाएगा। बजट निर्माण के लिए दिसंबर और जनवरी में मंत्री स्तरीय बैठकें आयोजित की जाएंगी। 31 मार्च 2026 को समायोजन प्रस्तावों की अंतिम तिथि रखी गई है। वेतन, भत्ते और स्थायी व्यय की भी गणना अलग होगी। विभागों को अपने स्थायी खर्चों जैसे वेतन, पेंशन, भत्तों की गणना करते समय विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। प्रत्येक वित्तीय वर्ष के वेतन में तीन प्रतिशत वार्षिक वृद्धि जोड़ी जाएगी। जिन विभागों को भारत सरकार से सीधे फंड प्राप्त होता है, उन्हें वह राशि भी बजट प्रस्ताव में दर्शानी होगी। इसके अलावा, आफ-बजट ऋण, प्रोत्साहन योजनाओं का वित्तीय असर, और नवीन योजनाओं की स्वीकृति की प्रक्रिया को भी स्पष्ट किया गया है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि बजट की तैयारी के लिए जो आइएफएमआइएस प्रणाली अपनाई गई है, उसमें तय समय के बाद प्रविष्टि की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पहले अधिकारियों को हटाया अब आदेश नहीं मानने पर रूका वेतन

नगर निगम भोपाल में अधिकारियों के तबादले से प्रभावित हुए काम

भोपाल। प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्थाओं के अंतर्गत कर्मचारियों, अधिकारियों के थोकबंद तबादले किए गए। भोपाल नगर निगम में भी अधिकारियों, कर्मचारियों को इधर से उधर किया गया। अनेक अधिकारियों को अहम पदों से हटा दिया गया। इनका प्रदेश के अन्य नगर निगमों में ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि दो माह बाद भी कई अधिकारी यहीं जमे हुए हैं। तबादला आदेश नहीं माननेवाले अधिकारियों का वेतन रोक दिया गया है और अब इनपर सख्त कार्रवाई की बात कही जा रही है। अफसरों के तबादले और अधिकारियों की कमी के कारण नागरिकों के दैनंदिन कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

भोपाल नगर निगम में कई अधिकारियों के स्थानांतरण किए गए। निगम में अफसरों के तबादले और कुछ के रिटायर्ड हो जाने से कई काम ठप पड़ गए हैं। निगम में अपर आयुक्तों के बीच नए सिरे से शाखाओं का आवंटन भी नहीं हो पा रहा है। दरअसल कुछ अधिकारी ट्रांसफर के बाद भी पद पर जमे हैं। इस वजह से शाखाओं का आवंटन अटका हुआ है।

आदेश नहीं मानने पर दो अधिकारियों का वेतन रुका

अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान और सहायक आयुक्त एकता अग्रवाल का तबादला 17 जून को चुका है। चौहान को जबलपुर और अग्रवाल को देवास नगर निगम भेजा था। दोनों अफसरों ने तबादला आदेश का पालन नहीं किया और अभी तक भोपाल निगम मुख्यालय में ही कार्यरत हैं। हालांकि इनके वेतन रोक दिए गए हैं। दोनों अधिकारियों को जुलाई -अगस्त का वेतन नहीं दिया गया है।

करेंगे सख्ती

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे के अनुसार इस संबंध में निगम आयुक्त से बात कर कोई निर्णय लिया जाएगा। विभाग का आदेश न मानने वाले अधिकारियों पर उचित व सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम में अपर आयुक्त टीना यादव ने नया दायित्व संभाल लिया है। अपर आयुक्त रणवीर सिंह और आयुक्त सीबी मिश्रा रिटायर्ड हो गए हैं। इधर नव नियुक्त अतिरिक्त आयुक्त मुकेश शर्मा को ज्वानिंग के 10 दिन बाद भी कोई विभाग नहीं मिला है। अशोकनगर के पूर्व अतिरिक्त कलेक्टर शर्मा भोपाल नगर निगम में अभी तक बिना विभाग के ही कार्य कर रहे हैं।

टी-20 विश्व कप 2026 से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को लगा बड़ा झटका

स्टार्क ने लिया टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास, टेस्ट-वनडे पर करेंगे फोकस

नई दिल्ली,एजेंसी। दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 विश्व कप 2026 से ठीक पहले हैरान करने वाला फैसला किया है। उन्होंने इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है।

उन्होंने अपने शानदार करियर के अंतिम चरण में टेस्ट और वनडे क्रिकेट को प्राथमिकता देने के इरादे से टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने का फैसला किया है। 35 वर्षीय स्टार्क ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए पिछले टी20 विश्व कप के बाद से इस प्रारूप में नहीं खेला है। उन्होंने यह फैसला भारत और श्रीलंका में होने वाले इस बड़े आयोजन के अगले संस्करण से महज छह महीने पहले यह फैसला किया है। स्टार्क ने टी20 क्रिकेट से विदा लेकर यह साफ कर दिया है कि उनकी नजर अब लंबी पारी पर है। टेस्ट और 2027 विश्व कप में वह एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया के लिए अहम भूमिका निभाना चाहते हैं। हालांकि, वह टी20 लीग खेलते रहेंगे। यह अनुभवी तेज गेंदबाज बाकी दो अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों, आईपीएल और अन्य घरेलू मैचों में खेलना जारी रखना चाहता है। लेकिन टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से उनका संन्यास ऑस्ट्रेलिया की उम्रदराज और चर्चित संन्यासों की लिस्ट में नया नाम है। पिछले साल डेविड वार्नर के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के अलावा, स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस भी इस साल वनडे से संन्यास ले चुके हैं।

मुख्य चयनकर्ता बेली ने की तारीफ

स्टार्क के इस फैसले के बाद अब ऑस्ट्रेलिया की सफेद गेंद टीम में युवा तेज गेंदबाजों जैसे शॉन एबॉट, बेन ड्वारशुइस और जेवियर बार्टलेट के लिए जगह बनने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं ने भी स्टार्क की तारीफ करते हुए कहा कि वे टी20 क्रिकेट में टीम के लिए गेम-चेंजर रहे हैं। उनकी धारदार गेंदबाजी और बड़े मैचों में प्रदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया को कई मौकों पर जीत दिलाई। चयन समिति के चेयरमैन जॉर्ज बेली ने कहा, मिच को अपने ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले गए टी20 करियर पर बेहद गर्व होना चाहिए। वह 2021 विश्व कप विजेता टीम के अहम सदस्य रहे और हर बार अपनी विकेट लेने की क्षमता से मैच का रुख पलटने का हुनर दिखाया। हम उनके टी20 करियर को सही समय पर याद और सेलिब्रेट करेंगे, लेकिन अच्छी बात यह है कि वह अभी भी टेस्ट और वनडे क्रिकेट को लंबे समय तक खेलने पर फोकस कर रहे हैं।'

टेस्ट क्रिकेट हमेशा से मेरी प्राथमिकता रहा है: स्टार्क

अपने संन्यास की घोषणा के दौरान स्टार्क ने कहा, टेस्ट क्रिकेट हमेशा से मेरी प्राथमिकता रहा है। मैंने ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेले हर टी20 मैच का लुत्फ उठाया, खासकर 2021 विश्व कप। यह जीत मेरे लिए खास थी, न सिर्फ इसलिए कि हमने खिताब जीता बल्कि इसलिए भी कि मैंने टीम के साथियों के साथ यादगार पल बिताए। स्टार्क ने आगे कहा कि आने वाले वर्षों में उनके लिए भारतीय दौरा, एशेज सीरीज, और 2027 वनडे विश्व कप बेहद अहम हैं। वह चाहते हैं कि इन बड़ी चुनौतियों के लिए उनका शरीर पूरी तरह फिट रहे, और इसी कारण उन्होंने टी20 प्रारूप को अलविदा कहने का निर्णय लिया।

मिचेल स्टार्क का टी-20 करियर

स्टार्क इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, उनसे आगे केवल एडम जम्पा हैं। 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हुए 65 मैचों के टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में स्टार्क ने 7.74 की इकॉनमी से 79 विकेट लिए। उन्होंने उसके बाद से खेले गए छह टी20 विश्व कप में से पांच में हिस्सा लिया, केवल 2016 के सत्र में चोट के कारण बाहर रहे। स्टार्क 2021 में दुबई में खेले गए टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की खिताबी जीत में अहम योगदान देने वाले खिलाड़ियों में से एक थे।

सीएसके से ही अधिक सफल रहे हैं अश्विन - डिविलियर्स

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स का कहना है कि स्पिनर आर अश्विन को चेन्नई सुपरकिंग्स नहीं छोड़नी चाहिये थी। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वह आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते थे। डिविलियर्स का मानना है कि अश्विन को सीएसके को कभी नहीं छोड़ना चाहिए था। अश्विन अब विदेशी लीग में खेलने जा रहे हैं। अश्विन ने आईपीएल में सीएसके के अलावा राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स, किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए भी खेला है। अश्विन सीएसके की ओर से सबसे ज्यादा सफल रहे हैं। करियर की शुरुआत भी उन्होंने इसी टीम के साथ की थी। डिविलियर्स का मानना है कि अश्विन को सीएसके को नहीं छोड़ना चाहिए था, क्योंकि जब वह अन्य टीमों के लिए खेलते थे तो स्थापित नहीं हो पाते थे।

आईपीएल करियर में अश्विन ने 221 मैचों में 187 विकेट लिए हैं और वह आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले हैं। डिविलियर्स ने कहा, शानदार करियर। कहना ही पड़ेगा, क्या शानदार खिलाड़ी था। खेल का क्या वैज्ञानिक था। खेल का एक डॉक्टर, एक प्रोफेसर। वह हमेशा नियमों की सीमा तक जाता था। आम तौर पर सही होता था, भले ही उस पर थोड़ी-बहुत नाराजगी भी होती थी। मैं खेल का अध्ययन करने वाले लोगों का बहुत सम्मान करता हूं और वह ऐसे ही क्रिकेटरों में से एक था।

उन्होंने साथ ही कहा, अविश्वसनीय कौशल। भारत में एक महान खिलाड़ी और आइकन। उन्होंने वर्षों तक टीम इंडिया और सीएसके के लिए कई मैच जीते हैं। उन्होंने दूसरी टीमों के लिए भी खेला, लेकिन उन टीमों में कभी भी अपने को स्थापित महसूस नहीं किया। मेरे विचार से, उन्हें हमेशा चेन्नई सुपर किंग्स में ही रहना चाहिए था। जाहिर है, यह उन पर निर्भर नहीं था, क्योंकि उन्हें टीम में बनाए रखने और टीम के चयन में कई तरह की बातें शामिल होती हैं, लेकिन मैं उन्हें हमेशा पीली जर्सी वाले खिलाड़ी के रूप में याद रखूंगा।

भारत में होगा शतरंज का वर्ल्ड कप, 23 साल बाद गोवा करेगा मेजबानी

इंदौर । भारत के तीसरे ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से ने स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए शतरंज जगत से जुड़ी कई अहम जानकारी साझा कीं। उन्होंने बताया कि 23 साल के लंबे इंतजार के बाद, भारत एक बार फिर शतरंज विश्व कप की मेजबानी करने जा रहा है। यह भव्य टूर्नामेंट 30 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक गोवा में आयोजित होगा, जिसमें दुनिया भर के 250 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

थिप्से ने बताया कि यह विश्व कप सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारतीय शतरंज के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में विजेता, उप-विजेता और तीसरे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को 2026 के प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में शामिल होने का मौका मिलेगा। विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि लगभग 17.5 करोड़ रुपये है। थिप्से ने यह भी बताया कि 21 भारतीय खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिनमें डी गुकेश, आर प्रज्ञानंद, अर्जुन एरिगैसी, निहाल सरिन और विदित गुजराती जैसे शीर्ष ग्रैंडमास्टर शामिल हैं।

थिप्से ने अखिल भारतीय शतरंज महासंघ को सुझाव दिया कि गोवा विश्व कप के बाद 2026 के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों के लिए आकर्षक प्रायोजन (ह्यश्चश्ठ्ठह्यश्ह्ल्ह्यद्धद्बश्च) की घोषणा तुरंत की जानी चाहिए। उनका मानना है कि ऐसा करने से खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ेगी और वे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित होंगे।

= शतरंज धैर्य और निर्णय का खेल =

जब उनसे पूछा गया कि क्या शतरंज केवल दिमागी खेल है, तो थिप्से ने इस धारणा को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, अगर ऐसा होता तो दुनिया के सारे बुद्धिमान लोग शतरंज के चैंपियन होते। उन्होंने जोर देकर कहा कि शतरंज में सही समय पर उचित निर्णय लेने का अधिक महत्व है। थिप्से ने यह भी साझा किया कि यह खेल व्यक्ति में धैर्य का विकास करता है, जो जीवन भर उसके काम आता है। उन्होंने एक अच्छे खिलाड़ी के लिए बेहतर कोच के साथ-साथ परिवार के सकारात्मक सहयोग को भी बेहद जरूरी बताया।

इस अवसर पर शतरंज संगठन के रानू गुप्ता, डॉ. एस के सोमानी एवं अनिल फतेहचंदानी विशेष रूप से मौजूद थे। प्रारंभ में थिप्से का स्वागत प्रवीण खारीवाल, राजू घोलप, संजय मेहता, दीपक माहेश्वरी एवं मनीष निगम ने किया। कार्टूनिस्ट गोविन्द लाहोटी 'कुमार' ने कैरिकेचर भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन पुष्कर सोनी ने किया। आभार आलोक बाजपेयी ने माना। अंत में थिप्से ने मीडियाकर्मियों के साथ शतरंज मुकाबले में कुछ चालें चलीं।

इंदौर को मिला दूसरा चेस पार्क, ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से ने किया उद्घाटन

इंदौर। इंदौर में शतरंज को आम लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए एक और सराहनीय पहल की गई है। इसी के तहत विजयनगर स्थित ओम नागपाल गार्डन में मध्य प्रदेश के दूसरे चेस पार्क का उद्घाटन ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से ने किया। यह पार्क एमपी वुमन चेस चैप्टर, इंदौर नगर निगम और ऑल इंदौर चेस एसोसिएशन के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

इस अनूठे पार्क में स्क्रैप मटेरियल से टेबल और शतरंज बोर्ड बनाए गए हैं, जो न केवल रचनात्मकता को दर्शाते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देते हैं। साथ ही, चौपाल के कुछ हिस्सों को भी शतरंज की थीम पर खूबसूरती से सजाया गया है, ताकि लोग खुले आसमान के नीचे इस खेल का आनंद ले सकें।

गौरतलब है कि इससे पहले भी प्रदेश के पहले चेस पार्क का उद्घाटन सुदामा नगर में ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से ने ही किया था।

इस अवसर पर एक प्रयास संस्था की फाउंडर रानू गुप्ता और एमपी वुमन चेस चैप्टर की टीम मेंबर्स रानू जैन, दीप्ति तापड़िया, श्रद्धा पोरवाल, पूजा धूत और कविता अर्गल ने ग्रैंडमास्टर थिप्से का स्वागत किया।

टेस्ट सहित सभी प्रारुपों में खेलना चाहते हैं रिंकू

नई दिल्ली। आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से टी20 क्रिकेट में अपनी अलग ही पहचान बनायी है। वह जिस प्रकार लंबे-लंबे छक्के लगाकर रन बनाते हैं उससे वह लोगों के पसंदीदा बल्लेबाज बन गये हैं और उन्हें टी20 विशेषज्ञ माना जाने लगा है। वहीं रिंकू ने कहा कि वह केवल टी20 के विशेषज्ञ बल्लेबाज नहीं बने रहना चाहते। उनका सपना भारतीय टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट खेलना है। रिंकू निचले क्रम पर तेजी से रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। यही खूबी उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है। अब तक 33 टी20 आई में रिंकू ने 42 की औसत और 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 546 रन बनाए हैं। वहीं घरेलू क्रिकेट में भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अभी तक 50 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 54.68 की औसत के साथ 3336 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम 22 अर्धशतक और 7 शतक हैं।

त्रिनिदाद एंड टोबैगो, टाइटन्स और ओवल इनविंसिबल्स टीमों ने लगायी है जीत की हैट्रिक

मुम्बई। दुनियाभर में अभी कई टी20 लीग खेली जाती हैं। इससे काफी अधिक मुकाबले हो रहे हैं। इनमें किसी भी टीम के लिए लगातार जीत दर्ज करना आसान नहीं होता पर तीन टीमें ऐसी हैं जो लगातार तीन साल से चैंपियन बनती चली आ रही है। इसमें त्रिनिदाद एंड टोबैगो, टाइटन्स और ओवल इनविंसिबल्स जैसी तीन टीमें हैं।

त्रिनिदाद एंड टोबैगो की ने कैरेबियन लीग टी20 में 2011, 2012 और 2013 में लगातार तीन खिताब जीते थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका में ऐसा देखने को मिला, जब वहां की टाइटन्स टीम ने रैम स्लैम और सीएसए टी20 चैलेंज में 2015, 2016 और 2017 में खिताबी हैट्रिक लगाई थी। अब ऐसा ही कमाल इंग्लैंड में देखने को मिला है, जहां द हंड्रेड लीग में ओवल इनविंसिबल्स ने तीन बार जीत हासिल की है।

ओवल इनविंसिबल्स ने द हंड्रेड लीग में 2023, 2024 और अब 2025 का खिताब जीतकर हैट्रिक लगाई है। ओवल इनविंसिबल्स अब इस टूर्नामेंट की सबसे सफल और एकमात्र टीम है, जिसने लगातार तीन खिताब जीते हैं। द हंड्रेड लीग को भी टी20 लीग का दर्जा प्राप्त है।

वहीं टाइटन्स टीम ने रैम स्लैम और सीएसए टी20 चैलेंज में 2015, 2016 और 2017 में खिताबी हैट्रिक लगाई हैं।

इस तरह ओवल इनविंसिबल्स भी उन टीमों में शामिल हो जाती है, जिसने लगातार तीन टाइटल टी20 टूर्नामेंट में जीते हैं। ओवल इनविंसिबल्स ने ट्रेंट रॉकेट्स को हराकर द हंड्रेड लीग 2025 का खिताब अपने नाम किया है।

एकदिवसीय क्रिकेट के पहले 55 मैचों में सचिन और विराट से आगे हैं शुभमन

मुम्बई। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन एकदिवसीय में भी काफी अच्छा रहा है। यहां तक कि वह शुरुआती आंकड़ों पर नजर डालें तो महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और पूर्व कप्तान विराट कोहली से भी आगे नजर आते है। सचिन और विराट के नाम विश्व क्रिकेट में कई रिकार्ड हैं। शुभमन ने अभी तक 55 एकदिवसीय ही खेले हैं। ऐसे में अगर विराट और सचिन के पहले 55 एकदिवसीय मुकाबलों से उनकी तुलना करें तो शुभमन आगे दिखते हैं।

सचिन तेंदुलकर = सचिन ने अपने एकदिवसीय करियर में कुल 463 मैच खेले जिसमें 44.83 की औसत के साथ 18426 रन बनाए। हालांकि सचिन के एकदिवसीय करियर की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहले 55 एकदिवीसय में सचिन के नाम एक भी शतक नहीं है। उनका पहला शतक 79वें एकदिवसीय में बना था। 55 एकदिवसीय के बाद उनके 31.76 की औसत से केवल 1556 रन थे।

विराट कोहली

विराट के नाम एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने करियर में अभी तक 302 एकदिवसीय खेले हैं जिसमें 57.9 की औसत के साथ 14181 रन ही बनाए हैं। पहले 55 एकदिवसीय के बाद विराट के सचिन तेंदुलकर से अधिक 2059 रन थे, जो उन्होंने 42.9 की औसत के साथ बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 5 शतक भी लगाये थे।

शुभमन

शुभमन पहले 55 एकदिवसीय के बाद रनों और शतक के साथ ही औसत के मामले में भी कहीं आगे हैं। शुभमन ने अभी तक 59.04 की औसत के साथ 2775 रन बनाये हैं। उनके नाम 8 शतक है। इससे पता चलता है कि शुभमन सचिन और विराट की तुलना में काफी बेहतर है। अब देखना होगा कि आगे वह अपनी बढ़त बनाये रख पाते हैं या नहीं।

राशिद की घातक गेंदबाजी से अफगानिस्तान ने यूएई को हराकर दर्ज की पहली जीत

शारजाह। कप्तान राशिद खान की जबरदस्त गेंदबाजी से अफगानिस्तान की टीम ने यहां तिकोणीय क्रिकेट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान यूएई को हरा दिया। ये इस सीरीज में अफगान टीम की पहली जीत है। इससे उसे 2 अंक मिले हैं। इस मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार अर्धशतकों से 188 रन बनाये।

इसके बाद मेजबान यूएई की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 8 विकेट पर 150 रन ही बना पायी और उसे 38 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवरों में चार विकेट पर 188 रन बनाए।

इब्राहिम जादरान ने 63 रन जबकि सदीकुल्लाह अतल ने 54 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम राशिद खान और शरफुद्दीन अशरफ का सामना नहीं कर पायी। राशिद ने 21 रन देकर 3 जबकि अशरफ ने 24 रन देकर इतने ही विकेट लिए। यूएई की ओर से केवल कप्तान मुहम्मद वसीम ने 67 रन और राहुल चोपड़ा ने नाबाद 52 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे। यह अफगानिस्तान की इस सीरीज में पहली जीत थी जबकि यूएई को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले के मैच में उसे पाक ने हराया था। अब पाक टीम दो मैचों में दो जीत के साथ ही अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने भूकंप पीड़ितों को दान की मैच फीस

शारजार। यहां अभी त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज खेल रही अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने अपने देश में आये भूकंप पर दुख जताते हुए पीड़ितों के लिए मैच फीस की पूरी राशि ही दान कर दी है। इन खिलाड़ियों ने भूकंप पीड़ितों के लिए दुआएं भी की हैं। खिलाड़ियों ने कहा है कि वे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ मिली मिली मैच फीस की राशि दान कर देंगे। पूरी मैच फीस के साथ ही खिलाड़ियों ने निजी तौर पर भी सहायता राशि दी है। अफगानिस्तान और यूएई के खिलाड़ियों ने मैच से पहले जान गंवाने वाले लोगों की याद में कुछ देर के लिए मौन भी रखा।

गौरतब है कि 1 सितंबर की देर रात आए भूकंप से अफगानिस्तान में 800 से ज्यादा लोग मारे गए। इसके अलावा 2,800 से ज्यादा लोग इस घायल भी हुए हैं। इलाके के घर भी तबाह हो गये हैं। भारत समेत कई देश अफगानिस्तान की सहायता के लिए आगे आए हैं। खाद्य सामग्री के साथ-साथ मेडिकल सुविधाएं भी उपलब्ध करायी गयी हैं।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा, टीम ने भूकंप पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखायी है। अफगानिस्तान टीम ने यूएई के खिलाफ होने वाले मैच की अपनी पूरी मैच फीस और अतिरिक्त राशि भूकंप से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए देने की बात कही है। इसके अलावा, खोस्त प्रांत में चल रहे क्षेत्रीय लिस्ट ए टूर्नामेंट में शामिल खिलाड़ी भी अपना दान एकत्र करेंगे।

राशिद ने साउदी का रिकार्ड तोड़ा, टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

शारजाह । अफगानिस्तान के अनुभवी स्पिनर राशिद खान ने यूएई के खिलाफ त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के मैच में तीन विकेट लेते ही एक नया विश्व रिकार्ड अपने नाम किया है। अब राशिद टी20 क्रिकेट में न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी को पीछे छोड़कर सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं।

साउदी ने साल 2008 से 2024 तक कीवी टीम की ओर से 126 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 164 विकेट लिए है। वहीं राशिद के अब 98 मैचों में 165 विकेट हो गये हैं। राशिद ने यूएई के खिलाफ मैच में तीन बल्लेबाजों को 21 रन देकर पेवेलियन भेजा।

वहीं सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के भारतीय मूल के गेंदबाज ईश सोढ़ी हैं। ईश ने 126 मैचों में 150 विकेट लिए हैं।

राशिद ने 26 अक्टूबर 2015 को बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से अफगानिस्तान की ओर अब तक 97 मैच खेलें हैं। उन्होंने अफगानिस्तान के लिए 163 विकेट लिए हैं और आईसीसी विश्व इलेवन की ओर से खेलते हुए दो विकेट लिए हैं।

राशिद ने अब तक 18 टीमों के खिलाफ टी20आई मैच खेले हैं और सबसे ज्यादा विकेट आयरलैंड टीम के खिलाफ लिए हैं।आयरलैंड के खिलाफ खेले गए 21 टी20आई मैचों में उन्होंने 45 बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा है। अफगानिस्तान की ओ से टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में राशिद के बाद मोहम्मद नबी और तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक का नाम आता है।

अमांडा और ओसाका अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

न्यूयॉर्क। अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अमांड ने दूसरे दौर के मुकाबले में ब्राजील की बीट्रिज हद्दाद माइया को सीधे सेटों में 6-0, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। अनिसिमोवा ने पहले ही गेम में माइया की सर्विस तोड़ी और इसके बाद लगातार मैच में बढ़त बनाये रखी। उन्होंने माइया को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। खेल के दौरान अमांडा ने बैकहैंड शॉट्स लगाए। दूसरा सेट ज्यादा प्रतिस्पर्धी रहा।

वहीं माइया की सर्विस फिर से तीसरे शुरुआती गेम में टूटी पर लगातार सात गेम गंवाने के बाद उन्होंने एक ब्रेक हासिल किया। हालांकि, अनिसिमोवा ने इसके बाद वापसी करते हुए जीत हासिल की। अमांडा ने हद्दाद माइया पर जीत के साथ अपना ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड 42-22 कर लिया। इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 35-14 तक रहा।

अब क्वार्टर फाइनल में अमांडा का मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त पोलैंड की इगा स्वियातेक से होगा। यह दोनों के बीच दूसरा मुकाबला होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में जापान की नाओमी ओसाका ने अमेरिका की कोको गॉफ को 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। ओसाका का सामना अब चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। मुचोवा ने एक अन्य मुकाबले में यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक को 6-3, 6-7(0), 6-3 से हराया।

ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने और निराकरण करने कलेक्टर पहुंचे बुदबुदा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में कलेक्टर मृणाल मीना 02 सितम्बर को वारासिवनी विकासखंड के ग्राम बुदबुदा पहुंचे और उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने के बाद उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। बुदबुदा में आयोजित इस जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, वारासिवनी एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल, जनपद सीईओ सुश्री दीक्षा जैन, तहसीलदार एवं सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बुदबुदा में आयोजित जनसुनवाई में धानीटोला के प्रकाश मंडलवार शिकायत लेकर आए थे कि उन्होंने अपने घर पर पक्का शौचालय बना लिया है। लेकिन अब तक शासन से शौचालय की राशि नही मिली है। इसी प्रकार बुदबुदा की मनीषा मरठे प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास स्वीकृत कराने की मांग लेकर आयी थी। मनीषा का कहना था कि उसका मकान गिर गया है और उसके पास रहने के लिए अपना कोई मकान नही है। अतः उसे मकान निर्माण के लिए प्रधानमंत्री

आवास योजना में राशि स्वीकृत की जाए। इन दोनो प्रकरणों में जनपद सीईओ को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। बुदबुदा की इस जनसुनवाई में दो किसान शिकायत लेकर आए थे कि उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी योजना का लाभ नही मिल रहा है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने मौके पर ही पटवारी को तलब कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली और पटवारी को सख्त निर्देश दिये कि सभी पात्र किसानो को इस योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। बुदबुदा में आयोजित इस जनसुनवाई में उद्योग विभाग के संबंधित 01, शिक्षा विभाग के 02, पंचायत विभाग के 06, बिजली विभाग का 01, महिला एवं बाल विकास विभाग के 07 तथा राजस्व विभाग के 10 आवदेन प्राप्त हुए थे।

कलेक्टर ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बुदबुदा का निरीक्षण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने बुदबुदा में आयोजित जनसुनवाई के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद स्टॉफ से उपचार के लिए आने वाले मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि स्वास्थ्य केंद्र

नियमित रूप से अपने समय पर खुलना चाहिए और वहां पदस्थ कर्मचारी अपने मुख्यालय पर अनिवार्य रूप से निवासरत होना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र एवं उसके परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, जनपद सीईओ सुश्री दीक्षा जैन, तहसीलदार एवं सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

एचपीएम कम्पनी के बैच नम्बर KE04 की दवॉ क्लोरोम्युरॉन के जिले में क्रय-विक्रय एवं परिवहन पर प्रतिबंध

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। उपसंचालक कृषि एवं जिला अनुज्ञापन अधिकारी श्री फूलसिंह मालवीय ने पौध संरक्षण रसायन निर्माता कंपनी एचपीएम के उत्पाद क्लोरोम्युरॉन इथाइल 25 प्रतिशत के जिले में क्रय-विक्रय एवं परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभावी हो गया है। प्रदेश के अन्य जिलों में सोयाबीन की फसलो में उक्त कम्पनी के उत्पाद क्लोरोम्युरॉन इथाइल का उपयोग करने से फसल नष्ट होने संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई है। वर्तमान में बालाघाट जिले में उक्त कंपनी के उत्पाद से फसलो में नुकसान की किसी भी प्रकार की शिकायतें दर्ज नहीं की गयी है। किन्तु विभिन्न जिलों में प्राप्त शिकायतों एवं कृषक हितों को ध्यान में रखते हुए कीटनाशी अधिनियम के अंतर्गत निर्माता कंपनी एचपीएम के उत्पाद क्लोरोम्युरॉन इथाइल 25 प्रतिशत के जिले में क्रय-विक्रय एवं परिवहन को अगामी आदेश तक तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है।

मिशन शक्ति के अंतर्गत जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शक्ति अंतर्गत हब फार एंपावरमेंट ऑफ विमेन अंतर्गत 12 सितम्बर तक 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान किया जाना है। इसी तारतम्य में कलेक्टर श्री मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन में 02 सितम्बर को बैहर विकासखंड के ग्राम पंचायत जामटोला किनारदा एवं ग्राम पंचायत खुटिया में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पंचायत में महिला श्रमिकों को शासन की योजना की जानकारी दी गई एवं महिलाओं को महिला केन्द्रित योजनाओं और नीतियों पर विशेष क्षमता, निर्माण जागरूकता सत्र आयोजित कर चर्चा की गई। महिलाओं को उद्यम स्थापित करने में सहायता के लिए प्रधान मंत्री मुद्रा योजना, मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना, महिलाओं को महिला हेल्प लाइन 181, वन स्टॉप सेंटर, आपातकालीन सहायताओं के बारे में समस्त जानकारी दी गई। स्वयं सेवी संस्था प्रक्रत्म की अध्यक्ष श्रीमती गरिमा नगपुरे द्वारा बांस से बनी वस्तुओं का उद्यम स्थापित करने एवं प्रशिक्षण के लिए जानकारी दी गई।

पोषण सप्ताह अंतर्गत रैली, दीवार लेखन व मातृत्व वंदना योजना की जानकारी दी गई। उक्त कार्यशाला में ग्राम पंचायत खुटिया के सुपरवाइजर श्रीमति मोहिनी मिश्रा, रोजगार साहयक मुकेश पटले, सरपंच भावना बिसेन, स्वयं सेवी संस्था प्रक्रत्म से अध्यक्ष श्रीमती गरिमा, संजय लिल्हारे एवं ग्राम पंचायत जामटोला किनारदा के सचिव वालके, वन विभाग से गौतम उपस्थित रहे।

मूक बधिर छात्र स्वराज दीप की नही रूकेगी पढ़ाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गरीब परिवार के मूक बधिर बालक स्वराज दीप कक्षा 12वीं की पढ़ाई के बाद आगे भी अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहता है, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति इसकी इजाजत नही दे रही थी। स्वराज दीप परेशान और चिंतित हो रहा था कि उसका आगे का भविष्य कैसा होगा। ऐसे में कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने स्वराज दीप की पढ़ाई के लिए मदद का भरोसा दिलाकर उसकी चिंता दूर कर दी है। स्वराज दीप 02 सितम्बर को अपनी माता के साथ कलेक्टर श्री मीना को अपनी परेशानी बताने कलेक्ट्रेट कार्यालय आया था।

बालाघाट तहसील के ग्राम नैतरा की राजवंती धुर्वे बहुत गरीब परिवार से है। उसके पति का पहले ही निधन हो चुका है और 04 बच्चों की पढ़ाई व पालन पोषण का जिम्मा उसके ऊपर है। राजवंती के तीन बच्चें मूक बधिर है। तीनों बोलने और सुनने में सक्षम नही है। सबसे छोटा बेटा जयदीप मूक बधिर नही है और

वह गांव के स्कूल में पढ़ाई कर रहा है। राजवंती की बड़ी बेटी रक्षा ने सातवीं तक की पढ़ाई की है। उसका स्वास्थ्य प्रायः खराब रहने के कारण उसने पढ़ाई छोड़ दी है। बड़ी बेटी रानी धुर्वे नागपुर के मूक बधिर विद्यालय में 12वीं की पढ़ाई कर रही है।

राजवंती धुर्वे के बेटे स्वराज दीप ने नागपुर के मूक बधिर विद्यालय से 12वीं कक्षा पास कर ली है और अब वह आगे पढ़ाई करना चाहता है। लेकिन माता राजवंती 02 बच्चों को बाहर पढ़ाने में सक्षम नही है। राजवंती ने कलेक्टर श्री मीना को बताया कि स्वराज दीप की आगे की पढ़ाई के लिए उसे हरियाणा या मैसूर भेजना होगा। लेकिन वह इतना खर्च उठाने में समर्थ नही है। कलेक्टर श्री मीना ने राजवंती की व्यथा सुनने के बाद उसे आश्वस्त किया है कि स्वराज दीप की आगे की पढ़ाई के लिए जिला प्रशासन पूरी मदद करेगा और इसका इंतजाम भी करेगा। उन्होंने मौके पर ही जिला शिक्षा अधिकारी को बुलाकर देश के अन्य स्थानों पर संचालित मूक बधिर विद्यालय से सम्पर्क कर स्वराज दीप का उसमें प्रवेश दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वराज दीप की फीस एवं छात्रावास आदि के खर्च की जिला प्रशासन शीघ्र ही व्यवस्था करेगा। कलेक्टर श्री मीना द्वारा दिये गए भरोसे से स्वराज दीप और उसकी माता राजवंती खुश है कि स्वराज दीप की आगे की पढ़ाई नही रूकेगी।

बहुजन मुक्ति पार्टी का सातवां राज्य अधिवेशन संपन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जन्म जयंती और छत्रपति शाहू महाराज की 151वीं जन्म जयंती के अवसर पर बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा मध्य प्रदेश का सातवां राज्य अधिवेशन का आयोजन किया गया। नगर के कमला नेहरू महिला मंडल सभागृह में 2 सितंबर मंगलवार को आयोजित इस अधिवेशन में उपस्थित पदाधिकारियो ने देश की राजनैतिक व्यवस्था पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, सत्ता परिवर्तन की जगह व्यवस्था में परिवर्तन किए जाने की बात कही। जहां उन्होंने न सिर्फ ईवीएम मशीन का विरोध किया बल्कि उन्होंने जातिगत जनगणना, वन संरक्षण अधिनियम, बहुजन मुक्ति पार्टी को तीसरे विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने, व बूथ लेवल पर पार्टी का नेटवर्क तैयार करने सहित देश के ज्वलंत अन्य मुद्दों पर चर्चा कर पार्टी संगठन को मजबूत बनाने और आगामी चुनाव में भी ईवीएम के विरोध के साथ-साथ पार्टी द्वारा सभी सीटों पर उम्मीदवार

उतारकर, उम्मीदवारों को विजय दिलाए जाने की समझाईश दी। जहां देर शाम मध्य प्रदेश के सातवें राज्य अधिवेशन का समापन किया गया।इस दौरान राष्ट्रीय बहुजन मुक्ति पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सरजेराव सहारे क्रिश्चियन मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कच्छप, भारत मुक्ति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एच. एस. मौर्य, संभागीय प्रभारी जनाब अकिल खान, जिलाध्यक्ष राजेश मरार, पेंशनर्स संघ प्रदेश अध्यक्ष के.पी. भूमरकर, भारत मुक्ति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रूप नारायण एक्का ,राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा से एडवोकेट विमलेश सोनी, कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष करन सिंह लोधी, योगेंद्र योगी, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण गजभिए, कुंज बिहारी पटेल, प्रदेश महासचिव जे.डी.पाटील, परमानंद साहू, प्रदेश अध्यक्ष अजय वासनिक, और जिला अध्यक्ष नर्मदा नागवंशी, सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

चोरपिंडकेपार में कृषक खेत पाठशाला का किया गया आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन एवम पोषण मिशन दलहन योजनान्तर्गत 01 सितम्बर को विकासखंड खैरलाजी के ग्राम चोरपिंडकेपार में कृषक खेत पाठशाला का आयोजन किया गया। पाठशाला में कृषि विस्तार अधिकारी श्री संघर्ष लांजेवार द्वारा प्राकृतिक खेती के महत्त्व एवम बीजामृत बनाने की विधि, स्वयं के बीज बनाने की विधि आदि जानकारी विस्तार पूर्वक बताई गई । प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री आर पी मर्सकोले द्वारा उर्वरकों का उचित मात्रा में उपयोग एवं विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

कृषक खेत पाठशाला में कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री पूजा राहंगडाले द्वारा उर्वरकों के स्थान पर हरी खाद का उपयोग करने एवं मिलेट्स (मोटे अनाज) उगाकर दैनिक खाने में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री भानुप्रिया चौहान द्वारा मिट्टी नमूना परीक्षण की विधि विस्तार से बताई गई। ग्राम के प्रगतिशील कृषक श्री राजेश उइके एवम श्री ज्ञानेश गौतम द्वारा उनके खेत में की जा रही प्राकृतिक खेती एवम अंतरवर्तीय खेती के अपने अनुभव साझा किये गए। जिससे दूसरे कृषक भी प्रेरित हो सके।

कृषि विस्तार अधिकारी ने बोट्टे एवं बिरसोला में धान फसल का किया निरीक्षण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री आंचल खोबरागढ़े ने 01 सितम्बर को लालबर्रा विकासखंड के ग्राम बोट्टे एवं बिरसोला मे धान के खेतों का निरीक्षण किया तथा किसानो से सम्पर्क कर धान में तना छेदक बीमारी की रोकथाम के लिए उन्हें मार्गदर्शन दिया। उन्होंने ग्राम बिरसोला में कृषक के खेत में निरीक्षण उपरांत तना छेदक बीमारी की रोकथाम के लिए समक्ष में दवा का छिड़काव करवाया।

कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री खोबरागढ़े ने परिक्षेत्र बिरसोला के ग्राम बोट्टे में किसानों से संपर्क कर उन्हें फसलों में लगने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए सलाह दी। इनमें कृषक श्री चंद दशरिए, भजनलाल पगरवार, मानीकराम खोबरागड़े, भोजलाल गोंडाने, हीराम झंझो, लकाराम झंझो,

जीवन लाल झंझो इन कृषको की उपस्थिति रही। इसके पश्चात ग्राम पंचायत बिरसोला में कृषक योगेश भगत के खेत में जाकर धान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया की धान की फसल में तना छेदक बीमारी लगी हुई है। इसकी रोकथाम के लिए क्लोरोपाईरिफॉश एवं साईपरमिथेन या कोराजन, क्लोरोट्रानीलिप्रोल 05 से 06 मि.ली. 01 पंप छिड़काव करने की सलाह दी गई और बताया गया कि इनके छिड़काव से तना छेदक कीट तथा इल्लियां नष्ट हो सकती हैं। कृषि विस्तार अधिकारी आंचल खोबरागड़े की उपस्थिति में कृषक योगेश भगत जी के खेत में तना छेदक बीमारी को देखते हुए कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव सावधानी पूर्वक कराया गया।

कलेक्टर ने किया बुदबुदा के आंगनवाडी केंद्र का निरीक्षण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने 02 सितम्बर को बुदबुदा प्रवास के दौरान वहां के आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों को दी जा रही सुविधा एवं सेवाओं की जानकारी ली और केंद्र के बच्चों को दिए जाने वाले भोजन का स्वाद भी लिया। 02 सितम्बर को आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए भोजन में पुड़ी और हलवा बनाया गया था। कलेक्टर श्री मीना ने आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान कार्यकर्ता से बच्चों के टीकाकरण, कुपोषित बच्चों की पहचान और उनके उपचार की

जानकारी ली। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा बताया गया कि केंद्र में बच्चों का नियमित रूप से टीकाकरण कराया जाता है। दस्तक अभियान के अंतर्गत बच्चों को विटामिन-ए की खुराक भी दी गई है। केंद्र के बच्चों का नियमित अंतराल पर वजन किया जाता है और उनके पोषण स्तर पर निगरानी रखी जाती है। कलेक्टर श्री मीना ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से कहा कि वे आंगनवाड़ी की सेवाओं में और बेहतर बनाने का प्रयास करें। इस अवसर पर उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में दर्ज बालिका जानवी साहू और आरवी गजभिये को लाडली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र प्रदान किये। आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, जनपद सीईओ सुश्री दीक्षा जैन, बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती यशोदा भगत उपस्थित थी।

कलेक्टर ने किया मनरेगा से तैयार नंदन फलोद्यान का निरीक्षण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना 02 सितंबर को बुदबुदा ग्राम पंचायत के ग्राम धानीटोला में अशोक मरार के डेढ़ एकड़ क्षेत्र में मनरेगा के अंतर्गत लगाए गए नंदन फलोद्यान का निरीक्षण किया। इस नंदन फलोद्यान में 02 वर्ष पूर्व लगाए गए फलों के पौधे अब बड़े होने लगे है और उनमें फल आने लगे है। इससे फलोद्यान के मालिक अशोक मरार को मुनाफा भी मिलने लगा है। कलेक्टर श्री मीना इस फलोद्यान को देखकर खुश हुए और उन्होंने अशोक से कहा कि अपने इस उद्यान का विस्तार करें और अन्य फलों के पौधे भी इसमें लगाए। इससे अन्य लोगो को भी फलो की खेती करने का प्रोत्साहन मिलेगा।

जून 2023 में अशोक मरार को फलोद्यान के लिए मनरेगा से 01 लाख 85 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई है। यह राशि 03 वर्ष में पौधो की प्रगति के आधार पर किश्तों में दी जाना है। अशोक को इस फलोद्यान के लिए शासन से लगभग 90 हजार रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है। अभी इस फलोद्यान में आम, अमरुद और कटहल के 450 पौधे लगे हैं। इस वर्ष इस फलोद्यान से अशोक को 85 हजार रुपए की आय हुई है। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल एवं जनपद सीईओ सुश्री दीक्षा जैन उपस्थित रहीं।

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य का दौरा कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन 02 सितम्बर की रात्रि 11:40 बजे भोपाल से गोंदिया के लिए प्रस्थान करेंगी तथा 03 सितम्बर को प्रात: 07:05 बजे गोंदिया पहुंचेगी। श्रीमती मौसम बिसेन गोंदिया से प्रातः 08 बजे बालाघाट पहुंचेगी एवं स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगी।

रेलवे क्रॉसिंग सरेखा पर बने ओवरब्रिज का औपचारिक किया गया शुभारंभ

कांग्रेस ने लगाया शासकीय कार्यक्रम का राजनीतिकरण करने का आरोप, ब्रिज के शुभारंभ पर भाजपा के झंडे लेकर आने से कांग्रेसी हुये नाराज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगरीय क्षेत्र के सरेखा रेलवे क्रॉसिंग पर बने ओवरब्रिज का 2 सितंबर को शुभारंभ किया गया। इसके लिए संबंधित विभाग द्वारा सांसद भारती पारधी, बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं अन्य अलग-अलग पार्टी के जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था । किंतु तय समय अनुसार 4ः00 बजे सांसद, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन सहित भाजपा पदाधिकारीयों ने रेलवे ओवरब्रिज पर भाजपा के झंडे लेकर ढोल नगाड़ों के साथ ओवरब्रिज का शुभारंभ कर दिया। कांग्रेस विधायक सहित कांग्रेसियों ने जिला प्रशासन के साथ-साथ भाजपा जनप्रतिनिधियों पर आरोप लगाया कि यह शुभारंभ कार्यक्रम प्रशासनिक कार्यक्रम था, इसमें भाजपा पदाधिकारी को अपने पार्टी का झंडा लेकर नहीं आना था । उन्हें संबंधित विभाग द्वारा शुभारंभ के कार्यक्रम की तो जानकारी दी गई थी, किंतु जब वह पहुंचे तो पहले ही भाजपा पदाधिकारीयों ने पार्टी का झंडा लेकर ब्रिज का शुभारंभ कर दिया था ,जो की सही नहीं है। वह इस शासकीय कार्यक्रम में भाजपा के झंडे के नीचे जाकर इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने से इनकार कर दिया, उन्होंने इस प्रकार भाजपा के झंडे लेकर शासकीय कार्यक्रम में किए गए ब्रिज के शुभारंभ का विरोध किया।

आपको बता दे कि जिले के बहुप्रतिक्षित सरेखा रेलवे ओवरब्रिज में मंगलवार को तीसरे लेग का औपचारिक शुभारंभ कर दिया गया। 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुके, इस ब्रिज से हल्के वाहनो के आवागमन के लिए सांसद भारती पारधी और पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने औपचारिक शुरूआत की। विधायक अनुभा मुंजारे ने शुभारंभ कार्यक्रम को भाजपामय बनाने के लिए प्रशासन और पुलिस को आड़े हाथो लेते हुए कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन, जिले में भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे है। बीते दिनों बताया गया था कि 2 सितंबर को सरेखा रेलवे ओवरब्रिज का औपचारिक शुभारंभ किया जायेगा। उसमें सांसद, विधायक और जिला पंचायत अध्यक्ष की उपस्थिति में इसके शुभारंभ की जानकारी दी गई थी, लेकिन विधायक और जिला पंचायत की गैरमौजूदगी में ही पूर्व मंत्री और सांसद ने इसका शुभारंभ कर दिया। ओवरब्रिज के हनुमान चौक की ओर से तीसरे लेग के औपचारिक शुरूआत पर भाजपा ने जमकर आतिशबाजी की और इस ब्रिज का श्रेय पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन को देते हुए उनका फूलमालाओं से स्वागत किया। कांग्रेस ने ब्रिज के तीसरे लेग के शुभारंभ को शासकीय कार्यक्रम बताते हुए इसका राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने बताया कि इस ब्रिज को महात्मा ज्योतिबाफुले ओवरब्रिज से नामकरण किया जा चुका है, आवागमन के लिए आज इसे शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि शेष कार्य के लिए पैसो की कोई कमी नहीं होगी और अब आवागमन सुलभ होगा और जिले का सर्वांगीण विकास होगा। सांसद भारती पारधी ने बताया कि इसका विधिवत लोकार्पण मुख्यमंत्री करेंगे। इस ब्रिज का पूरा श्रेय पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन को जाता है। कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने बताया कि ब्रिज के तीसरे लेग पर आवागमन की औपचारिक शुरूआत का कार्यक्रम शासकीय था। जिसका भाजपा ने राजनीतिकरण किया है। इसे हम किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगें ।

70 करोड़ 85 लाख रुपए की लागत से बना है ब्रिज

नगरीय क्षेत्र बालाघाट में गोंदिया रोड पर सरेखा रेल ओवर ब्रिज का निर्माण वाय आकार में किया गया है। 70 करोड़ 85 लाख रुपए की लागत के इस रेल ओवर ब्रिज निर्माण के लिए 05 सितंबर 2022 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसका भूमि पूजन किया था। निर्धारित समयावधि के बीतने के बाद महिनों बाद इसका काम अब भी 90 प्रतिशत तक ही पूर्ण हो सका है। अभी इस ब्रिज में सर्विस रोड, पेंटिंग एवं फिनिशिंग और बिजली का काम अधूरा है। इस ब्रिज से हल्के वाहनों के लिए आवागमन शुरू कर दिया है। जिससे निश्चित ही आमजनों को बहुत सहुलियत होगी। सरेखा रेल्वे अंडर ब्रिज पर भी यातायात का दबाव कम हो जाएगा। बालाघाट नगरीय क्षेत्र में तीन स्थानों पर रेल ओवर ब्रिज बनाए जा रहे हैं।

सब्जी व्यवसायी की दुकान को चोरों ने बनाया निशाना

लॉकर में रखें 60000 रूपये लेकर हुए फरार, पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कर रही जांच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर में धीरे-धीरे चोरियों के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं । जहां बीते दिनों शहर के अलग-अलग क्षेत्र में चोरी की घटनाएं घटी थी एवं पुलिस ने भी लगातार हो रही चोरियों पर लगाम लगाते हुए कुछ चोरियों का खुलासा भी किया था और चोरों पर कार्रवाई भी की थी, पुनः फिर एक बार शहर के व्यस्ततम क्षेत्र गुजरी बाजार में फिर एक बार अज्ञात चोरों ने एक सब्जी व्यवसायी की दुकान से लगभग 50 से 60 हजार रूपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया है । व्यवसायी की शिकायत पर पुलिस ने चोरी की इस घटना पर संज्ञान लेते हुए अलग-अलग सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगालना शुरू कर दिया है। आपको बता दे की शहर में फिर अज्ञात चोरों द्वारा एक सब्जी व्यवसायी की दुकान को अपना निशाना बनाते हुए 50 से 60 हजार रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। जबकि देखा जाए तो बीते दिनों हो रही लगातार चोरी के बाद पुलिस ने कुछ चोरियों का खुलासा किया था और कुछ चोरों पर कार्रवाही की गई थी। उसके बाद पुनः फिर शहर के व्यस्ततम इतवारी बाजार में सब्जी व्यवसायी रिंकू सेवईवार की दुकान में चोरों ने इतवार और सोमवार की दरमियानी रात्रि में दुकान बंद होने के बाद, दुकान को अपना निशाना बनाया है, व्यवसायी रिंकू ने बताया कि उन्होंने इतवार की रात्रि में अपनी दुकान बंद कर, वह अपने घर चले गए थे एवं सोमवार को सब्जी बाजार बंद रहता है ,जिस कारण उन्होंने दुकान नहीं खोला था , जैसे ही 2 सितंबर की सुबह उन्होंने अपनी दुकान खोला और जैसे ही पैसे की ड्रॉच में चाबी लगाया वैसे ही ड्राच अपने आप ही खुल गया ,जिसमें कुछ कैश रखा हुआ था जो नहीं था, रिंकू ने बताया कि लगभग 50 से 60 हजार रुपए उनके ड्राच में रखा था जो नहीं है, इस पूरी घटना की शिकायत उनके द्वारा कोतवाली पुलिस में की गई , जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर अलग-अलग एंगल से चोरी की इस घटना पर अपनी जांच शुरू कर दी है, उन्होंने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी निकाल कर उनकी जांच कर रही है ,अनौपचारिक चर्चा में पुलिस कर्मियों ने बताया कि वह जल्द ही इस चोरी की घटना को खोल देंगे ।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से गंभीर युवक की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम छोटा आर्मी के पास रोड की गोलाई में पुलिया के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से मोटरसाइकिल में सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी बैहर अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मृतक कन्हैया पिता बालचंद धुर्वे 29 वर्ष ग्राम मोहरई थाना गढ़ी निवासी है। बैहर पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कन्हैया धुर्वे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था और वह तीन भाइयों में बड़ा था। सभी भाई संयुक्त रूप से ही रहते थे। रविवार की शाम 6ः30बजे कन्हैया धुर्वे अपनी मोटरसाइकिल में अपने घर मोहरई से आर्मी गया था और ग्राम आर्मी से वापस लौटते समय ग्राम छोटा आर्मी के पास रोड़ की गोलाई में पुलिया के पास अचानक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से कन्हैया धुर्वे मोटरसाइकिल सहित गिरने से गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गया। खबर मिलने पर परिवार के लोग पहुंचे और गंभीर रूप से घायल और बेहोश कन्हैया धुर्वे को घर लाये। जहां से उसे फोर व्हीलर में गढ़ी अस्पताल ले गए थे। गढ़ी अस्पताल से कन्हैया धुर्वे को बैहर रेफर किया गया था। कन्हैया धुर्वे को जब बैहर अस्पताल लाया गया। तब डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिए। कन्हैया धुर्वे की गढ़ी से बैहर अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। बैहर पुलिस ने मृतक कन्हैया धुर्वे का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना गढ़ी भिजवा दी है। आगे मर्ग जांच गढ़ी पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक लखन लाल कटरे द्वारा की जा रही है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट